आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.53
सूर्यास्त 06.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 11:38 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 7 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 288, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

दिल्ली और पंजाब में बाढ़ का पानी घटा लेकिन मुसीबतें अभी भी बरकरार - 9

जीएसटी में बदलाव से हर परिवार को होगा लाभ : सीतारमण - 12

हजरतबल मस्जिद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने पर और गरमाया माहौल - 13

अल्काराज और सिनर में होगा अमेरिकी ओपन का खिताबी मुकाबला - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, कवि सम्मेलन : कविता से मसखरी तक का सफर व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

विकसित भारत का सारथी बनेगा यूपी परिवहन विभाग : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने 400 बसों को दिखाई हरी झंडी, 20 फीसदी कम होगा ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया
- बस सेवा की गांवों तक कनेक्टिविटी से करीब तीन लाख रोजगार के अवसर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की नई योजनाओं और सेवाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए कहा कि इसे विकसित भारत का सारथी बनाना होगा। यूपी रोडवेज के पास देश का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसे आधुनिक, सुरक्षित व प्रतिस्पर्धी बनाना प्राथमिकता है। कहा कि बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट और गांव-गांव कनेक्टिविटी से तीन लाख रोजगार सृजित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने आठ डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, 16 इलेक्ट्रिक बस, 1 रेट्रोफिट इलेक्ट्रिक बस, 10 सीएनजी बस, दो एसी बस, 20 टाटा बस, 43 आयशर सहित 400 बीएस-सिक्स बसों और सड़क सुरक्षा के लिए 11 इंटरसेप्टर को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परिवहन निगम के पास देश में सबसे बड़ा 14 हजार बसों का बेड़ा होने के बावजूद चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उन्होंने विभाग से अल्पकालिक (3 वर्ष), मध्यम अवधि (10 वर्ष) और दीर्घकालिक (22 वर्ष) योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही लंबित फाइलों के निपटारे, जनसुनवाई तेजी से कराने और टीम वर्क मजबूत करने सख्त हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग संकट काल में भी भरोसेमंद रहा। 2019 कुंभ और कोरोना महामारी के दौरान विभाग ने उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रवासियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया। प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

योगी ने प्रदेशभर में 250 ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा देते हुए कहा कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है।

लखनऊ। रोडवेज बेड़े में शामिल हुईं बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी।

निगम को मिली प्रमुख योजनाएं

- 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों से आमजन तक 45 से अधिक सेवाएं।
- सरल परिवहन हेल्पलाइन 149, डिजिटल बस ट्रैकिंग एप का शुभारंभ।
- 400 नई बसों को हरी झंडी, 3 महिला परिचालकों को नियुक्ति पत्र।
- सात पीपीपी मॉडल आधुनिक बस स्टेशनों का शिलान्यास।
- जूपिटर ऑडिटोरियम के नवीनीकरण-उच्चीकरण का लोकार्पण।
- एडीटीसी और आरवीएसएफ के नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र।

फिटनेस जांच अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर साल सड़क हादसों में कोविड काल से अधिक लोग मारे जाते हैं। उन्होंने बस चालकों की हर तीन महीने में मेडिकल और फिटनेस जांच अनिवार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि आंखों की जांच पर विशेष ध्यान देने देंगे। साथ ही आईआईटी खड़गपुर और पुलिस की मदद से सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

ब्रीफ न्यूज

इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी खराबी कोच्चि लौटी

कोच्चि। अबू धाबी के लिए रवाना हुआ इंडिगो का एक विमान दो घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार देर रात कोच्चि लौट आया। इंडिगो ने यह जानकारी दी। विमान में 180 से अधिक यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। उड़ान 6ई-1403 शुक्रवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर कोच्चि से रवाना हुई और तकनीकी खराबी के कारण रात लगभग 1:44 बजे शहर लौटी। रात लगभग साढ़े तीन बजे यात्रियों को एक अन्य विमान से अबू धाबी ले जाया गया।

मेफेड्रोन इकाई का भंडाफोड़, बांग्लादेशी सहित 12 गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र की मीरा भयंदर वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने तेलंगाना में एक मेफेड्रोन इकाई का भंडाफोड़ किया और एक बांग्लादेशी महिला सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया। यह इकाई तेलंगाना के चेरलापल्ली में संचालित की जा रही थी। एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने संवाददाताओं को बताया कि 5.968 किलोग्राम मेफेड्रोन, 27 मोबाइल फोन, तीन वाहन, चार इलेक्ट्रॉनिक तराजू, रसायन और प्रतिबंधित पदार्थ के उत्पादन में इस्तेमाल की जाने वाली अन्य सामग्री के साथ 23.97 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं।

भारत से संबंधों पर ट्रंप का यूटर्न, मोदी बोले सकारात्मक राय का समर्थन करता हूं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- दोनों देशों के बीच विशेष रिश्ते, मोदी मेरे अच्छे दोस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों के सकारात्मक आकलन के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना करते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने दोनों देशों के विशेष संबंध की सराहना की, जिसे दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को खत्म करने के प्रयास के तौर पर देखा गया।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे, लेकिन मोदी इस समय जो कर रहे हैं, वह उन्हें पसंद नहीं आया। ट्रंप ने हालांकि, विस्तार से नहीं बताया कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। इसके कुछ घंटे बाद मोदी की सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी आई। मोदी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक राय की सराहना करते हैं और उसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच बहुत सकारात्मक, दूरदर्शी, व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।

ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि अमेरिका भारत को चीन के हाथों खो रहा है। इस पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ है। मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बताया कि हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया है - 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ज्यादा शुल्क। जैसा कि आप जानते हैं, मोदी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, वह कुछ महीने पहले यहां आए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो! सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह नया पोस्ट ऐसे समय में आया था, जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने दुनिया का ध्यान खींचा।

पिछले कुछ दिनों में व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो समेत ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत को निशाना बनाने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। भारत ने शुक्रवार को नवारो की टिप्पणी को खारिज करते हुए उसे गलत और भ्रामक बताया था। पिछले कुछ सप्ताह में, दो दशकों से अधिक के घनिष्ठ सहयोग के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में गंभीर तनाव देखा गया। यह तनाव तब शुरू हुआ, जब व्यापार समझौते के लिए बातचीत में बाधा उत्पन्न हो गई तथा ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त कराया। भारत का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत के बाद संघर्ष समाप्त हुआ।

17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में दोनों नेताओं ने दिया बयान

दोनों नेताओं ने 17 जून को फोन पर हुई बातचीत के बाद पहली बार एक दूसरे के बारे में बयान दिए हैं। भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और विवेकहीन बताया था। इससे पहले, भारत के साथ संबंधों को पुनः स्थापित करने की संभावना के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा (नरेन्द्र) मोदी का मित्र रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। चिंता की कोई बात नहीं है।

शाहजहांपुर : एसएसएमवी स्कूल में शनिवार को जब छात्र पीईटी देने पहुंचे तो कॉलेज परिसर में पानी भरा होने से परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष तक पहुंचाने के लिए भवन के किनारे मेज लगाकर रस्सी बांधी गई। पुलिस कर्मियों ने पानी में खड़े होकर उन्हें केंद्र तक पहुंचाया।

पीईटी 2025 : पहले दिन 3 लाख अनुपस्थित, 10 साल्वर पकड़े

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आयोग ने फेशियल रिकॉग्निशन और कंट्रोल रूम से परीक्षा की पल-पल निगरानी सुनिश्चित की

अमृत विचार: उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) पहले दिन शनिवार दोनों पालियों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। कुल 12,65,998 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 9,64,802 उपस्थित हुए, जबकि लगभग 3 लाख परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

आयोग के अनुसार, पहले दिन की औसत उपस्थिति 76.21% रही। इस दौरान 10 साल्वर भी पकड़े गए। पहली पाली में 6,32,999 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4,80,918 उपस्थित हुए, जबकि दूसरी पाली में 4,83,884 अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए 48 जिलों के 1479 केंद्रों में 35,249 कैमरे, 13,287 बायोमीट्रिक टीम और 11,003 फ्रिस्किंग टीम तैनात की गई। पहले दिन नकल और साल्वर की घटनाएं भी सामने आईं। मथुरा में उन्नाव का नीतेश अपने गांव के अखिलेश की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। मीरजापुर में एक अभ्यर्थी ब्लूटूथ डिवाइस छिपाकर नकल करता पाया गया। दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई। पहली पाली में 7 और दूसरी पाली में 3 लोग वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गये। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गई है। आयोग ने एआई आधारित फेशियल रिकॉग्निशन और कंट्रोल रूम से परीक्षा की पल-पल निगरानी सुनिश्चित की।

गणपति बप्पा मोरया

मुंबई में शनिवार को अनंत चतुर्दशी पर बारिश के बीच लोग भगवान गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए ढोल-ताशे के साथ और गुलाल उड़ाते हुए सड़कों पर उमड़ पड़े। मुंबई के विभिन्न जलाशयों में 18000 से अधिक गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

गुजरात का पावागढ़ रोपवे टूटा, 6 लोगों की मौत

हलोल। गुजरात के पंचमहाल जिले की प्रसिद्ध पावागढ़ पहाड़ी पर शनिवार को एक माल ढुलाई रोपवे का तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी पर यह हादसा अपराह्न करीब तीन बजे हुआ। यह पहाड़ी अपनी चोटी पर स्थित महाकालिका मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। पंचमहल के जिलाधिकारी अजय ने बताया कि विभिन्न वस्तुओं को ले जाने के लिए बनाया गया रोपवे छह लोगों को लेकर नीचे की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया। मृतकों में दो लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर व दो अन्य शामिल हैं। तार टूटने से केबल कार उस आधार बिंदु के पास गिरी, जहां रोपवे का पहला टावर स्थित है।

एसआईआर के बिहार मॉडल को पूरे देश में लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारी अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूची के एसआईआर के क्रियान्वयन की तैयारियों पर राज्यों के अपने प्रतिनिधियों के साथ अगले हफ्ते चर्चा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने बुधवार को राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक बुलाई है। 10 सितंबर को होने वाली बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा।

कनाडा ने माना खालिस्तानियों को मिली फंडिंग

ओटावा, एजेंसी

- बब्बर खालसा इंटरनेशनल और सिख्स फॉर जस्टिस जैसे संगठन कनाडा व अन्य देशों से जुटा रहे पैसा

खालिस्तानी चरमपंथियों की फंडिंग को लेकर कनाडा सरकार की चौकाने वाली एक नई रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को देश के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। इस रिपोर्ट से दिल्ली के उन दावों की पुष्टि होती दिख रही कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक बिना रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हैं।

2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल व इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई। रिपोर्ट में कनाडा में सूचीबद्ध व राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ में शामिल कई आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिजबुल्ला व खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह बब्बर खालसा तथा इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन कनाडा से ही वित्तीय सहायता प्राप्त करते पाए गए हैं। रिपोर्ट में पंजाब प्रांत में एक स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने के लिए हिंसक तरीकों का समर्थन करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों पर कनाडा सहित कई देशों में धन जुटाने का संदेह है। इन समूहों का पहले कनाडा में धन उगाही का नेटवर्क था लेकिन अब इनमें ऐसे व्यक्तियों के छोटे समूह शामिल हैं, जो इस मुद्दे के प्रति निष्ठा रखते हैं लेकिन किसी विशिष्ट समूह से कोई विशेष संबंध नहीं है।

पहल फीडिंग जोन होंगे सार्वजनिक स्थलों से दूर, तय स्थानों पर देना होगा खाना, उल्लंघन पर कार्रवाई

सुरक्षित होंगे इंसान व श्वान, उप्र में नई गाइडलाइन जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बच्चों व बुजुर्गों की सुरक्षा के मद्देनजर फीडिंग जोन होंगे सार्वजनिक स्थलों से दूर
- तय स्थानों पर ही श्वानों को देना होगा खाना, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्रों में आवारा श्वानों के बढ़ते खतरे और फीडिंग विवादों को देखते हुए नई गाइडलाइन जारी की है। यह गाइडलाइन एनिमल बर्थ कंट्रोल (स्वान) नियमावली, 2023 के अनुरूप तैयार की गई है, जिसमें सुरक्षित फीडिंग व्यवस्था, स्थायी नसबंदी अभियान और जन-जागरूकता पर जोर दिया गया है।

नगर विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, हर वार्ड में फीडिंग जोन बनाए जाएंगे, जो बच्चों के खेल स्थलों, स्कूलों या भीड़-भाड़ वाले रास्तों से दूर होंगे। भोजन कराने का समय भी इस तरह तय किया जाएगा जिससे किसी की सुरक्षा प्रभावित न हो। खासतौर पर, फीडिंग कर रहे लोगों की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा गया है कि वे केवल निर्धारित स्थानों पर ही भोजन दें और स्वच्छता बनाए रखें। समाज कल्याण की भावना के साथ कार्य कर रहे पशुप्रेमियों को नसबंदी और टीकाकरण अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया है। गाइडलाइन के अनुसार, यदि किसी क्षेत्र में फीडिंग को लेकर विवाद उत्पन्न होता है तो वहां एक विवाद निस्तारण समिति गठित की जाएगी, जिसमें मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पुलिस अधिकारी, आरडब्ल्यूए सदस्य और शिकायतकर्ता शामिल होंगे। समिति का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

> यह गाइडलाइन मानवीय दृष्टिकोण से बनी है, जिसमें सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों सुनिश्चित किए गए हैं। सुरक्षित फीडिंग जोन, विवाद निस्तारण समिति और सामुदायिक भागीदारी से न केवल बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा होगी बल्कि पशु कल्याण भी सुनिश्चित होगा। स्थानीय निकायों को दिशा-निर्देशों का त्वरित अनुपालन करना होगा, जिसकी राज्य स्तर पर सतत निगरानी की जाएगी।
> -अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग

पशु प्रेमियों को डराना-धमकाना अब दंडनीय अपराध

गाइडलाइन के तहत तय जोन के बाहर श्वानों को भोजन देना पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। स्थानीय निकायों को सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पशुप्रेमियों को डराना या धमकाना अब दंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। स्थानीय निकाय नियमों की जानकारी और फीडिंग जोन के प्रचार हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाएंगे। राज्य स्तर पर नगर विकास निदेशालय में अतिरिक्त निदेशक की अध्यक्षता में एक मॉनिटरिंग सेल गठित की जाएगी।

गोद लेकर छोड़ना अपराध, रेबीज पीड़ितों को पृथक केंद्र

श्वानों को गोद लेने की सुविधा दी गई है, लेकिन गोद लेने के बाद उन्हें छोड़ना कानूनन अपराध होगा। आक्रामक या रेबीज से संक्रमित श्वानों को विशेष निगरानी केंद्रों में रखा जाएगा। साथ ही, नगर निकायों में नोडल अधिकारी नामित होंगे जो सभी गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री वितरित करेंगे नियुक्ति पत्र

अमृत विचार,लखनऊ : उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में नियुक्ति पत्र वितरण के साथ ही विभिन्न जिलों में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा, जहां सांसद एवं विधायक सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। यह जानकारी व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शनिवार को दी। उन्होंने कहा कि लोकभवन से होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी प्रत्येक जिले में कराया जाएगा।

कैशलेस इलाज के लिए जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से प्रदेश के सभी शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों व महाविद्यालयों के शिक्षक ही नहीं बल्कि शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइए तक को लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा जगत के लिए मील का पत्थर है।

बसपा ने शुरू की पंचायत चुनाव की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायत चुनाव में बसपा पूरे दमखम के साथ उतरेगी। संगठन के कार्यों एवं जनाधार को बढ़ाने का कार्य जारी है। इसकी समीक्षा बैठक रविवार 9 सितंबर को पार्टी प्रमुख मायावती स्वयं करेंगी। इसके लिए सभी जिलों के जिम्मेदार एवं बूथ स्तर तक के लोगों को माल एवेन्यू स्थित यूपी स्टेट कार्यालय पर बुलाया गया है। साथ ही बताया गया कि 9 अक्टूबर को बीएसपी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियां की जाएंगी।

अहिछत्र धाम के विकास को 2 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने महाभारत सर्किट अंतर्गत बरेली स्थित अहिछत्र धाम के पर्यटन विकास की योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए दो करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि महाभारत कालीन और जैन धर्मावलंबियों के पवित्र स्थल अहिछत्र का विशेष धार्मिक महत्व है। द्वापर युग के बाद अहिछत्र पर गुप्त, पाल एवं सेन राजाओं का भी शासन रहा। हर बदलते दौर में अहिछत्र का वैभव कायम रहा।

घर बैठे बुक करा सकेंगे बस का टिकट

सीएससी और परिवहन निगम में करार, 14 हजार बसों में मिलेगी ऑनलाइन टिकटिंग की व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से परिवहन निगम को शनिवार को मिली सेवाओं में घर बैठे बस का टिकट बुक कराने समेत 45 फेसलेस (डिजिटल) सेवाएं शामिल हैं। यह सुविधा डेढ़ लाख से अधिक केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

उप्र. परिवहन निगम और सीएससी के बीच हुए करार से 14 हजार सरकारी बसों में टिकट घर बैठे बुक और रिजर्व कराई जा सकेगी। यात्रियों को बस स्टेशनों पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा, परिवहन विभाग की इन 45 फेसलेस सेवाओं में ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, टैक्स, परमिट समेत अनेक सेवाएं भी शामिल होंगी। इससे जनता को न केवल घर बैठे सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि प्रक्रिया और भी पारदर्शी होगी।

तीन महिला परिचालकों को दिया नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत तीन महिला परिचालकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। नियुक्ति पत्र पाने वाली महिला परिचालक आलमबाग डिपो की संगीता गौतम, गोल्डी मौर्या व कैसरबाग डिपो की अंशिका गौतम रहीं।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की विभिन्न सेवाओं की शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व अन्य।

आईआईटी खड़गपुर व परिवहन विभाग में एमओयू

आईआईटी खड़गपुर व परिवहन विभाग के बीच एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री के समक्ष हुए एमओयू में विभाग की तरफ से केपी सिंह व आईआईटी खड़गपुर से प्रो. उदय शंकर ने एमओयू आदान-प्रदान किया। परिवहन निगम व सीएससी के मध्य भी एमओयू हुआ।

जूपिटर ऑडिटोरियम के उच्चीकरण का कार्य शुरू

मुख्यमंत्री योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित जूपिटर ऑडिटोरियम के नवीनीकरण-उच्चीकरण कार्य की शुरुआत की। साथ ही मरकरी व मार्स ऑडिटोरियम के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया। 1760 .50 लाख से तीनों ऑडिटोरियम का नवीनीकरण-उच्चीकरण कराया गया।

एडीटीसी के नवीनतम केंद्रों को दिया प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने एडीटीसी के नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया। योगी ने यह प्रमाण पत्र देवरिया के वैभव शाही, जौनपुर के कृष्णमूर्ति सिंह, सोनभद्र के आनंद मिश्र, एटा के गौरव शर्मा व गौतमबुद्ध नगर के योगराज सिंह को प्रदान किया।

आरवीएसएफ के 4 नवीनतम केंद्रों को मिला प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने आरवीएसएफ नवीनतम केंद्रों को प्रमाण पत्र भी दिया। यह प्रमाण पत्र हापुड़ के ध्रुव सिंहल, बुलंदशहर के अलीम खान, गाजियाबाद के फरमान व हापुड़ के कैफ खान को दिया गया।

4 आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर के निवेशकों को प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री ने 4 नवीनतम आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर के निवेशकों को प्रमाण पत्र दिया। यह प्रमाण पत्र लखनऊ के रोहित सिंह, आगरा के अजय राय, कानपुर के विवेक श्रीवास्तव व मीरजापुर के अनुपम प्रकाश त्रिपाठी को प्रदान किया गया।

ये भी हुए सम्मानित

जनसेवा केंद्रों के माध्यम से परिवहन सेवाएं प्राप्त करने वाले चार लोगों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया। यह प्रमाण पत्र बलिया के अनुमेन्द्र प्रताप सिंह, क्रांति कुमार, वाराणसी के पवन सिंह व लखनऊ के अखिलेश शर्मा को दिया गया।

पीपीपी मोड पर विकसित होंगे सात बस स्टेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज अयोध्या धाम के बस पोर्ट्स का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास**

अमृत विचार : पीपीपी मोड पर 7 बस स्टेशन विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में बीटुगेदर द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले बसपोर्ट्स में लखनऊ (विभूति खंड, गोमती नगर), गाजियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) व अयोध्या धाम का शिलान्यास किया। रसूलाबाद (अलीगढ़), बस स्टेशन जीरो रोड (प्रयागराज) और चारबाग (लखनऊ) भी सूची में शामिल हैं।

बीटूगेदर ओमैक्स ग्रुप, लखनऊ (अमौसी) और कौशाम्बी (गाजियाबाद) बस पोर्ट्स का भी विकास जल्द करेगा। लगभग 2,700 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाले ये सभी बसपोर्ट्स यात्री सुविधा और वाणिज्यिक गतिविधियों के समन्वय के साथ विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम में ओमेक्स बीटूगेदर की ओर प्रबंध निदेशक मोहित गोयल, प्रेसीडेंट सुनील कुमार सोलंकी, ईश्वरदेव शुक्ल, नरेंद्र सिंह, अखिल सिद्धांत, परिवहन निगम के जीएम यजुर्वेद्र उपस्थित रहे। वहीं पीपीपी मोड द्वारा विकसित किए जाने वाले बस स्टेशनों के विकासकर्ता मोहित गोयल, ईश्वरदेव शुक्ल, नरेंद्र सिंह ने योगी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते बस स्टेशनों के विकासकर्ता।

आकाश आनंद के ससुर की बसपा में वापसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **सोशल मीडिया पर मायावती से माफी मांगी**

अमृत विचार : बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर व पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ की बसपा में वापसी हो गई है। इसके लिए निष्कासित चल रहे अशोक सिद्धार्थ ने बसपा प्रमुख मायावती से सोशल मीडिया एक्स पर सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते हुए माफी मांगी और भविष्य में दोबारा गलती न करने का भरोसा दिलाया। पोस्ट जारी होने के कुछ देर बाद ही बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर ही न केवल उन्हें माफ कर दिया बल्कि तत्काल प्रभाव से निष्कासन रद्द कर पार्टी मूवमेंट में सक्रिय रहने के निर्देश भी दिए।

लंबे अर्से से बसपा से निष्कासित चल रहे फर्रुखाबाद निवासी बसपा के पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि पार्टी का कार्य करने के दौरान जाने-अनजाने व गलत लोगों के बहकावे में आकर मुझसे जो भी गलतियां हुई हैं। उसके लिए बसपा सुप्रीमो से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। आगे उन्होंने कहा कि फिर कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा, साथ ही हमेशा पार्टी अनुशासन में रहकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। गौरतलब बात यह कि उन्होंने लिखा कि रिश्तेदारी का कभी कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा।

हाईकोर्ट में नियुक्तियों का रास्ता साफ

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में बेंच सेक्रेटरी संवर्ग के 32 पदों पर नियुक्ति की राह में खड़ी सबसे बड़ी बाधा हटा दी है। शासन ने 3 अगस्त 2022 के शासनादेश में लगे उस 'राइडर' (शर्त) को हटा दिया है, जिसके तहत इन पदों पर नियुक्ति तभी संभव थी, जब कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या 125 तक पहुंच जाती। मुख्य सचिव विनोद सिंह रावत द्वारा जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्यपाल ने इस राइडर को हटाने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे अब हाईकोर्ट प्रशासन को इन 32 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से जनवरी 2023, दिसंबर 2023 और अप्रैल 2024 को भेजे गए पत्रों में इस राइडर को हटाने की मांग की गई थी। शासन ने इन पत्रों पर विचार करते हुए अंततः यह निर्णय लिया।

छह बोगस फर्मों ने की 71.72 करोड़ टैक्स चोरी

राज्यकर के उपायुक्त व सहायक आयुक्त की शिकायत पर लखनऊ में पुलिस ने की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **कारोबार कर कंपनियों ने 3.36 अरब रुपये का किया फर्जीवाड़ा**

अमृत विचार : छह बोगस कंपनियां बनाकर कारोबारियों ने राजधानी में 3,36,46,85,896 रुपये का कारोबार कर मोटी कमाई की। इतना बड़ा कारोबार करने वाली इन कंपनियों ने सरकार को 71,72,93,238 रुपये की टैक्स चोरी कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में राज्यकर विभाग के चार उपायुक्त व सहायक आयुक्त ने गुडंबा थाने में कंपनियों के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इन कंपनियों ने ऑन लाइन पंजीकरण कराकर 3.36 अरब का कारोबार दिखाया और 71.72 करोड़ की टैक्स चोरी की। राज्यकर उपायुक्त अमरदीप वर्मा के मुताबिक एमएस श्रीकांत इंटरप्राइजेज ने ऑन लाइन पंजीकरण कराया। कंपनी के मालिक श्रीकांत तानजी अधव ने अंबेडकरगढ़ निर्माण संस्था सिद्धार्थ कालोनी चेंबुर का पता दर्ज कराया। कंपनी हकीकत में कहीं संचालित होना नहीं पाया गया। कंपनी ने 47,07,91,960 रुपये का कारोबार दिखाते हुए 9,27,14,425 रुपये टैक्स चोरी की।

इसी तरह सागर सोसायटी कानपुर रोड के पते पर पंजीकृत कंपनी एवन इंटरप्राइजेज के मालिक भावेश इंदुभाई त्रिवेदी ने 74,24,94,695 रुपये का कारोबार दिखाते हुए 15,21,99,958 रुपये की टैक्स चोरी की। जबकि कंपनी अस्तित्व में ही नहीं है। वहीं, सहायक आयुक्त गौरव सिंह राजपूत के मुताबिक एसएम इंटरप्राइजेज पालघर महाराष्ट्र के पते पर पंजीकृत हुआ। कंपनी के मालिक मंगेश काशीनाथ शिंदे हैं। उन्होंने राज्यकर विभाग में दाखिल किये गये दस्तावेज में 42,16,73,031 रुपये का कारोबार दिखाया। जिस पर 8,02,34,118 टैक्स चोरी की। उधर उपायुक्त भूपेंद्र सिंह के मुताबिक पटेल इंटरप्राइजेज अरौलिया रोड शहडोल मध्य प्रदेश के नाम से पंजीकृत है। इसकी मालकिन स्वाती पटेल हैं। उन्होंने अपना 28,27,76,762 रुपये का कारोबार दिखाया। जिस पर 11,00,95,659 रुपये टैक्स चोरी की। उपायुक्त सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि गुजरात के दाहोद के पते पर कृष्णा इंटरप्राइजेज का पंजीकरण है। कंपनी के मालिक किशोरी प्रवीन भाई बाबु भाई ने 59,34,84,000 रुपये का कारोबार किया। इस कारोबार पर उन्होंने 10,98,16,000 रुपये टैक्स चोरी की है। छह कंपनियों के खिलाफ राज्यकर विभाग के उपायुक्त भूपेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र यादव, अमरदीप वर्मा और सहायक आयुक्त गौरव सिंह राजपूत ने एफआईआर दर्ज कराई है।

केजीबीवी में बदल रही गरीब बेटियों की तकदीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **746 विद्यालयों में शिक्षा, खेल और तकनीक के साथ आत्मनिर्भर बन रहीं बेटियां, गांवों की बेटियों को मिल रहा उज्ज्वल भविष्य**

अमृत विचार : योगी सरकार में गरीब परिवार की बेटियों की शिक्षा अब केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बन चुकी है। राज्य के 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) आज ग्रामीण और वंचित वर्ग की बेटियों के लिए आवासीय शिक्षा, डिजिटल दक्षता, खेल, आत्मरक्षा और जीवन कौशल के केंद्र बन गए हैं।

इन विद्यालयों में इस समय 1.21 लाख से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं। इनमें 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों की बेटियों के लिए आरक्षित हैं, जबकि शेष सीटें बीपीएल परिवारों की बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं। यहां स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और 'एक शब्द एक सूत्र' जैसे नवाचारों के जरिए गुणवत्तापरक शिक्षा दी जा रही है। कंप्यूटर लैब, अतिरिक्त डॉरमेट्री, टॉयलेट ब्लॉक, ओपन जिम, एस्ट्रोनॉमिकल लैब और म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में हेल्पलाइन पट्टिकाएं, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

आईआईटी गांधीनगर की मदद से 'क्यूरियॉसिटी प्रोग्राम' भी चलाया जा रहा है। खेलों में भी 222 बालिकाओं ने राज्य स्तर पर और 35 ने राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी कर योग्यता सिद्ध की है।

छात्राओं की प्रेरक उपलब्धियां

- **उन्नाव की अर्चना निषाद :** अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम की खिलाड़ी
- **महोबा की निंदा खातून :** नीट पास कर एमबीबीएस में दाखिला
- **अमरोहा की निधि :** पीसीएस परीक्षा पास करके एसडीएम
- **प्रतापगढ़ की रिया व प्रयागराज की संध्या :** जापान भ्रमण पर गईं

टोंटी चोरी कांड को भूल नहीं सकते : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश ने 'टोंटी चोरी' कांड को तत्कालीन मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी और उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को कभी नहीं भूल सकते हैं। यह मुद्दा राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अपमान का प्रतीक बन चुका है।

DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)
Ministry of Textiles, Government of India

नेशनल हैण्डीक्राफ्ट डेवलपमेन्ट प्रोग्राम (एन.एच.डी.पी.) योजना के अन्तर्गत

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

दिनांक :- 02 सितम्बर 2025 से 11 सितम्बर 2025
समय:- प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक
स्थान :- सत्यम पैलेस वीडियो कॉलोनी के सामने, करगैना बरेली

आयोजक - शिल्पक्राफ्ट हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, फरीदपुर, बरेली
प्रायोजक - विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

नशे में धुत बेटे ने शराब के लिए मां को मार डाला

कानपुर, अमृत विचार : सेन पश्चिम पारा के कसिगवां गांव में शनिवार दोपहर नशेबाज बेटे ने शराब के लिए रुपये न देने पर बुजुर्ग मां की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी। मां उससे बचने के लिए कमरे में घुस गई तो उसने कमरे के दरवाजे पर पथराव कर हंगामा किया। फिर कुंडी तोड़कर अंदर घुसा और ईंट से हमलाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद भाग रहे युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया।

कसिगवां गांव निवासी किसान तुलसीराम यादव की करीब पंद्रह साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। जिसके बाद उनकी 60 वर्षीय पत्नी राजेश्वरी चार बेटों उमेश, सुशील, राजाराम उर्फ लादेन और मनोज के साथ रह रही थीं। उनका सबसे बड़ा बेटा उमेश कई साल पहले साधु बन गया, जिससे घर छोड़कर चला गया था। उसके बाद वह राजाराम व मनोज के साथ रह रही थीं। शनिवार दोपहर राजेश्वरी का छोटा बेटा मनोज फैक्ट्री में काम करने गया था। इसी बीच राजाराम शराब के नशे में लड़खड़ाते हुए आया और मां से शराब के लिए रुपये मांगने लगा था।

कम्पोज़िट उच्च प्राथमिक विद्यालय कोहाड़ापीर नगर क्षेत्र बरेली

पत्रांक : एस.एस.ए./131-C/2025-26 दिनांक : 04.08.2025

नीलामी सूचना

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक-एस.एम.सी. निर्माण/2886-94/2024-25 दिनांक 26.9.2024 के अनुपालन में कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय कोहाड़ापीर नगर क्षेत्र बरेली के एक जर्जर कमरा, किचन व शौचालय की नीलामी 09 सितम्बर, 10 सितम्बर, 13 सितम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे कम्पोजिट उच्च प्रा. वि. के प्रांगण में की जायेगी। नीलामी की शेष शर्तें व नियम विद्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नीलामी के समय बोलीदाता को जमा राशि के साथ अपना मूल आधार लाना अनिवार्य है। नीलामी स्वीकृत होने पर 25% की धनराशि तुरन्त जमा करनी होगी। शेष धनराशि तीन दिन के अन्दर विद्यालय के SMC खाते में जमा करनी होगी।

मो0 ताहिर अकबर (सचिव) सुनील कुमार (अध्यक्ष)
विद्यालय प्रबन्ध समिति कम्पोजिट उच्च प्रा.वि. कोहाड़ापीर नगर क्षेत्र बरेली। मो. 9997414808

कार्यालय ग्राम पंचायत भगवतीपुर वि.खं. बिथरी चैनपुर बरेली

निविदा सूचना

सभी अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में ग्राम निधि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.09.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 10.09.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 3 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाली कार्यों का विवरण इस प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	कमुआ खुर्द में मेन रोड से हैण्ड पम्प के सामने कालीचरन की जगह तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य	315814
2.	भगवतीपुर में मेवाराम के घर से मूलचंद्र मास्टर साहब के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	237217

किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार करने एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, ग्राम पंचायत को निहित होगा। निविदा से सम्बन्ध्णित कोई भी विवाद मा. न्यायालय जनपद बरेली में ही मान्य होगा।

प्रीति देवी-ग्राम प्रधान चन्द्रभान सिंह-सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत रजपुरी नवादा वि.खं. बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में ग्राम निधि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.09.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 10.09.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाली कार्यों का विवरण इस प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	अम्लोनीपुर में सत्यपाल के घर से जूनियर स्कूल तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	331342
2.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कि मरम्मत व रंगाई पुताई कार्य	250000
3.	मैकू के घर से नरेश पाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	107930
4.	गुड्डू के घर से रंजीत के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	100517
5.	नगीरामपुर मार्ग से वीरपाल के घर तक सीसी निर्माण कार्य	165000
6.	बढ़ैपुरा में जाटव बस्ती में सीसी निर्माण कार्य	350000

किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार करने एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, ग्राम पंचायत को निहित होगा। निविदा से सम्बन्ध्णित कोई भी विवाद मा. न्यायालय जनपद बरेली में ही मान्य होगा।

माया देवी-ग्राम प्रधान चन्द्रभान सिंह-सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत मुगर्रा, विकास खंड उसावां, जनपद बदायूं

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुगर्रा, विकास खंड उसावां, जनपद बदायूं में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अंतर्गत निम्नलिखित निर्माण इंटरलॉकिंग कार्यों के लिए सीलबंद निविदाएं निविदा प्रकाशन की तिथि 07-09-2025 तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं 08-09-2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएंगी। इंटरलॉकिंग के कार्य की दूरी 900 मीटर और लागत लगभग 15 लाख रुपये है।

क्र.	कार्य का नाम
1	अवधेश के घर से देवस्थान तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।
2	खेमकरन के घर से ओमवीर के घर तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।
3	महावीर के घर से हवलदार के खेत तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।
4	मुगर्रा के मजरा गांव मिर्जापुर बसंत में योगेश के घर से साधु राम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।
5	रामसेवक के घर से सीताराम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।

मुनीश कुमार, प्रधान अक्षय कुमार, सचिव

ग्राम पंचायत मुड़िया भीकमपुर वि.खं. नवाबगंज जिला बरेली

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुड़िया भीकमपुर विकास खण्ड नवाबगंज बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-2026 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्य पर निर्माण सामग्री जैसे ईट, रोड़ा, बजरफुट, बजरी, रेता महीन, सरिया पन्नी, सीमेन्ट, गिट्टी, वार्डवरेटर व मिक्सर आदि जिसका विवरण व मात्रा ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है। गुणवत्तानुसार उच्च कोटि की सामग्री निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक .... से दिनांक .... को दोपहर 1 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसको दिनांक .... को अपरान्ह 2 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. माप	अनु. लागत
1.	देवदत्त के घर से लोकेश के घर तक सी.सी. और नाली निर्माण कार्य	175 मी.	6600000/-
2.	ऋषिकेश के घर से होली तक सी.सी. और नाली निर्माण कार्य	140 मी.	570000/-
3.	गोपाल के घर से बाबूराम के घर तक सी.सी. और नाली निर्माण कार्य	90 मी.	400000/-

प्रधान सचिव

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल्स लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: 1131 **ई-निविदा सूचना** दिनांक: 06.09.2025

इस मिल समित में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के छः गन्ना क्रय केन्द्रों से गन्ना परिवहन कार्य, बी.बी.एल. मेक 150 एच.पी. नई मोटर की आपूर्ति, डी.जी. सेट हु नये रेडियेटर की आपूर्ति, व्यायलर हु स्टीम बाल्ब की आपूर्ति, 540 एचपी मोटर हेतु रजिस्ट्रेशन की आपूर्ति एवं स्थापना कार्य, रोटेक मेक नये एयर कम्प्रेशर की आपूर्ति हेतु दिनांक 16.09.2025 तक विभिन्न फैब्रीकेशन व इरेक्शन कार्य, मिल के विभिन्न संयत्रों पर लैगिंग/एल्यूमीनियम क्लैंडिंग कार्य, रिये पर मोटर की आपूर्ति हु दिनांक 17.09.2025 तक ई.टी.पी. एवं स्प्रे पौण्ड का साइंटिफिक ऑपरेशन कार्य, वाहय गन्ना क्रय केन्द्रों पर सिविल फाउण्डेशन का निर्माण कार्य, क्रेम फीडिंग कार्य (पटला), बैगास फीडिंग/ हैण्डलिंग कार्य एवं तीनों व्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वैट स्कवर के ऐश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य हेतु दिनांक 18.09.2025 तक शुगर गोदाम संबंधी कार्य, ड्रायर हाउस सम्बन्धी कार्य, पानीपत से सल्फर ट्रांसपोर्टेशन कार्य एवं N.V.R. एवं H.D.D. को आपूर्ति दिनांक 19.09.2025 तक गेजेज की आपूर्ति कार्य, इनसटूमेन्ट की ए.एम.सी. कार्य, बर्जर मैक इण्डस्ट्रियल पेन्ट की आपूर्ति एवं सिलाई मशीन के स्पेयर्स की आपूर्ति हेतु दिनांक 20.09.2025 तक सत्र 2023-24 की 3900 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य, सत्र 2024-25 की 3700 कु. ब्राउन शुगर बिक्री कार्य एवं प्रेसमड (मैली) बिक्री कार्य हेतु दिनांक 22.09.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरान्त आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्तें व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1/एच-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अधोहस्ताक्ष्ज्ञरी को निविदा की शर्तों में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

न्यूज ब्रीफ

शॉर्ट सर्किट से लगी आग करोड़ों का नुकसान

मोहम्मदी, अमृत विचार : नगर के प्रमुख थोक किराना व्यापारी अमित गुप्ता के गोदाम में देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि पूरे गोदाम को चपेट में ले लिया। दमकल की कई गाड़ियां लगातार आठ घंटे तक जूझती रहीं। तब जाकर सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। नगर के प्रमुख थोक किराना व्यापारी अमित गुप्ता का गोदाम है। शुक्रवार की रात गोदाम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई।

बीआरडी गोरखपुर का होगा विस्तार

लखनऊ, अमृत विचार : गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीजों के लिए 40 कमरों का प्राइवेट वार्ड बनेगा साथ ही 40 कमरे रेजीडेंट्स चिकित्सकों के लिए बनेंगे। इसके बाद परिसर में रेजीडेंट्स चिकित्सकों के रहने से न केवल चिकित्सकीय सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि प्राइवेट कक्ष बनने से मरीजों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य लाभ लेना सहज होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 32 करोड़ 12 लाख के प्रस्ताव में छह करोड़ 50 लाख रुपये की पहली किश्त जारी कर दी गयी है।

रील बनाने के चक्कर में युवक के हाथ में लगी गोली

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव मकरंदपुर निवासी युवराज सैनी अपने दोस्त कनोबी गांव निवासी रोहित राजपूत के साथ शुगर मिल के पास तमंचे के साथ रील बना रहा था। युवराज ने अवैध तमंचे को लोड किया तभी गोली चल गई जिससे उसका हाथ लहूलुहान हो गया। रोहित और आसपास के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। इसके बाद परिजन युवराज को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। वहां से परिजन उसे हरियाणा के हिसार ले गए। युवराज के पिता हिसार में काम करते हैं।

पुलिस ने मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार किए

सुलतानपुर, एजेंसी : जिले के चांदा थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में तीन बदमाशों के पैर में गोली और उन्हें पकड़ लिया गया जबकि तीन फरार हो गए। शुक्रवार की रात जब चांदा पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के लिए जांच कर रही थी तभी पुलिसकर्मियों को जौनपुर की तरफ से एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) आता दिखा। उन्होंने बताया कि वाहन में बैठे व्यक्ति पुलिस को देखकर फायरिंग शुरु कर दी।

बाढ़ का कहर: प्रशासनिक अधिकारी व पुलिसकर्मी बने देवदूत, ट्रैक्टर ट्राली से बच्चों को निकाला

शाहजहांपुर में रस्सी-मेज के सहारे क्लासरूम तक पहुंचे पीईटी परीक्षार्थी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बाढ़ के पानी में खड़े होकर सीट प्लान देखते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

पुलिसकर्मियों ने अभ्यर्थियों को ट्रैक्टर ट्राली लगाकर परीक्षा केंद्र से बाहर निकाला।

अमृत विचार: ऐसी भी परीक्षा देनी होगी कि जान जोखिम में डालकर भविष्य के सपने गढ़ने होगे...शायद ही किसी पीईटी परीक्षार्थी ने कल्पना की होगी।

सुबह जिस शहर में सब कुछ पटरी पर चल रहा था, पीईटी केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों- अभिभावकों व सुरक्षाकर्मियों की चहलकदमी थी, लेकिन अचानक बाढ़ का पानी केंद्रों में भर जाने से दूसरी पाली में परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थी भयभीत नजर आए और केंद्र के अंदर जाने भी कतराते नजर आए, हालांकि जिला प्रशासन के अधिकारियों व पुलिसकर्मियों ने बच्चों की हौसला अफजाई की और माइक से बच्चों को परीक्षा केंद्र तक आने की अपील की। एसएसएमवी परीक्षा केंद्र पर पानी का फ्लो ज्यादा होने के चलते अधिकारियों ने देवदूत बनकर बच्चों को हाथ थामा और मेज लगाकर रस्सी के सहारे उनको परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया। परीक्षार्थियों के अंदर भी पीईटी देने को लेकर खास उत्साह अधिकारियों की हौसलाअफजाई के बाद देखने को मिला।

परीक्षा संपन्न होने के बाद पुलिसकर्मियों ने ट्रैक्टर ट्राली की मदद से परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में भरे पानी से बाहर निकाला और उनके गंतव्य स्थान के वाहनों में बैठाकर रवाना किया। पुलिसकर्मियों की यह मदद देखकर हर कोई परीक्षार्थियों व अभिभावकों ने प्रशासन को धन्यवाद बोला। बता दें कि परीक्षा की पहली पाली संपन्न होने के बाद घड़ी में 2 बजकर 11 मिनट पर बाढ़ के सैलाब के पानी से छह परीक्षा केंद्र में खलबली मच गई और जिला प्रशासन भी चिंतित नजर आया।

हालांकि एडीएम वित्त अरविंद कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार,

● पुलिसकर्मियों की सेवा भाव देखकर परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने सराहना की

एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय, सीओ सिटी पंकज पंत ने पुलिसकर्मियों व राजस्व कर्मियों के साथ लगकर जिन केंद्रो. में पानी भर गया था, उनमें परीक्षार्थी कैसे पहुंचे, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था कराते हुए बच्चों की परीक्षा दिलाई और उनके अंदर भरे डर व भय को भी दूर किया। उधर डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जिन परीक्षा केंद्रो. में पानी भर आया था, उनको परिवर्तित करते हुए अन्य स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए और उसकी सूची को प्रसारित कराया। जिससे कि आज रविवार को होने वाली परीक्षा में दिक्कतें न आए।

खाद्यान्न घोटाले का आरोपी कोटेदार गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार: जौनपुर में 2004-05 में हुए खाद्यान्न घोटाले के आरोपी कोटेदार को ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट ने शुक्रवार देर शाम को गिरफ्तार किया। इस मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष व अवर अभियंता भी आरोपी हैं। ईओडब्ल्यू ने जांच के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी थी।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, टीम ने जौनपुर के केराकत स्थित घुरहूपुर निवासी कोटेदार रमेश चंद्र तिवारी को गांव से गिरफ्तार किया है। अधिकारी के मुताबिक 2004-05 में जौनपुर में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के तहत विकास खंड मुफ्तीगंज के गांवों में नाली निर्माण, खड़ंजा, पटरी मरम्मत, संपर्क मार्ग पर मिट्टी कार्य, सीसी रोड व पुलिस निर्माण कार्य प्रस्तावित था।

अधूरे पुल के पिलर से टकराकर पलटी नाव, पिता और पुत्री लापता

खीरी के नकहा ब्लॉक में हुई दुर्घटना, नाव पर सवार थे 20 लोग, 18 ने तैरकर बचाई जान

संवाददाता, नकहा/खमरिया

नदी में लापता पिता-पुत्री की तलाश करने जाती एनडीआरएफ की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : लखीमपुर सदर तहसील के नकहा ब्लॉक क्षेत्र में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। नौव्वापुर घाट से ग्रामीणों को लेकर बिल्हौरा जा रही एक बड़ी नाव अधूरे पुल के खड़े पिलर से टकराकर पलट गई। नाव में करीब 20 लोग सवार थे।

हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। इनमें से कुछ लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई। वहीं कुछ लोगों को तैराकों ने सुरक्षित बचाया। सभी को अस्पताल भेजा गया है, लेकिन लेकिन नौव्वापुर गांव के कैलाश और उनकी पुत्री सीमा अब तक लापता हैं। पुलिस के साथ मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम हादसे के बाद से लापता हुए पिता-पुत्री की तलाश कर रहीं हैं। डीएम-एसपी ने अस्पताल जाकर भर्ती लोगों का हालचाल जाना। हादसा चौका नदी के नौव्वापुर घाट पर सुबह करीब आठ बजे हुआ। गांव नौव्वापुर के कुछ लोग बाढ़ राहत का सामान लेने तो कुछ लोग रोजमर्रा की वस्तुएं खरीदने के लिए आ रहे थे।

नाव पर करीब 20 लोग सवार थे, जिसमें गांव नौव्वापुर निवासी कैलाश, उनकी पत्नी माधुरी और बेटी सीमा भी शामिल थी। कैलास अपनी पत्नी के साथ बीमार बेटी सीमा की दवा लेने जा रहे थे। नाव गांव का ही शिवकुमार खेय रहा था। बताते हैं कि नाव जब बीच धार में पहुंची तो खेवने वाली लंबी लग्गी अचानक टूट गई। इससे नाव पर सवार लोगों में हड़कंप मच गया। इसी बीच नाव अनियंत्रित होकर काफी तेज गति से अधूरे बने पुल के एक पिलर से टकराकर पलट गई। इससे सभी लोग नदी में गिर गए और तेज धार में बहने लगे। हादसे के बाद घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। वहां मौजूद कई तैराकों ने नदी में छलांग

● नाव को गांव का ही शिवकुमार चला रहा था

लगा दी। कई लोग तो तैर कर सकुशल बाहर निकल आए। कुछ को तैराकों ने कड़ी मशक्कत कर बाहर निकाला। हादसे में माधुरी समेत 18 लोग सकुशल बचकर बाहर निकल आए, लेकिन माधुरी का पति कैलाश (40) और बेटी सीमा (15) लापता हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सदर विवेक तिवारी, एसओ खीरी निराला तिवारी समेत कई अफसर एनडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। एनडीआरएफ की टीम लापता पिता-पुत्री की तलाश कर रही है, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका है।

फौज से रिटायर्ड पिता की लाठी मारकर हत्या

भवाली, अमृत विचार : भवाली में शनिवार को रिटायर्ड फौजी पिता को पुत्र ने सिर में लाठी मारकर मौत के घाट उतार दिया। हत्यारोपी पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पूर्व फौजी राजकुमार सदाशंकर (68) भीमताल रोड स्थित कैलाश व्यू कॉलोनी में वर्ष 2011 से अपने पुत्र सचिन सदाशंकर (30) के साथ रहते थे। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि शनिवार को पड़ोसियों ने सूचना दी कि पिता-पुत्र में विवाद हो गया है। भवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो राजकुमार का खून से लथपथ शव पड़ा था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पिता व पुत्र दोनों ही नशे में धुत थे। दोनों में रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। सचिन ने पिता से रुपये मांगे लेकिन राजकुमार नहीं दिए। इस पर सचिन पिता के सिर पर लाठी मारकर भाग गया। हालांकि उसे बाद में गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त लाठी भी बरामद कर ली गई है।

एसपी क्राइम के अनुसार, पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला कि हत्यारोपी सचिन आए दिन रुपयों को लेकर पिता से झगड़ता था, जिसकी शिकायत भवाली कोतवाली में की गई थी।

अब उत्तरकाशी के नौगांव में बादल फटने से तबाही

उत्तरकाशी के नौगांव में बादल फटने के बाद राहत अभियान चलते एसडीआरएफ के जवान।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तरकाशी में बादल फटने की घटनाएं नहीं रुक रही हैं। शनिवार को एक नए इलाके नौगांव में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड में जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया। कुछ दुपहिया वाहन भी बहने की सूचना है। समाचार लिखने तक किसी जन अथवा पशु हानि की खबर नहीं है।

राज्य आपदा परिचालन केंद्र के अनुसार, शनिवार शाम लगभग 5:30 बजे तहसील बडकोट के अन्तर्गत नौगांव बाजार में लोनिवि गेस्ट हाउस के समीप बादल फटने के कारण मौलाना खड्ड में पानी बढ़ने की सूचना मिली। एसडीआरएफ के

● कई घरों में घुसा मलबा और पानी, वाहन बहे

अनुसार नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने डीएम से तत्काल वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ को प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर तुरंत पहुंचाने तथा हरसंभव मदद में किसी भी प्रकार की देरी न हो यह सुनिश्चित करने के लिए भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है।

तेंदुआ के हमले में 10 साल की बच्ची की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

गुड़िया।

● नगीना देहात क्षेत्र में घटी घटना, वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाया पिंजरा

अमृत विचार: नगीना देहात थाना क्षेत्र में तेंदुआ ने 10 साल की बच्ची पर हमला कर उसकी जान ले ली। मूलरूप से लखीमपुर निवासी प्रेम अपने परिवार के साथ तीन साल से कान्हेड़ा गांव में रह रहा है।

वह अमनदीप सिंह के डेरे पर पशुओं की देखभाल और खेती-बाड़ी करता है। उसकी बड़ी बेटी गुड़िया(10) कक्षा 3 की छात्रा थी। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह दुकान पर दूध लेने गई थी। लौटते वक्त झाड़ियों से निकले तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और जबड़ों में गर्दन दबोचकर जंगल की ओर दौड़ लगा दी। बच्ची की चीख सुनकर पिता और ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर दौड़े। तेंदुआ बच्ची को खेत में छोड़कर भाग गया। गुड़िया को परिजन तुरंत सीएचसी नगीना ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, तेंदुए ने बच्ची की गर्दन तोड़ दी थी, साथ ही कंधे और चेहरे पर गहरे दांतों के निशान थे।

सीओ नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी, स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। जगह-जगह ट्रैप कैमरे भी फिट किए गए हैं।

बस में लगी थी चाबी, दौड़ा ले गया मानसिक मंदित

बिजनौर, अमृत विचार : कालागढ़ से अफजलगढ़ जाने वाली रोडवेज बस को मानसिक मंदित युवक ने दौड़ा दिया। पास में ही चाय पी रहे बस के ड्राइवर कंडक्टर हड़बड़ा गए। बस कुछ किलोमीटर दूर गांव अगवानपुर के निकट गड्ढे में पलट गई।

कौशांबी डिपो की बस वापसी के लिए अफजलगढ़ की तरफ खड़ी कर दी गई थी। ड्राइवर, कंडक्टर पास की दुकान पर चाय पी रहे थे। चाबी बस में लगी हुई थी। एक मानसिक मंदित युवक बस पर चढ़ गया और ड्राइविंग सीट पर बैठकर स्टार्ट कर बस दौड़ा दी। उस समय तक बस में कोई सवारी नहीं बैठी थी। पुलिस ने बस का बस को भगा कर ले जाने वाले युवक मनोज जमुना वाला अफजलगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। बस ड्राइवर विलियम्स राय जिला हापुड़ के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है।

प्रसिद्ध चित्रकार पद्मश्री डॉ. श्याम बिहारी का निधन

प्रयागराज, एजेंसी

श्याम बिहारी अग्रवाल।

प्रयागराज के प्रसिद्ध चित्रकार एवमं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल का शनिवार को निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। डॉ.अग्रवाल की चक जीरो रोड स्थित अपने आवास पर हृदयगति रुक जाने की वजह से मृत्यु हो गई। प्रयागराज के सिरसा में जन्मे डॉ.अग्रवाल ने अभी एक सितंबर को अपना 83वां जन्मदिन भी मनाया था। इलाहाबाद विश्व विद्यालय के फाइन आर्ट विभाग में उन्होंने वर्षों तक अध्यापन किया। वॉश पेंटिंग शैली में उनको महारत हासिल थी। उन्होंने अनेक छात्रों को कला की बारीकियां सिखाईं।

डॉ. अग्रवाल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 28 अप्रैल 2025 को पद्मश्री से सम्मानित किया था। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य सम्मान भी मिले। उनके निधन से प्रयागराज समेत देशभर के कलाकार, साहित्यकार और शिक्षाविद शोकाकुल हैं। स्थानीय कला प्रेमियों ने इसे कला जगत की बड़ी क्षति बताया है। कलाकारों का कहना है कि डॉ. अग्रवाल ने प्रयागराज को कला के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई थी। कल रविवार को उनका अंतिम संस्कार रसूलाबाद घाट पर किया जाएगा।

संभल में सपा विधायक के बाग में निकली सरकारी जमीन कब्जामुक्त कराई गई

कार्यालय संवाददाता, संभल

सपा विधायक के बाग में सरकारी जमीन की मेढ़ बनाती जेसीबी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : संभल जनपद में सरकारी जमीनों को कब्जामुक्त कराने की मुहिम के तहत प्रशासन का बुलडोजर शनिवार को समाजवादी पार्टी विधायक इकबाल महमूद के बाग में पहुंच गया। यहां साढ़े तीन बीघा सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराकर उसकी मेढ़ बनाई गई। जो जमीन कब्जा मुक्त कराई गई है उसमें कुछ बंजर जबकि बाकी सरकारी नलकूप की गूल की जमीन है।

संभल में प्रशासन से शिकायत कर बताया गया था कि मंडलाई गांव में बाईपास के किनारे सपा विधायक इकबाल महमूद के बाग में लगभग 3:30 बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। राजस्व विभाग से जांच कराई गई तो सरकारी जमीन होने की बात सही पाई गई। शनिवार को एसडीएम विकास चंद्र की अगुवाई में प्रशासन की टीम मंडलाई में सपा विधायक इकबाल महमूद के बाग में जा पहुंची। लेखपालों ने नाप कर जमीन को चिन्हित किया। इसके साथ ही सिंचाई विभाग के नलकूप की गूल की सरकारी जमीन को भी नापकर निशान लगाए गये। इसके बाद बुलडोजर से मेढ़ बनवाकर उसे सुरक्षित किया गया। तहसील संभल के ग्राम मंडलाई में जिस जमीन से सरकारी जमीन को अलग किया गया है वह विधायक इकबाल महमूद व उनके बेटों के नाम पर है। एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि उस जमीन में गाटा संख्या 198 व 222 इकबाल महमूद व उनके तीन पुत्रों आदि के नाम पर है।

● प्रशासन ने विधायक इकबाल महमूद के बाग से कब्जा मुक्त कराई जमीन

अपराध

सेवानिवृत्त कुलपति से हुई थी साइबर ठगी, दो आरोपी दिल्ली से किए गिरफ्तार

1.47 करोड़ की साइबर ठगी के दो आरोपी पकड़े गए

संवाददाता, रुद्रपुर

रुद्रपुर में साइबर ठगों के साथ साइबर क्राइम थाना सेल की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रूहेलखंड विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त कुलपति से हुई 1.47 करोड़ की साइबर ठगी प्रकरण में दो आरोपियों को साइबर क्राइम सेल की टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य अभियुक्त पहले ही गिरफ्तार कर चुके हैं। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। साइबर ठगों ने मनी लॉन्ड्रिंग का खौफ दिखाकर सेवानिवृत कुलपति को डिजिटल अरेस्ट कर लिया था।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने मल्लीताल नैनीताल की रहने वाली रुहेलखंड विवि की सेवानिवृत महिला कुलपति बीना शाह ने अगस्त 2025 को मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि उसके मोबाइल पर खुद को टेलीकॉम विभाग के अधिकारी और महाराष्ट्र साइबर क्राइम विभाग के अधिकारी की कॉल आई। कॉलर ने उसके खाते से 60 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग होने की जानकारी देते हुए डिजिटल अरेस्ट कर लिया। सभी खातों की डिटेल लेने के बाद 1.47 करोड़ की साइबर ठगी को अंजाम दे डाला। प्रकरण की तफ्तीश साइबर क्राइम थाना सेल ने एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया था। लेकिन साइबर सेल को उन आरोपियों की तलाश थी, जो 1.47 करोड़ की साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगा रहे थे। इसमें साइबर सेल ने दो युवकों को चिह्नित किया था। सर्विलांस व सुरागरसी के आधार पर साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार के नेतृत्व में टीम ने दिल्ली के करोल बाग में दबिश देकर साइबर ठगी के आरोपी मोहम्मद सैफ निवासी राजाजीपुरम हन्नी अपार्टमेंट बुद्ध स्वर दुबक्का लखनऊ और शकील अंसारी गांव बिशनपुर ग्वालखोमीकर बराहरूबा साहब गंज झारखंड को गिरफ्तार कर लिया।

डिजिटल अरेस्ट कर 18 लाख से अधिक ठगे

अल्मोड़ा, अमृत विचार : जिले में एक के बाद एक साइबर अपराध के मामले सामने आ रहे है। अब देघाट में बुजुर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर 10 दिनों तक डिजीटल अरेस्ट कर 18 लाख से अधिक की रकम हड़प ली। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार देघाट के उदयपुर निवासी एक बुजुर्ग ने थाने में तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि बीते दिनों उन्हें एक अज्ञात नंबर से वीडियों कॉल आई। जिसमें उसने आने आप को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और उन्हें मनी लांड्रिग के केस का भय बताकर डिजिटल अरेस्ट बनाया। आरोपियों ने उनसे जेवर, बैंक में कैश आदि की जानकारी ले ली। साथ ही स्याल्दे में सादी कपड़ों में पुलिस जवान तैनात होने की बात कही। इस दौरान आरोपियों ने उन्हें दस दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा।

आगरा में यमुना के जलस्तर ने छुआ खतरे का निशान

आगरा, एजेंसी : आगरा में शनिवार को यमुना के जलस्तर ने खतरे के निशान को छू लिया। पिछले कुछ दिनों से यमुना का जलस्तर लगातार बढ रहा है और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा भी मंडरा गया है। लोअर खंड नहर विभाग ने संभावना जताई है कि आने वाले समय में यमुना का जल स्तर और बढ़ सकता है। अधिशासी अभियन्ता लोअर खण्ड आगरा नहर नीरज कुमार सिंह द्वारा जारी किए आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में यमुना का जल स्तर 152.40 मीटर है जो कि खतरे का निशान भी है। ओखला बैराज से 2,09,439 क्यूसेक और गोकुल बैराज से 1,33,608 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से आगरा में यमुना का जल स्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है।

दो युवतियों ने पुल से गर्रा नदी में लगाई छलांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: गर्रा पुल से दो युवतियों ने नदी से नदी में छलांग लगा दी। दोनों युवतियों ने बाढ़ के पानी में दो गोते लगाए और उसके बाद पता नहीं चली। दोनों युवतियों ने पहले अपनी चप्पल पुल के पास उतार दी। पुल पर खड़े लोगों ने शोर मचाया तो दोनों युवतियां गहरे पानी में जा चुकी थी। स्टीमर से कुछ दूरी तक तलाश किया गया और पता नहीं चला।

चौक कोतवाली क्षेत्र में स्थित राजघाट पुलिस चौकी से दो सौ गज की दूरी गर्रा पुल है। गर्रा नदी काफी उफना रही है और पानी का बहाव काफी तेज है। इस समय बाढ़ का पानी खतरे के निशान पर है। पुल पर बाढ़ का पानी देखने वालों की काफी संख्या में भीड़ है और तमाशबीन बने हुए है। शनिवार की शाम साढ़े चार बजे दो युवतियों ने गर्रा पुल पर अपनी चप्पल उतारी और पुल की रेलिंग पर चढ़कर नीचे नदी में कूद गई। दोनों युवतियों ने पानी में दो पलटे लिए और पता नहीं चली। नदी में कूदते देखकर लोगों ने शोर मचाया और पुल पर अफरा-तफरी मच गयी। इधर सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी और चौक कोतवाली पुलिस गर्रा पुल पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों से पूछताछ की तो दोनों की उम्र 20 व 21 के आस-पास बताई गई और शलवार व कुर्ता पहने हुए थी। नदी में डूबी दोनों युवतियों की स्टीमर और गोताखोरों ने तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। पुलिस ने दोनों की चप्पलों को कब्जे में ले लिया है।

न्यूज ब्रीफ

बहगुल उफनाई, वाहनों का आवागमन बंद

फतेजगंज पूर्वी, अमृत विचार : बहगुल नदी के उफान पर चलने से फरीदपुर से खुदागंज को जाने वाले रोड पर पानी आ जाने से मार्ग अवरूद्ध हो गया है । ग्राम सैदपुर एवं शाहपुर बनियान के आसपास मार्ग पर पानी चल रहा है जिससे वाहनों का निकलना बंद हो गया है । इसके अलावा सैदापुर, कुठिला, कजरौटा, खाता में फसलें जलमग्न हो गई है। रामगंगा नदी के उफान पर चलने से किनारे के गांव कादरगंज ,पडेरा, नगरिया कला, मानपुर, शिवराजपुर के ग्रामीणों की फसलें जलमग्न हो गई है ।

नल में करंट आने से युवक की मौत

अलीगंज अमृत विचार : बिशारतगंज के गांव अखा में नल में करंट आने से एक युवक की मौत हो गयी। बीती रात करीब 10 बजे गांव का पिंटू (22) पुत्र प्रेमपाल नल पर पानी लेने गया था। नल में करंट आने से वह झुलस गया। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। परंतु रास्ते में ही उसने दम तोड दिया। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

सेवानिवृत्त लिपिक को दी भावभीनी विदाई

मीरगंज, अमृत विचार : आरपी इंटर कॉलेज में तैनात लिपिक भानु प्रताप सिंह के 31 अगस्त को सेवानिवृत होने पर शनिवार को हुए समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विद्यालय प्रबंधक निरुपम शर्मा ने उन्हें सम्मानित किया। लिपिक को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार गंगवार ने उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

फैजनगर के जितेन्द्र सिंह को राज्य पुरस्कार

भुता, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय फ़ैज़नगर के शिक्षक जितेंद्र सिंह को शिक्षक दिवस पर लखनऊ में राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। सम्मान स्वरूप 25 हजार की राशि को उन्होंने विद्यालय को दान करने की घोषणा की है। सामुदायिक सहभागिता , स्टूडेंट पुलिस कैडेट का प्रयोग करके उन्होंने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रदेश स्तर पर नेतृत्व करते हुए 2021 से अब तक 30 बच्चों को सफलता दिलवाई।

महिला की मौत, लगाया हत्या आरोप

भुता, अमृत विचार : थाना हाफिजगंज क्षेत्र के गांव बीजामऊ में एक विवाहिता की मौत गई। परिजन ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने मे तहरीर दी है। बताया ससुराल वाले कम दहेज़ लाने को लेकर प्रताड़ित करते थे। एक सितबंर को विवाहिता से मारपीट की उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई।

मेले में नाटक का मंचन

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : अगरास ध्वजा मेला के दूसरे दिन कलाकारों ने धार्मिक नाटक कर ग्रामीणों का मनमोह लिया। आयोजक दर्पण गंगवार और अमित सिंह ने बताया मेला पांच दिन चलेगा।

गर्भवती के पेट में गंदा कपड़ा छोड़ने पर ए-वन अस्पताल सील

जनता दर्शन में शिकायत के बाद डीएम ने स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर कराई कार्रवाई

संवाददाता, बरेली/भोजीपुरा

अस्पताल को सील करते डिप्टी सीएमओ डॉ . लईक । ● अमृत विचार

अमृत विचार: भोजीपुरा के ए वन अस्पताल में गर्भवती महिला के प्रसव के दौरान स्टाफ ने घोर लापरवाही की। महिला के परिजनों ने शनिवार को जनता दर्शन में डीएम अविनाश सिंह से शिकायत की। डीएम के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल को सील कर दिया। वहीं संचालक को नोटिस जारी कर दो सदस्यी जांच टीम गठित की गई है। इस मामले में एडीजी के आदेश पर एक महीने पहले ही अस्पताल संचालकों पर एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

डीएम शनिवार की सुबह कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन में सुनवाई कर रहे थे। इस दौरान भोजीपुरा के दहिया गांव निवासी ताहिर खान पुत्र लियाकत खान ने शिकायत कर बताया कि पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर भोजीपुरा स्थित नैनीताल हाईवे पर ए वन अस्पताल में 3 जून को भर्ती कराया था। जांच के बाद डॉक्टर ने सिजेरियन किया। इस दौरान नवजात की मौत हो गई

● **ऑपरेशन के बाद गंदा कपड़ा छोड़ने से महिला की तबीयत हो गई थी खराब**

और पांच दिनों तक पत्नी अपने हॉस्पिटल में भर्ती रखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया। पत्नी को लेकर जब घर आ गए तो अगले ही दिन से टांकों से पस और यूरिन मार्ग से ब्लड आने लगा। जब दोबारा पत्नी को अस्पताल में दिखाया तो निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर अलग-अलग जांच कराने पर पता चला कि ऑपरेशन होने के बाद गोचपीच (ब्लड सफाई का कपड़ा) लापरवाही के चलते मरीज के पेट में ही छोड़ दिया गया, जिससे गर्भाशय में गंभीर संक्रमण फैल गया। जब पीड़ित ने लापरवाही की शिकायत ए वन हॉस्पिटल के मालिक शहवाज से की तो उन्होंने ऑपरेशन करने वाले डॉक्टरों का नाम नहीं बताया और जमकर अभद्रता भी की। इसके बाद पत्नी का इलाज बीसलपुर रोड स्थित अन्य निजी अस्पताल में कराया।

> डीएम के आदेश पर मरीज के इलाज में घोर लापरवाही बरतने पर ए वन हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है। वहीं संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई है। **डॉ . लईक अहमद अंसारी**, डिप्टी सीएमओ

जहां गर्भाशय में गंभीर संक्रमण फैलने के कारण डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गर्भाशय निकालने के साथ ही गोचपीच (ब्लड सफाई का कपड़ा) पेट से निकाला। मामले की गंभीरता समझते हुए डीएम अविनाश कुमार के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी ने अस्पताल संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराने के साथ ही अस्पताल को सील कर दिया।

मामले की जांच के लिए डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी और डॉ. शैब्या प्रसाद की टीम गठित की है। अस्पताल को सील करते समय पीड़ित महिला का ससुर लियाकत खां आ गया और बोला डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो तब उसके दिल को सुकून मिलेगा।

इस मामले में पीड़िता के पति की शिकायत पर एडीजी रमित शर्मा के आदेश पर भोजीपुरा पुलिस ने ए वन हास्पिटल के मालिक और डॉक्टर के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

रेलवे लाइन किनारे पानी में मिला ढाबा संचालक का शव

भोजीपुरा, अमृत विचार : श्रीराममूर्ति मेडिकल कालेज के सामने नैनीताल हाइवे पर ढाबा चलाने वाले युवक का शव रेलवे लाइन किनारे स्थित पानी से भरी खाई में पड़ा मिला।

भोजीपुरा के गांव अभयपुर केशौंपुर निवासी 31 वर्षीय यूनुस खां राममूर्ति मेडिकल कालेज के सामने ढाबा चलाते थे। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार रात 9 बजे वह अभयपुर स्थित घर जाने के लिए निकले थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने रात्रि में ही संभावित स्थानों पर तलाश किया। लेकिन यूनुस खां का कहीं पता नहीं चला। शनिवार को परिजनों ने गांव वालों के साथ जंगल में खोजबीन की तो ढाबा से 300 मीटर दूर रेलवे लाइन किनारे पश्चिम दिशा में पानी से भरी से भरी खाई में उसका शव पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना पर परिवार के अन्य लोग रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना पर सीओ हाइवे शिवम सिंह,प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा प्रवीन सोलंकी व फोरेंसिक लैब की टीम पहुंच गई। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजनों ने हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की है। लेकिन अभी तहरीर पुलिस को नहीं दी है।

दुष्कर्म का आरोपी ट्रेन के आगे कूदा, मौत

संवाददाता, फरीदपुर

- बरेली में एसओजी लोकेशन कर रही ट्रेस
- आरोपी शाहजहांपुर भाग गया था तिलहर में ट्रेन के आगे कूदा

अमृत विचार : छह साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म करने वाले तीन बच्चों का बाप द्रोण पाल शुक्रवार देर शाम तिलहर में ट्रेन के आगे कूद गया। गंभीर अवस्था में उसे शाहजहांपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दो दिन पहले वारदात के बाद से वह मौके से फरार चल रहा था। पुलिस और एसओजी उसकी तलाश कर रही थी।

मृतक द्रोण ।

फरीदपुर थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम के अनुसार आरोपी द्रोण पाल की जेब से पानीपत जिले के गांव आसन कला का आधार कार्ड मिला। इससे उसकी पहचान की पुष्टि हुई। आरोपी ट्रेन के आगे कूद गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया और उपचार दौरान मौत हो गई फिर भी पुलिस कानूनी प्रक्रिया पूरी करेगी। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बता दें कि फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में दो सितंबर को 6 साल की बच्ची को अपने घर में बंद कर आरोपी द्रोण पाल ने दुष्कर्म करने के बाद गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया था। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी भाग गया था। बच्ची इस समय बरेली के जिला अस्पताल में भर्ती है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत:

अलीगंज: बिशारतगंज-रामगंगा रेलवे लाइन के मध्य शुक्रवार की रात ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान मुरली (25) निवासी गांव जोगीठेर थाना अलीगंज के रूप में की। परिजनों ने बताया कि मुरली घर से ननिहाल जाने की कहकर गया था। ट्रेन से कटने को लेकर उन्होंने संदेह जताया। सुबह सोशल मीडिया पर फोटो देखकर परिजनों को जानकारी हुई।

दो दिन बाद मिला डूबे युवक का शव

मीरगंज अमृत विचार: थाना शाही क्षेत्र में दो दिन पहले नदी में डूबे युवक का शव एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना शाही क्षेत्र में बुधवार शाम मोहल्ला गांधीनगर के एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। काफी खोजबीन के बाद शुक्रवार सुबह ग्रामीणों को उसका शव नदी में मिला। शाही कस्बा निवासी 32 वर्षीय करन बुधवार को बहगुल नदी के किनारे नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। ग्रामीणों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर पुलिस व एनडीआरएफ की टीम ने तलाश शुरू की। बुधवार को गोताखोरों के द्वारा युवक की खोजबीन की जिसके बाद गुरुवार को भी युवक की खोजबीन की लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अंततः शुक्रवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों गोताखोरों एनडीआरएफ की टीम ने शुक्रवार को मृतक का शव नदी से ढूंढ निकाला । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बच्चे की रामगंगा में डूबकर मौत

अलीगंज : हाफिजगंज गांव निवासी जयपाल कश्यप ने बताया कि फरीदपुर के गांव कपूरपुर निवासी उसका भांजा विष्णु (10) उसी के घर रहकर कक्षा 3 की पढाई कर रहा था। शनिवार को वह दोपहर मोहल्ले के बच्चों के साथ रामगंगा में नहाने चला गया। डूबने पर बच्चों ने शोर मचा दिया। पास के लोगों ने उसे बाहर निकाला। तबतक उसकी मौत हो चुकी थी।

दो पक्षों में विवाद रिपोर्ट दर्ज कराई

अलीगंज, अमृत विचार बिशारतगंज के गांव पराबहाउद्दीनपुर निवासी नन्हेलाल ने लिखाई रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को अहसान और साबिक ने 10-12 लोगों को बुलाकर घर में घुसकर उसकी पिटाई की। बचाने पहुंचे विमल को भी मारा। अनुपम शंखधार, पवन कुमार ने पीड़ित की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वोट बनवाने का काम करें कार्यकर्ता

फरीदपुर, अमृत विचार : पंचायत चुनाव के लिए वोट बनाए जा रहे हैं साथ ही विधानसभा के वोट भी सपा कार्यकर्ता बनवाने का काम करें। पार्टी की मासिक बैठक में यह बात विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष बलराम सिंह यादव ने कही। पूर्व विधायक विजयपाल ने कहा कि पीडीए समाज को एकसूत्र में बांध कर जितना मजबूत बनाओगे सपा की उतनी बड़ी जीत 2027 में होगी। इस दौरान संजीव दन्नू, राजकुमार पाल,नदीम अली, उमेश गंगवार, संजय शास्त्री रविन्द्र सिंह यादव, नरदेव पटेल, मुकेश आदि रहे।

टैंकर चालकों ने किया विरोध-प्रदर्शन

आंवला,अमृत विचार: गेटपास की वैधता बढ़ाने को लेकर एक चालक की डिपो अधिकारी से तीखी नोकझोंक हो गयी। चालक ने अधिकारी पर मारपीट और अभद्रता करने आदि आरोप लगाए। इसके बाद चालकों ने डिपो गेट पर विरोध प्रदर्शन कर टैंकरों में लोडिंग कराने से इनकार कर दिया। दोपहर बाद लोडिंग प्रक्रिया आरम्भ हो सकी।

मोहल्ला मोहब्बतगंज गौंटिया निवासी एक व्यक्ति तेल डिपो में एक टैंकर चालक है। डिपो में प्रवेश करने के लिए गेटपास की तिथि बीती 24 अगस्त को समाप्त हो गयी थी। इसे बढ़वाने के लिए चालक एक सप्ताह से अफसर के पास जाकर

गेट पर विरोध प्रदर्शन के दौरान एकत्र टैंकर चालक । ● अमृत विचार

प्रयास कर रहा था। शनिवार को पुनः डिपो अधिकारी के पास जाने पर दोनो के बीच तकरार हो गयी। आरोप है चालक के साथ मारपीट की गयी। जानकारी पर सभी चालक एकत्रित हो गये। उन्होंने अधिकारी के खिलाफ गेट पर विरोध प्रदर्शन किया और टैंकरों में तेल लोडिंग कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने गेटपास की वैधता बढ़ाकर नया गेटपास जारी कर दिया। एस आई बिहारी लाल ने बताया कि टैंकर चालक नत्थूलाल ने एक अधिकारी पर अभद्रता का आरोप लगाकर शिकायत दी थी। अधिकारी द्वारा गेटपास जारी करने के बाद उन्होंने समझौता कर कार्रवाई से इनकार कर दिया है।

न्यूज डायरी

भमोरा के मेधावी छात्रों ने किया राष्ट्रपति भवन का भ्रमण

भमौरा अमृत विचार :खेड़ा स्थित सिटी पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन का भ्रमण किया। उन्होंने अमृत उद्यान और म्यूजियम के बारे में जानकारी ली। प्रधानाचार्य श्रीनाथ भारद्वाज,अध्यापक आशुतोष,मंजू,प्रियंका, अमित एवं मनीष के साथ कक्षा 6, 9 व 11 के मेधावी के साथ 45 छात्र व छात्राओं के दल ने भ्रमण किया और अमृत उद्यान में उद्यान में 250 से अधिक गुलाब के फूलों की किस्में देखी। म्यूजियम में राष्ट्रपतियों के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारतीय लोकतंत्र की जानकारी प्राप्त की। 17 साल से अधिक समय में बनकर तैयार हुए राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन व इतिहास की जानकारी प्राप्त की।

सपाइयों ने भेजा ज्ञापन

आंवला अमृत विचार : सपाइयों ने आवारा पशुओं, बिजली, जलभराव आदि समस्याओं को लेकर राज्यपाल को संबोधित एक छह सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम आंवला की अनुपस्थिति में पेशकार को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि आवारा जानवरों की सबसे बडी समस्या है। रामनगर ब्लॉक के पृथ्वीपुर मजरा पट्टी के मुख्य मार्ग में जलभराव होने से पुलिया टूट गयी है। इस कारण क्षेत्रीय लोग 4-5 किलोमीटर की दूरी तय करके आवागमन करने को मजबूर हैं। सुनरासी गांव में आवागमन ठप है। इस दौरान इंद्रपाल सिंह यादव, आरके शर्मा, डॉ.जीराज सिंह यादव, आदेश प्रताप ,मशकूर खान, विवेक सिंह, सतेन्द्र सिंह, आकाश प्रेमी, नरेन्द्र यादव, अरविंद यादव रहे।

विसर्जन शोभायात्रा निकाली

आंवला अमृत विचार : मोहल्ला पक्का कटरा निवासी सुगंधा गर्ग और हिमांशु गर्ग के आवास पर गणपति बप्पा को 11 दिन पूर्व विराजमान कराया गया था। शनिवार को भक्तों ने बप्पा को पालिकी से कस्बे में शोभायात्रा निकाली। उधर सिरौली में आयोजित भगवान गणेश महोत्सव का शनिवार को विधिवत समापन किया गया। इस दौरान वरुण रस्तोगी, मीनाक्षी रस्तोगी, प्रदीप गुप्ता, सोमपाल सिंह, शेखर गुप्ता, नन्दन रस्तोगी, यशु गुप्ता, सरोज मिश्रा,आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री ने लीलौर झील में किया नौका विहार

सिरौली , अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने शनिवार को लीलौर झील में नौकाविहार किया। उनके साथ एसडीएम विदुषी सिंह व अन्य कार्यकर्ता व अफसर भी साथ रहे। उन्होंने कहा कि दीवाली तक यहाँ टवाय ट्रेन और गेस्टहाऊस के कार्य पूरे होंगे जिससे यहाँ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान राजवीर सिंह लोधी, यशु गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, सुरेश पांडे, सचिव आकाश सिंह, लेखपाल श्रीदत्त शर्मा, परमेश्वरी फौजी, महेश पाल सिंह, आकाश सिह, रोहित सिंह आदि मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली से लिंटर गिरा,तीन घायल

संवाददाता, फरीदपुर

नौंगवा में बिजली गिरने से गिरा लेंटर ।

अमृत विचार : बारिश से शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से क्षेत्र के नौगवा गांव में सर्वेश के मकान का लिंटर गिर गया। इससे रुचि (6),चंचल (9) और पत्नी बबीता को चोट आई है।

शनिवार को एकाएक धूप और साफ मोसम के बीच तेज हवाओं के साथ बिजली कडकडाने लगी और तेज बारिश के बीच बिजली चमक कर गिर गई जिसमें लिंटर फटकर गिर गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया । प्रधान ने राजस्व विभाग की टीम को भी सूचना दे दी। घायलो को प्राथमिक उपचार दिया गया है।

पगधार यात्रा निकाली

नवाबगंज, अमृत विचार: प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा के लिए वैश्य समाज द्वारा शनिवार को पगधार यात्रा निकाल कर नगर के कल्याण की कामना की। राधा कृष्ण मंदिर में हवन पूजन के बाद पगधार यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में सभासद आशीष गुप्ता, कृष्ण गोपाल शर्मा, सुरेन्द्र गुप्ता, विपिनगुप्ता, विजय व अंकित आदि ने भाग लिया ।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773444353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

मैंने अपने विवाहित पुत्र श्रीपाल के गलत संगत में पड़ जाने के कारण उससे सम्बन्ध विच्छेद करते हुए उसे अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, उससे लेनदेन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। **पातीराम पुत्र वेनीराम ग्राम अंगदपुर खमरिया थाना भुता फरीदपुर बरेली।**

सूचना

मेरे इंडियन बैंक शाखा ओयल के बचत खाता सं. 59021284026 में मेरा नाम मंजू देवी अंकित है जबकि उसी शाखा में दूसरे बचत खाता सं. 806100505 में नाम राम देवी दर्ज है। मैं घोषणा करती हूं उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **मंजू देवी पत्नी महेश नि. ग्रा. डिहुआ, पो. पिपराछीट, जिला- खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र नितिन को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **श्याम प्यारी पत्नी राम किशोर निवासी सरकारी स्कूल के पास झील गौंटिया करेली जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

अमृत विचार

लोक दर्पण

कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ● फाइल फोटो

पिछले सौ-डेढ़ सौ वर्षों में भारत और देश के बाहर कवि सम्मेलनों की परंपरा का निरंतर विकास हुआ है। हालांकि मुगल काल में भी बादशाहों के दरबारों में गायकों की प्रतिष्ठा तो थी ही, मगर इनके साथ-साथ उस समय कवियों को भी सम्मान के साथ सुना जाता था। यह और बात है कि उस समय की अनेक कविताएं एक तरह से चारण-भाटगीरी वाली कविताएं हुआ करती थीं, जो बादशाहों को खुश होने के लिए लिखी जाती थीं। वे प्रायः घोर श्रृंगार से परिपूर्ण होती थीं, जिसे सुनकर बादशाह खुश होता था और उन्हें इनाम आदि दिया करता था। भारतीय राजाओं के दौर में भी दरबारी कवियों की बड़ी प्रतिष्ठा थी और उनके काव्य पाठ को राजा बहुत सराहा करते थे। राजा हर्षवर्धन के समय के बाणभट्ट राजकवि के रूप में काफी प्रतिष्ठित थे। अन्य राज्यों के यहां भी दरबारी कवि हुआ करते थे। जैसे हरिसेन, कालिदास, भवभूति राजशेखर आदि। पृथ्वीराज चौहान के समय चंद्रबरदाई और उनकी यह कविता भी बहुत मशहूर है,"ता ऊपर सुल्तान है मत चूको चौहान"। शिवाजी के समय भूषण नामक कवि का नाम अक्सर लिया जाता है। इन्होंने शिवाजी की प्रशंसा के साथ-साथ वीर रस की भी अनेक कविताएं लिखीं। यह वह दौर था, जब कवि सम्मेलन तो नहीं होते थे, मगर दरबारी कवियों के एकल पाठ जरूर हुआ करते थे।

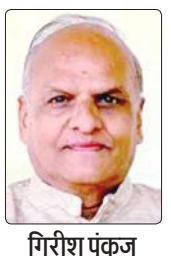

गिरीश पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

कवि सम्मेलन: कविता से मसखरी तक का सफर

अब लोकतंत्र है। लोकतंत्र के नए राजा चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। ये अब कवि सम्मेलन रूपी दरबार सजाते हैं और अक्सर हास्य कवि सम्मेलन करवा कर आनंदित होते हैं। हिंदी गद्य लेखन की शुरुआत करने वाले हिंदी साहित्य के पितामह के रूप में प्रतिष्ठित भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने समय में बनारस और आसपास के क्षेत्र में कवि सम्मेलनों की शुरुआत की, जो धीरे-धीरे एक परंपरा बन गई। बाद में तो भारतेन्दु कला मंच जैसी संस्था बनी, जिसने वर्षों तक कवि सम्मेलनों की परंपरा को जीवंत बनाए रखा। बीसवीं सदी के रियासत काल में राजाओं ने भी अपने दरबार में कवियों को बुलाना शुरू किया। किसी-किसी की कविताओं से खुश होकर उसे 'राजकवि' का दर्जा भी दिया।

कवि सम्मेलनों का पुराना दौर

भारतीय समाज मंचों पर पढ़ी जा रही कविताओं में काफी रस लेता है, जो भारतीय विदेश जाकर बस गए हैं, वे भी समय-समय पर कवि सम्मेलन का आयोजन करवाते रहते हैं। दरअसल कवि सम्मेलनों के माध्यम से श्रोताओं को परमानंद की अनुभूति होती है। जब कभी सम्मेलन होते हैं, श्रोता निर्धारित स्थल तक समय पर पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण कर लेते हैं। पहले कवि सम्मेलन खुले मैदानों में हुआ करते थे। बाद में ये बड़े प्रेक्षागृहों तक सिमट गए। हालांकि अभी भी कभी-कभी खुले मैदानों में हजारों की भीड़ के बीच कवि सम्मेलन सफलता के साथ आयोजित होते हैं, लेकिन ज्यादातर कवि सम्मेलन सीमित समय के लिए होते हैं। मगर एक दौर था जब कभी सम्मेलन रात्रि 8-9 बजे से शुरू होकर सुबह तक चलते रहते थे। आजादी के कुछ समय पहले और उसे समय उसके कुछ समय तक तक हिंदी कवि सम्मेलनों के मंच पर साहित्य की प्रतिष्ठा हुआ करती थी। श्रेष्ठ रचनाकार मंच पर आते थे। लाल किले पर होने वाले कवि सम्मेलन की एक समय में बड़ी धूम हुआ करती थी। उस समय श्रोता भी उतने ही श्रेष्ठ हुआ करते थे। बौद्धिक अभिरुचि वाले। यही कारण है कि एक दौर था जब मंच पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानंदन पंत, मैथिलीशरण गुप्त, प्रदीप जैसे चर्चित कवि आमंत्रित किए जाते थे। कुछ कवि सम्मेलनों में तो नई कविता के हस्ताक्षर मुक्तिबोध भी बुलाए गए। बाद में उन्होंने जाना बंद कर दिया। धीरे-धीरे कवि सम्मेलनों से अनेक बड़े नाम गायब होते गए और उनकी जगह दूसरे कवि सामने आने लगे। वैसे एक समय तक मंच पर गोपाल सिंह नेपाली, हरिवंश राय बच्चन, गोपालदास नीरज, शैल चतुर्वेदी, माणिक वर्मा, सुरेश उपाध्याय, भारत भूषण, मुकुट बिहारी सरोज, माहेश्वर तिवारी, सोम ठाकुर, बालकवि बैरागी, इंद्रजीत सिंह तुलसी, सुरेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश आदित्य, अशोक चक्रधर, माया गोविन्द, एकता शबनम, प्रभा ठाकुर, कुंवर बेचैन जैसे नामों का दबदबा हुआ करता था। कवि संचालक के रूप में रामरिख मनहर, प्रोफेसर मधुप पांडेय, गोविंद व्यास, नंदूलाल चोटिया, डॉ. उर्मिलेश, डॉ. सरोज कुमार आदि मशहूर हुआ करते थे। धीरे-धीरे ये कवि भी किनारे होते गए और उनकी जगह कुछ नए नाम भी उभर कर सामने आने लगे, जिन्होंने मंच की कला समझी और उस तरह अपने आपको तैयार किया। हिंदी मंच पर उर्दू के शायर भी खूब जमने लगे। जैसे निदा फाजली, बशीर बद्र, मुनव्वर राणा और राहत इंदौरी आदि। हालांकि नीरज जैसे कवि जीवन की अंतिम समय तक मंच के हीरो बन रहे। यहां मैंने कुछ कवियों के ही नाम गिनाए हैं। बहुत से नाम मुझसे छूट सकते हैं। सुधी पाठक उन नामों को याद करें। वर्तमान समय में मंच संचालक और कवि के रूप में चर्चित नाम सर्वेश अस्थाना और डॉ. कुमार विश्वास का भी है। कुमार के नाम के साथ युगकवि लिखा रहता है, जिसे लेकर अनेक लोग आलोचना भी करते हैं कि बड़े-बड़े कवियों को जब युगकवि नहीं कहा गया तो मंच के कवि को यह उपाधि देना युग शब्द का ही अपमान है, लेकिन अब आलोचना की परवाह कौन करता है।

कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते गीतऋषि गोपालदास नीरज ● फाइल फोटो

निजी अनुभव

इन पंक्तियों के लेखक ने प्रारंभिक दौर में एक कवि के रूप राष्ट्रीय मंचों से अनेक मशहूर कवियों के साथ काव्य पाठ किया है, लेकिन बाद में महसूस हुआ की कवि सम्मेलनों के मंच पर सिर्फ सामान्य कविता पाठ से बात नहीं बन सकती। मंचीय कवियों को अगर सफल होना है तो उन्होंने उन्हें काव्य पाठ को एक 'परफार्मिंग आर्ट' के रूप में लेना होगा। इसके लिए उन्हें कविता के साथ एक अच्छी स्क्रिप्ट भी तैयार करनी होगी। यानी आपको कविता पढ़ने के पहले क्या बोलना है, कविता के बीच-बीच में आपको किस तरह की रोचक बातें करनी हैं और कविता के अंत में आपको क्या कहना है। अगर काव्य प्रस्तुति के साथ-साथ हास्य रस का समावेश हो तो वह कवि ज्यादा सफल होता है। यह जरूरी नहीं कि वह हास्य कवि ही हो। वह वीर रस का कवि हो सकता है। वह श्रृंगार रस का कवि हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह श्रोताओं को कैसे बांधकर रखता है। एक सफल मंचीय कवि सपाट तरीके से कभी कविता नहीं सुनाता। वह कुछ चुटकुले सुनाता है, कुछ रोचक संस्मरण सुनाता है। अगर गीतकार है तो वह मधुर कंठ से गीत तो जरूर गाएगा, मगर आवाज में उतार-चढ़ाव लाएगा। चेहरे के हाव-भाव भी वह बनाएगा। बीच-बीच में हास्य रस का तड़का भी लगाएगा। इसका सुपरिणाम यह होता है कि श्रोता कवि के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ जाता है। ऐसे कवि मंच पर बेहद सफल होते हैं। वहीं अगर कोई कवि सपाट तरीके से अपनी रचना की प्रस्तुति करता है, तो उसके हूट होने का खतरा बना रहता है। ऐसे कवि को श्रोता पसंद नहीं करते, जो साधारण ढंग से और उस पर भी डायरी या कागज देखकर कविता पढ़ते हैं। मंच पर वही कवि हिट होता है, जो बहुत बातूनी हो, बेहद चालाकी के साथ कॉमेडी करते हुए खुद को प्रस्तुत करे। कविता कम सुनाए और रोचक गप्प ज्यादा करे। मुझे अच्छे से याद है अपने लेखन के शुरुआती दिनों में जब कवि सम्मेलन के मंचों पर मैंने जाना शुरू किया तो उस समय के मशहूर कवि 'श्रमिक हैदराबादी' ने एक बार समझाते हुए कहा था कि 'तुमको जो कविता प्रस्तुत करनी है, उसे कंठस्थ करो और आईने के सामने खड़े होकर उसका पाठ करो। रिहर्सल करते हुए अपने हाव-भाव को देखो। अगर सफल कवि बना है तो दर्पण के सामने खड़े होकर अपने काव्य पाठ का मूल्यांकन करो। साथ ही एक शर्त यह भी है कि कविता पूरी तरह से याद रहनी चाहिए। पाठ के साथ नाटकीयता भी जरूरी है।' मैंने इस दिशा में प्रयास किया। कविताओं को याद करने की भी कोशिश की, लेकिन यह सिलसिला लंबा नहीं चला और मैं साहित्य के गंभीर लेखन की ओर मुड़ गया। धीरे-धीरे मंच से परे होकर लिखने का यह परिणाम हुआ कि साहित्य जगत में मेरी उपस्थिति निरंतर मजबूत होती गई। यहां मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि कवि सम्मेलन के मंचों पर जो कवि हैं या रहे हैं, वे अपने जीते-जी तो कुछ नाम और दाम कमा लेते हैं, लेकिन उनके जाने के बाद वह धीरे-धीरे स्मृतियों से लुप्त होते चले जाते हैं। लोगों की स्मृतियों में वही कवि-रचनाकार लंबे समय तक बना रहता है, जिसने गंभीर साहित्य लेखन किया है या श्रेष्ठ कविताएं रची हैं। रमई काका, शैल चतुर्वेदी, ओमप्रकाश आदित्य, जैमिनी हरियाणवी, निर्भय हाथरसी, सांड बनारसी, सुरेश उपाध्याय, वीरेंद्र मिश्र, प्रदीप चौबे, हुल्लड़ मुरादाबादी जैसे कितने नाम अब लोगों को याद हैं। हां, काका हाथरसी की अनेक रचनाएं पुस्तक के रूप में विद्यमान हैं, इसलिए वे याद किए जाते हैं।

वर्तमान कवि सम्मेलन के मंचों पर चुटकुलेबाज कवि बेहद सफल होते हैं। लोग उन्हें सुनना पसंद करते हैं और मुंहमांगी रकम देकर भी उन्हें अपने शहर बुलाते हैं। ऐसे कुछ कवियों का नाम मैं नहीं ले रहा हूं, लेकिन इनके नाम और काम से अनेक लोग भली-भांति परिचित हैं। यह अच्छी बात है कि आज भी हरिओम पवार जैसे वीर रस के कवि खूब सुने जाते हैं। गीतकारों में बुद्धिनाथ मिश्र, विष्णु सक्सेना को भी लोग पसंद करते हैं। हास्य कवि के रूप में सुरेन्द्र शर्मा, अशोक चक्रधर, अरुण जैमिनी, शैलेश लोढ़ा आदि भी काफी प्रतिष्ठित हैं। कवित्रियों में शबीना अदीब, कीर्ति काले, अंजुम रहबर, अनामिका अंबर, कविता तिवारी आदि निरंतर सक्रिय हैं। यह अच्छी बात है कि इनके पास कविताएं भी होती हैं।

मंच पर गद्य की प्रतिष्ठा

एक दौर वह भी था, जब कवि सम्मेलन के मंचों पर हिंदी गद्य व्यंग्य भी प्रतिष्ठित हुआ था। शरद जोशी जैसे महान व्यंग्यकार अपनी गद्य रचनाओं का पाठ करके लोगों का दिल जीत लेते थे। उनकी व्यंग्य रचना और पाठनशैली इतनी आकर्षित होती थी कि उनके हर वाक्य पर तालियां बजती थीं। अनेक श्रोता उनके गद्य को कविता ही समझते थे। दूसरे महत्वपूर्ण गद्यकार थे केपी सक्सेना। उनकी रचनाओं में व्यंग्य कम, हास्य अधिक हुआ करता था। लखनऊ में चलने वाली पारंपरिक लखनवी भाषा का इस्तेमाल उनके गद्य को रोचक बना देता था। यह दोनों गद्यकार वर्षों तक मंचों पर आमंत्रित करते रहे। इनके निधन के बाद से मंचों से गद्य गायब हो गया। बाद में कुछ व्यंग्यकारों ने मंच पर गद्य पढ़ने का प्रयास तो किया, लेकिन वे उतने सफल नहीं हो पाए। इन दिनों संपत सरल के गद्य व्यंग्य लोग पसंद कर रहे हैं। हालांकि इसमें उनके व्यंग्य एकतरफा भी होते हैं। कुछ और कवि मंच पर गद्य संवाद ही करते हैं, लेकिन उसमें हास्य का पुट अधिक और सामाजिक विसंगतियों पर कटाक्ष कम होता है।

सनेही जी ने की थी कवि सम्मेलन की शुरुआत

वर्ष 1911 तक मुशायरों का जबरदस्त रुझान था। हिंदी की कवि गोष्ठियां श्रोताओं से जुड़ाव नहीं पैदा कर पा रही थी। कवि ब्रजभाषा का अधिक इस्तेमाल करते थे। गयाप्रसाद 'सनेही' जी ने वर्ष 1911 में कानपुर में हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थापना की। इसमें खड़ी बोली के कवियों को जोड़ना शुरू किया। नौ साल तक इसके सामान्य अधिवेशन हुए। उसके बाद वर्ष 1921 में बड़ा अधिवेशन किया गया, जिसमें श्रीधर पाठक, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', राम नरेश त्रिपाठी, दुलारे लाल भार्गव, अनूप शर्मा, रूप नारायण पांडेय आदि कवि मंच पर विराजमान थे। श्रोताओं के बीच राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन भी विराजमान थे। तब से कवि सम्मेलन की परंपरा चल पड़ी। सनेही जी ने सनेही मंडल की स्थापना की। इसमें कई जिलों के कवियों के नाम जुड़े। फिर देशभर में कवि सम्मेलन होने लगे। कवियों ने आजादी की अलख जगाने के लिए सम्मेलनों का सहारा लिया।

ऑनलाइन कवि सम्मेलनों का प्रचलन

कोरोना काल के बाद से ऑनलाइन कार्यक्रमों का प्रचलन शुरू हुआ। उसके बाद से अब ऑनलाइन कवि सम्मेलन भी होने लगे। निर्धारित समय में देश-विदेश के अनेक कवि मोबाइल के जरिए अपनी कविताओं का पाठ करते हैं। हालांकि इनमें ज्यादातर कवि मंच के पेशेवर कवि नहीं होते। ज्यादातर विशुद्ध साहित्यिक होते हैं। इन कवियों के पास अपनी सार्थक रचनाएं होती हैं, जिन्हें हम सही मायने में कविता कह सकते हैं। यहां चुटकुलबाजी नहीं, बल्कि विशुद्ध काव्यपाठ होता है। ऐसे कवि सम्मेलनों के श्रोता सीमित होते हैं, लेकिन हिंदी के प्रति प्रेम होने के कारण विदेश में बैठे कवि उत्साह के साथ इस सम्मेलन में भाग लेते हैं।

जीवित है परंपरा

भले ही अब कवि सम्मेलन पूरी रात नहीं होते कुछ घंटे के लिए ही होते हैं और ज्यादातर किसी प्रेक्षागृह में होते हैं, लेकिन वह निरंतर हो रहे हैं। कवि सम्मेलनों के साथ-साथ अब मुशायरे भी समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, जिसमें उर्दू शायरी करने वाले शायरों को बुलाया जाता है। दिल्ली के लाल किले का कवि सम्मेलन आज भी जारी है, जो प्रायः गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष किया जाता है, लेकिन ज्यादातर कवि सम्मेलन मौसमी होकर रह गए हैं। गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव, 26 जनवरी, 15 अगस्त के अवसर पर ज्यादा कवि सम्मेलन होते हैं। कॉरपोरेट घराने के लोग भी अब कवि सम्मेलन करवाते हैं। कभी-कभी कुछ अखबार वाले भी अपने अखबार के प्रमोशन के के लिए कवि सम्मेलन करवाते हैं, लेकिन ये सारे कवि सम्मेलन ज्यादातर हास्य के होते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, दुबई आदि देशों में रहने वाले अप्रवासी भारतीय भारत के कवियों को बुलाकर उनकी कविताएं सुनते हैं, जो कवि बुलाए जाते हैं, उनमें ज्यादातर हास्य कवि होते हैं। भारत के अनेक कवि या कवयित्रियां विदेश प्रवास के दौरान वहां के अनेक शहरों में काव्य पाठ करते हैं। वैसे मंचों पर हास्य कवि ज्यादा सफल भी होते हैं। कविता के नाम पर हास्य कलाकार की तरह खड़े होकर चुटकुलेबाजी करते हैं और अपनी इक्का-दुक्का कविता सुनाकर स्थान ग्रहण कर लेते हैं। कुछ कवयित्रियां अपनी काव्य प्रस्तुति से लोगों को प्रभावित करती हैं। कुछ कवि सम्मेलन राज्य सरकारें भी अपनी ओर से करवाने लगी हैं। इनके सम्मेलनों में भी लगभग ऐसे ही कवि बुलाए जाते हैं जो हास्य रस वाले हों। वीर रस के कवियों से सरकारों को परहेज होता है। दरअसल समाज की भी रुचि धीरे-धीरे परिवर्तित होती चली जा रही है। उन्हें जीवन-दर्शन, ज्ञान देने वाली कविताओं से परहेज है। गंभीर रचनाएं उन्हें पसंद नहीं आती। ऐसे कवि मंच पर बहुत जल्दी हूट कर दिए जाते हैं। या बुलाए ही नहीं जाते। इस समय उन्हीं कवियों को बुलाया जा रहा है, जो परफॉर्मिंग आर्ट को समझते हैं। जिन में यह कला है कि वे चुटकुले को कविता में रूपांतरित कर लेते हैं। अभी कवि सम्मेलनों के मंच से ऐसे कवि भी हैं, जो मुंहमांगी रकम लेते हैं और एक-एक घंटे तक मंच पर खड़े होकर कविता कम सुनाते हैं, मगर श्रोताओं को अपने बातूनी अंदाज से हंसाने का काम करते हैं। सामान्य श्रोता इसे ही कविता समझ लेता है। इन कवियों का अपना अच्छा नेटवर्क भी है। वर्तमान में हिंदी कवि सम्मेलन में खेमेबाजी भी खूब है। कुछ लोकप्रिय कवियों या मंच संचालकों के अपने ग्रुप हैं। वे जहां जाते हैं, अपने साथ अपने खास दरबारी किस्म के कवियों को ले जाते हैं। ये सारे कवि मंच की कला से वाकिफ होते हैं और बहुत अच्छे से अपने-अपनी रचनाओं की प्रस्तुति करते हैं। यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि वह जो सुना रहे हैं, वह कविता ही हो। वह खड़े होकर केवल बातचीत करते हैं और लोगों को हंसाने का काम करके बैठ जाते हैं। बीच में एक दो कविताएं भी जरूर सुनाते हैं, लेकिन उनकी प्रस्तुति में शुरू से अंत तक कविता ही हो, यह असंभव है।

आयुर्वेदिक जीवनशैली से बढ़ाएं रोग प्रतिरोधक क्षमता

हर इंसान चाहता है कि वह स्वस्थ और निरोगी रहे, लेकिन आज के समय में बदलती जीवनशैली, प्रदूषण, मिलावटी खानपान और तनाव ने लोगों की सेहत पर बुरा असर डाला है। छोटी-छोटी बीमारियां भी जल्दी पकड़ लेती हैं और संक्रमण बहुत तेजी से फैलते हैं। इसका कारण है शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी का कमजोर होना। अगर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो तो कई तरह की बीमारियां हमें छू भी नहीं पातीं। आयुर्वेद ने बहुत पहले ही इस बात को समझ लिया था और प्रतिरक्षा को बढ़ाने के लिए विशेष मार्ग बताए। खासकर बरसात के मौसम में, जब बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है, तब आयुर्वेद के बताए उपायों का पालन करना और भी जरूरी हो जाता है।

आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता शक्ति के दो प्रकार हैं। पहला व्याधि उत्पाद प्रतिबंधकत्व अर्थात शरीर में रोग न होने देने की शक्ति और दूसरी व्याधि बल विरोधित्व अर्थात उत्पन्न हुए रोग से लड़ने की शक्ति। यह शरीर की आंतरिक शक्ति है, जो हमें रोगों से बचाती है और स्वस्थ रखती है। ये क्षमताएं सभी धातुओं के सारभाग "ओज के कारण होती हैं, ओज शरीर को ऊर्जा देता है, मन को प्रसन्न रखता है और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। आयुर्वेद के अनुसार कुछ लोगों में यह शक्ति जन्म से ही अधिक होती है, कुछ में यह उम्र और मौसम के अनुसार बदलती रहती है और इसे सही खानपान व जीवनशैली से भी बढ़ाया जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति पौष्टिक भोजन करता है, पर्याप्त नींद लेता है, तनाव से दूर रहता है और प्राकृतिक नियमों का पालन करता है तो उसकी प्रतिरक्षा शक्ति हमेशा मजबूत रहती है। वहीं, गलत खानपान, देर रात तक जागना, प्रदूषण और तनाव ओजस को कमजोर कर देते हैं और इंसान जल्दी बीमार पड़ जाता है।

वर्षा ऋतु में इम्युनिटी पर असर

बरसात का मौसम हमारे शरीर के लिए सबसे चुनौती भरा समय होता है। इस मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है, चारों ओर गंदगी व कीचड़ हो जाता है और पानी भी दूषित हो जाता है। इससे बीमारियां फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही इस ऋतु में हमारी पाचन शक्ति भी कमजोर हो जाती है, इसलिए शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।

बरसात के मौसम में अक्सर लोग बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, पेट दर्द, दस्त, उल्टी, त्वचा रोग और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। यह सब इसलिए होता है, क्योंकि इस समय हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों की तुलना में कमजोर हो जाती है। इसलिए वर्षा ऋतु को रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए सबसे संवेदनशील समय माना जाता है। वर्षा ऋतु में पत्ते वाली साग सब्जियां बहुत साफ सफाई के बाद ही प्रयोग करें, कभी-कभी सब्जियों को विसंक्रमित करने के लिए इनको पहले गर्म पानी में कुछ देर रखकर थोड़ी देर ठंडे पानी में रखकर पकाने की प्रक्रिया प्रयोग में लाते हैं।

प्रतिरक्षा बढ़ाने के आसान उपाय

- आयुर्वेद ने बरसात के मौसम के लिए कुछ खास नियम बताए हैं, जिनका पालन करने से हम बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।
- सबसे पहले, इस समय हल्का और सुपाच्य भोजन करना चाहिए, जैसे खिचड़ी, दाल, सूप और हरी सब्जियां। बासी, तैलीय और भारी भोजन से परहेज करना जरूरी है, क्योंकि यह पचने में कठिन होता है। भोजन हमेशा ताजा और गरम होना चाहिए। पानी हमेशा उबालकर या छानकर ही पीना चाहिए, क्योंकि इस मौसम में पानी से फैलने वाले रोग सबसे ज्यादा होते हैं।
- बरसात में कुछ औषधीय जड़ी-बूटियां भी बहुत लाभकारी होती हैं। गिलोय का रस या काढ़ा बुखार और संक्रमण से बचाता है। तुलसी की पत्तियां सर्दी-जुकाम और खांसी को दूर करती हैं। अदरक व हल्दी पाचन सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। आंवला विटामिन सी का अच्छा स्रोत है, जो पूरे साल शरीर को स्वस्थ रखता है।
- इसके अलावा, स्वच्छता का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। गंदे और दूषित पानी से बचना चाहिए और नमी वाली जगहों से दूरी रखनी चाहिए। हल्की कसरत, योग और प्राणायाम करने से शरीर सक्रिय रहता है और शक्ति बढ़ती है।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए

- आयुर्वेद में बहुत सी ऐसी औषधियां बताई गई हैं, जो प्रतिरक्षा शक्ति को प्राकृतिक रूप से बढ़ाती हैं। किंतु इनका प्रयोग योग्य चिकित्सक से सलाह लेकर ही करें।
- गिलोय (गुडूची)-इसे अमृता भी कहा जाता है। यह शरीर को संक्रमण से बचाती है और बार-बार होने वाले बुखार में बहुत लाभकारी है।

- आंवला-यह विटामिन सी से भरपूर है और शरीर को रोगों से लड़ने की ताकत देता है।
- तुलसी- इसे घर में पवित्र माना जाता है और यह सर्दी-जुकाम तथा श्वसन संबंधी बीमारियों से रक्षा करती है।

- हल्दी- यह प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी है, यानी सूजन और संक्रमण दोनों से बचाती है।
- अश्वगंधा- यह शरीर को ताकत देती है, तनाव कम करती है और ऊर्जा बढ़ाती है।

आधुनिक दृष्टिकोण और आयुर्वेद

आज का विज्ञान भी मानता है कि अगर शरीर को सही पोषण, विटामिन और प्राकृतिक तत्व मिलते रहें तो हमारी प्रतिरक्षा शक्ति मजबूत रहती है। गिलोय, आंवला, तुलसी और अश्वगंधा जैसे पौधों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। कोविड-19 महामारी के समय भी इन औषधियों की खूब चर्चा हुई और लोगों ने इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल किया। इस तरह हम देख सकते हैं कि आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों का उद्देश्य एक ही है, इंसान की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना और उसे बीमारियों से सुरक्षित रखना।

बरसात का मौसम हमारे शरीर को कमजोर कर देता है और इस समय रोग जल्दी पकड़ लेते हैं, लेकिन अगर हम सतर्क रहें, स्वच्छता का पालन करें और सही खानपान व जड़ी-बूटियों का उपयोग करें तो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनी रहती है। आयुर्वेद हमें यही सिखाता है कि बीमार होने के बाद इलाज कराने से अच्छा है कि पहले से ही रोगों से बचाव किया जाए।

प्रतिरक्षा शक्ति ही हमारी असली ढाल है। अगर यह मजबूत है तो हम बदलते मौसम और संक्रमण से सुरक्षित रहते हैं। इसलिए इस बरसात के मौसम में आयुर्वेदिक नियमों का पालन करके अपनी इम्यूनिटी बढ़ाएं और पूरे साल स्वस्थ जीवन का आनंद लें।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय डोहरा रोड, बरेली

बाएं दाढ़ का दर्द

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भारत कला भवन के संस्थापक और प्रसिद्ध कलाविद राय कृष्णदास अक्सर कहा करते थे कि खराब दांत मुंह में विषधर सांप के समान होते हैं, जो शरीर के समस्त तंत्रों को अपने विष (पूय) से चौबीसों घंटे दुष्प्रभावित करते रहते हैं। मसूढ़ों और दांतों से निरंतर रिस रहे विष (पस) का असर हृदय की रक्त वाहिकाओं पर भी पड़ता है और यह हृदयाघात का प्रमुख कारण बन सकता है। दांत का दर्द व्याकुल कर देने वाली पीड़ा के लिए इतिहास प्रसिद्ध है। यह बड़े-बड़े दिग्गज सूरमाओं को भी विचलित और बेसुध कर देती है।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

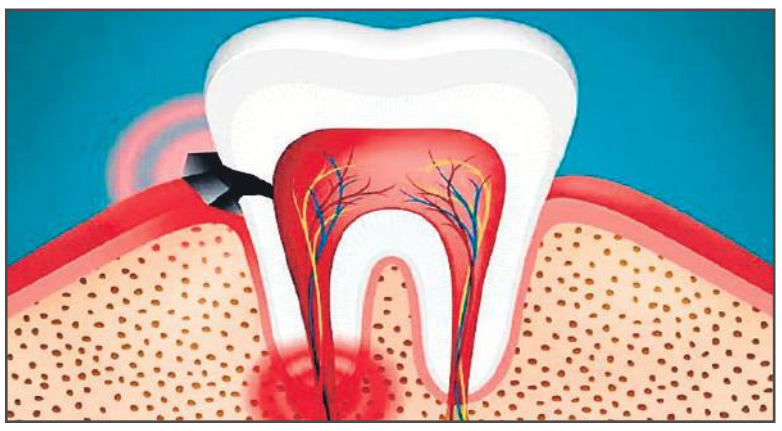

सुप्रसिद्ध फ्रेंच जनरल और योद्धा नेपोलियन बोनापार्ट ने अपनी आत्मकथा में दांत के दर्द का बड़ा जीवंत अनुभव लिखा है। उन्हें दांत के दर्द के कारण बहुत परेशानी होती थी। परीक्षा और युद्ध के मैदान में यह बहुत बड़ी समस्या बनकर खड़ी हो जाती थी। वाटरलू (18 जून 1815) के प्रसिद्ध युद्ध में उसे दांत के भयंकर दर्द से कराहना पड़ा था। इसी प्रकार अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन जब अपने देश की स्वतंत्रता के लिए इंग्लैंड से निर्णायक युद्ध की तैयारी में नेतृत्व कर रहे थे तो उस रात उन्हें भयंकर दंत दर्द हुआ। एक तरफ जीने-मरने वाला आखिरी युद्ध दूसरी तरफ उनके दांतों में असहनीय दर्द। दंत चिकित्सक बुलाए गए। उन्होंने क्षतिग्रस्त दांतों की जगह बैल के दांत प्रत्यारोपित कर दिए। उसी पीड़ा और शल्य प्रक्रिया के बीच वाशिंगटन ने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध लड़ा और विजयश्री प्राप्त की। अमेरिका स्वतंत्र देश हो गया। उनके विकृत दांत अभी भी अमेरिकी संग्रहालय में यथावत सुरक्षित रखे हुए हैं।

ये दृष्टांत यह बताते हैं कि हमें अपने दांतों को कितना संभाल कर रखना चाहिए। सामान्यतया हर व्यक्ति को युवावस्था में अक्ल दांत निकलने के समय जिन्हें लोक भाषा में दाढ़ निकलना भी कहा जाता है थोड़ा-बहुत दर्द होता है, जो कुछ समय बाद स्वतः समाप्त हो जाता है। कभी-कभी दंत चिकित्सक की मदद लेनी पड़ सकती है। परंतु 55-60 के बाद यदि किसी को दाढ़ में दर्द होने लगे वह भी बाईं ओर के दाढ़ में, तो इस स्थिति को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि ऐसा दर्द हृदय की या किसी अन्य गंभीर बीमारी का द्योतक हो सकता है। एक 55 वर्षीय प्रख्यात चिकित्सक को अचानक बाईं तरफ के दांत और कान में दर्द होने लगा। वेदना इतनी थी की उस दिन वह अपने चिकित्सालय भी नहीं गए अपने अन्य सहयोगी से अपने अंतर्गत भर्ती मरीजों को देखने का अनुरोध करके वह घर पर ही दर्द शामक दवाइयां खाकर आराम की आशा में रुक गए। दर्द बढ़ता गया और वह अचेत होकर कुर्सी पर लुढ़क गए। तब परिचारकों को स्थिति की गंभीरता का पता चला। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। निकट के अस्पताल ले जाए गए पर वह तो निष्प्राण हो चुके थे। पुनर्जीवन के सभी प्रयास निष्फल सिद्ध हुए। बाद में पता चला की उन्हें लंबे समय से डायबिटीज थी। कोलेस्टेरॉल भी बढ़ा रहता था। उनके परिवार में तीन पीढ़ियों तक कोई भी व्यक्ति साठ पार नहीं कर सका था। इन सब चीजों को जानते हुए वह अपने स्वास्थ्य, वजन, कोलेस्टेरॉल, शुगर और खान-पान का बहुत ध्यान रखते थे, पर उन्हें यह कहां मालूम था की बाएं दाढ़ और कान दर्द के रूप में हृदयाघात (हार्ट अटैक) इस तरह से चोट करेगा और प्राण ले लेगा। ऐसे ही एक दूसरे प्रकरण में बड़े वरिष्ठ और लब्धप्रतिष्ठ सामुदायिक चिकित्सा के प्रोफेसर महोदय को सेवानिवृत्ति के बाद बाएं जबड़े और दांत में दर्द हुआ। सोचा दांत की कोई मामूली बात होगी। दंत चिकित्सक के पास गए। उन्होंने दांतों का एक्स-रे लिया तो पता चला कि उन्हें जबड़ों का कैंसर है, जो दांतों को भी प्रभावित कर रहा है। जबड़ों और दांतों की विराट सर्जरी हुई। रेडियो चिकित्सा हुई। तबीयत में जब सुधार होने लगा तो घर चले गए। वहां थोड़े दिनों बाद उन्हें प्रबल हृदयाघात पड़ा और उनकी मृत्यु हो गई।

चिकित्सक होने के बावजूद महोदय पिछले 30 वर्षों से लगातार गुटखा और शराब का सेवन करते थे, जिसके कारण उनके दांत और हृदय दोनों ही प्रभावित हो चुके थे। उन्होंने न तो अपने दांतों का परीक्षण कराया न ही अपने हृदय की सम्यक जांच-पड़ताल। इन्हीं से मिलते-जुलते एक और सज्जन हैं, जिन्हें बाएं तरफ के निचले दांतों में दर्द हुआ। उन्होंने तुरंत जांच कराई तो पता चला की वहां पर गांठनुमा कोई चीज विकसित हो रही है। तत्काल सर्जरी की गई और अब वह स्वस्थ सानंद हैं। कहने का आशय यह है की यदि किसी भी व्यक्ति को बाएं दाढ़ में/बाएं कान में दर्द हो, तो तुरंत अपने चिकित्सक की सलाह लें। विशेषतः वे लोग जो सुर्ती, तंबाकू, सिगरेट-बीड़ी या शराब का सेवन करते हैं। बाएं तरफ के दांत के दर्द या कान के दर्द की कभी भी उपेक्षा न करें यह प्राणलेवा हो सकती है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले यह सप्ताह आपके लिए अधिक सुखदायी और फलदायी साबित होगा। आप अपने लक्ष्य की ओर पूरे मनोयोग से प्रयास करते हैं तो निश्चित तौर पर वो हासिल हो सकता है, जिसकी आपको लंबे समय से तलाश थी। कुछ चीजों को लेकर आपको सावधानी भी रखनी होगी।

वृष
इस सप्ताह आपको जीवन के किसी भी क्षेत्र में बहुत सोच-समझकर कदम आगे बढ़ाने की जरूरत रहेगी। साथ ही साथ आप उन लोगों से खूब सावधान रहें, जो आपको समझाने की बजाय उलझाने की कोशिश करते हैं। आपको भूमि-भवन या फिर कहें पैतृक संपत्ति को लेकर चिंता बनी रहेगी।

मिथुन
यह सप्ताह जरा ज्यादा ही भागदौड़ रहने वाला है। इस सप्ताह आपके मनोरथ पूरे तो होंगे, लेकिन उसमें बड़ी दिक्कतें भी आएंगी। हालांकि आप अपने विवेक एवं बुद्धिबल से सभी समस्याओं से अंततः पार पाने में कामयाब रहेंगे। आपको शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं हो सकती हैं।

कर्क
यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही जीवन में मिलने वाली सफलता से आपका पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। हालांकि आपको इस पूरे सप्ताह अति उत्साह से बचने की आवश्यकता भी रहेगी। किसी धार्मिक-मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। बीते कुछ हफ्तों से आप जिस चिंता को लिए इधर-उधर परेशान होकर भटक रहे थे, इस सप्ताह किसी प्रभावी व्यक्ति अथवा शुभचिंतक की मदद से उसे दूर करने में अंततः कामयाब हो जाएंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी मामले में आपको बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।

कन्या
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने काम को कल पर टालने से बचना होगा। इसी प्रकार आपको दूसरों के कामकाज या व्यवहार की आलोचना करने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करते हुए उसे हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। इस सप्ताह पढ़ने-लिखने वाले छात्रों का मन पढ़ाई-लिखाई से उचट सकता है।

तुला
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत आपके लिए बीते हफ्ते के मुकाबले थोड़ी अधिक अनुकूल लग सकती है, लेकिन आपको अभी अपने कामकाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही या आलस्य करने से बचना चाहिए। सप्ताह का पूर्वार्ध आपकी सेहत और संबंध की दृष्टि से शुभ परिणाम लिए रहने वाला है।

वृश्चिक
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपको कदम-कदम पर मनचाही सफलता और स्वजनों का सहयोग मिलता नजर आएगा। सप्ताह की शुरुआत में किसी कार्य विशेष के समय पर पूरे हो जाने पर आपको हर्ष का अनुभव होगा। इस दौरान आपको कोर्ट-कचहरी के मुकदमें में विजय मिल सकती है।

धनु
इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए बहुत ज्यादा ही परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपको मनचाही सफलता और लाभ मिले तो आपको अपनी ऊर्जा, समय और धन का प्रबंधन करके चलना होगा। सप्ताह की शुरुआत बड़ी आपाधापी भरी रह सकती है।

मकर
इस सप्ताह आपके करियर-कारोबार में पूर्व के सप्ताह की भांति हालात बने रह सकते हैं और आपको मनचाही प्रगति एवं लाभ के लिए अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में घर-परिवार से जुड़े कुछेक मामलों को लेकर आपका मन चिंतित रह सकता है।

कुंभ
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और आपको सीनियर व जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। यदि आप किसी विशेष स्थान पर तबादले अथवा जिम्मेदारी को पाने के लिए प्रयासरत थे तो आपको सप्ताह के उत्तरार्ध तक उससे जुड़ी शुभ सूचना मिल सकती है।

मीन
इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी, क्योंकि आपकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ेगी भी। ऐसे में किसी भी कठिन परिस्थिति में क्रोध करने एवं प्रतिक्रिया देने से बचें। सप्ताह की शुरुआत का समय आपकी सेहत और संबंध दोनों की दृष्टि से थोड़ा कठिन साबित हो सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 25

	3	41		6	9	41		
11			20					
8			10/4				3	
	6/3				3/10			
8				7/6				
5			20/4				4	
	9				6			
	12				9			

काकुरो 24 का हल

			12	16	26		29	12
		6/28	3	1	2	17	8	9
	29/4	5	9	7	8	4/7	1	3
3	1	2	27/6	8	9	4	6	
8	3	4	1	12/27	7	2	3	12
	17	6	3	8	6/11	1	2	3
	13/3	3	2	7	1	14/8	5	9
8	1	7	28	9	8	7	4	
3	2	1	6	3	2	1		

कहानी

आस्था का उपहार

सुबह की सुनहरी धूप उसकी बगिया में मोतियों सी बिखरी पड़ी थी। नालिनी के फूल अपनी लंबी डंडियों पर संतरियों की तरह सीधे खड़े थे और नीचे घास में उगे गुलाबो की तरफ देखकर मानो कह रहे थे, "सुंदरता में हम भी तुमसे कम नहीं।" पर नेहा की आंखें टिक गई थीं उस फूल पर, जिसे देखकर हर कोई ठहर जाता-काला गुलाब। उसकी पंखुड़ियों में रात का रहस्य, चांदनी का आकर्षण और प्रभु की कृपा का आभास छिपा था। कई बार प्रेमी युगल उसके लिए मुंह मांगी कीमत देने को तैयार हो जाते, लेकिन नेहा हंसकर कहती-"यह गुलाब बिकने के लिए नहीं खिला। यह प्रभु का है... प्रभु श्रीराम का।"

बगिया के बीच में बने छोटे मंदिर में श्रीराम की मूर्ति विराजमान थी। यह मंदिर उसके दादा ने बनवाया था। पंडित जी आकर पूजा करते, पर असल देखभाल अब नेहा करती थी। यह मंदिर और बगिया ही उसके जीवन का सहारा थे।

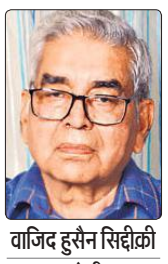

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
बरेली

एमएससी पास करने के बाद वह टैगोर पब्लिक स्कूल की प्रधान अध्यापिका बनी। दिनभर का व्यस्त जीवन, बच्चों की पढ़ाई, शिक्षकों की मीटिंग, सब कुछ, पर शाम ढलते ही उसकी आत्मा इसी बगिया और प्रभु के मंदिर में लौट आती। रोज वह श्रीराम की मूर्ति पर ताजे फूल चढ़ाती और मन ही मन कहती-"आप ही मेरे अपने हैं, प्रभु।"

आज नेहा की बाईसवीं वर्षगांठ थी। वह काला गुलाब लेकर प्रभु राम को अर्पित करने मंदिर पहुंची। वहां कई स्त्रियां अपने पतियों के साथ पूजा कर रही थीं। रंग-बिरंगे वस्त्र, आभूषण और उनके चेहरे पर संतोष की आभा। नेहा के गाल पर आंसुओं की लकीरें खिंच गई। "काश... मेरे मम्मी-पापा की एक्सीडेंट में मृत्यु न हुई होती, तो मैं भी आज किसी की दुल्हन होती, यूं अकेली न होती?"

भीतर का खालीपन उसे सालता रहता। अचानक मंदिर के दीपक की लौ प्रखर हो उठी। उसे लगा मानो मूर्ति से कोई आवाज आ रही हो-"बालिका, दुखी मत हो! अगले जन्मदिन पर तुम्हारी बगिया में फिर काला गुलाब खिलेगा, पर यह गुलाब मेरे लिए नहीं होगा। यह तुम्हारे प्रियतम के लिए होगा। निःसंकोच उसे अर्पित कर देना।"

नेहा का हृदय आशा से भर उठा-"प्रभु ने उसे आस्था का उपहार दे दिया।"

एक वर्ष जैसे करवटें बदलते बीता। हर सुबह नेहा उस बगिया को संवारती, हर शाम मंदिर में दीप जलाती। अगले जन्मदिन की भोर सचमुच वही दृश्य लेकर आई-काला गुलाब फिर खिला था। नेहा ने उसे देखा तो उसकी सांसे तेज हो गई। रंग बिरंगी तितलियां अपने पंखों पर सुनहरा पराग लिए इधर-से-उधर उड़ रही थीं। वे बारी-बारी से हर फूल पर जातीं। नन्हीं गिरगिटें दीवारों से निकल कर धूप सेक रही थीं। धूप की गर्मी से अनार दरक कर फुट गए थे और वे अपने लाल रक्तिमम हृदय दिखा रहे थे। यहां तक की जालियों और पथ की मिट्टी में उगने वाले पीले नींबूओं का रंग भी सूर्य का प्रकाश पाकर निखर आया था। रेस्टोनिया के पेड़ों ने भी अपने रंगीन फूल खिलाकर हवा को सुगंध से भर दिया था।

शाम ढली। आसमान पर किरमिजी रंग फैला, फिर रात का सियाह आंचल। चांद निकला और उसके साथ ही वह युवक भी आ गया। तेज कदमों से चलता हुआ, वह गुलाब के पास आकर ठिठक गया। उसकी आंखें भूरी थी और उन में अजीब सी मासूमियत थी।

"हाय! काला गुलाब चाहिए" उसने धीरे स्वर में कहा। नेहा के होठों पर अनजानी मुस्कान आई। उसने गुलाब तोड़कर उसे थमा दिया।

"थैंक्यू... नेहा।" वह चौकी, "आप मेरा नाम कैसे जानते हैं?"

युवक ने हल्की हंसी के साथ कहा, "कल तुम मेरे सपनों में आईं थीं। गुलाबी साड़ी में झूला झूल रही थीं। किसी ने तुम्हें नेहा कहकर पुकारा, तब से मैं तुम्हें पुकार रहा हूं।"

नेहा ने दिल थाम लिया। यह संयोग था या आस्था का उपहार? युवक ने अपना नाम बताया- राजेश। "फिर कब मिलोगी?" उसने जाते-जाते पूछा। "कल, यहीं इसी समय।" नेहा की आवाज में अनजाना कंपन था।

"बिस्तर में दुबका राजेश सोच रहा था, उसके जीवन में सब अच्छा हो रहा था। हाल ही में एसडीएम नियुक्त हुआ था। वह शौकिया कवि भी था। बेस्ट कवि की उपाधि भी उसे मिली थी। प्रभु ने नौकरी भी दे दी और साथ में छोकरी भी। रात बढ़ते-बढ़ते तेज हवाएं चलने लगीं। नींद ने उसे आगोश में ले लिया था, पर उसका मन नेहा के पास जाने के लिए बेताब था। मोहब्बत की खुमारी में वह बगिया की ओर चल पड़ा जो बारिश के कारण झील में बदल चुकी थी। वह इसी कशमकश में था, "झील से कैसे पार पाऊं?" तभी बिजली चमकी और उसे लगा नेहा सामने खड़ी है-भीगी वस्त्रों में आंखों में इंतजार लिए। वह इश्क की कश्ती में सवार होकर झील के पार पहुंच गया।

"कितनी देर कर दी...आओ, बादलों की सैर करें।" राजेश ने खुद को उसके साथ आसमान पर उड़ते पाया। तारे झिलमिला रहे थे। नेहा ने कहा, "क्या तुम मेरे लिए एक तारा तोड़ सकते हो?" राजेश ने हाथ बढ़ाया और अचानक वह गिरने लगा। मां को पुकारते हुए जागा तो पाया कि वह सचमुच बिस्तर पर लेटा है। सपना या प्रभु की परीक्षा?

अगले दिन नेहा के लिए आदेश आया-उसे पुणे के कॉलेज की ट्रेनिंग में जाना था। एयरपोर्ट के वेटिंग हॉल में बैठी वह सोच रही थी, राजेश आएगा, सूनी बगिया देखकर सोचेगा, "एक दिन भी साथ न निभा सकी, जीवनभर का साथ कैसे निभाएगी?"

राजेश बगिया पहुंचा, नेहा को न पाकर अपने जीवन को अधूरा महसूस कर रहा था। गलियों में बाजारों में फूल बेचने वालियों को देखता, तो वह याद आती।

नेहा का जीवन फिर से अर्थहीन हो गया था। इसी विश्वास से वह जिए जा रही थी-"श्री राम का कमिटमेंट है, राजेश जरूर आएगा।"

कुछ महीने बाद गुलदाउदी खिलने का मौसम आ गया था। टैगोर पब्लिक स्कूल ने गुलदाउदी प्रतीयोगिता का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि थे- एसडीएम राजेश अग्रवाल। सभी फूलों के बीच नेहा की बगिया के फूलों ने उनका मन मोह लिया। तब आयोजकों ने उनसे कहा, "यह हमारा सौभाग्य है कि इस बगिया की मालकिन नेहा अग्रवाल, हमारे स्कूल की प्रधान अध्यापिका हैं।" राजेश अग्रवाल और नेहा की खुशियां लौट आईं थीं। उन्होंने अपना प्यार छुपाए नहीं रखा और बधाइयों का सिलसिला वहीं से शुरू हो गया।

राजेश की गाड़ी में बैठकर नेहा मंदिर पहुंची। नेहा और राजेश को साथ देखकर मूर्ति के होठों पर मुस्कान थी, दीपक की लौ नृत्य कर रही थी। पंडित जी ने विधि-विधान से उनका विवाह संपन्न कराया और कहा, "आज से तुम पति-पत्नी हो।" दोनों ने मिलकर काला गुलाब प्रभु के चरणों में अर्पित किया तो मंदिर सुगंध से महक उठा।

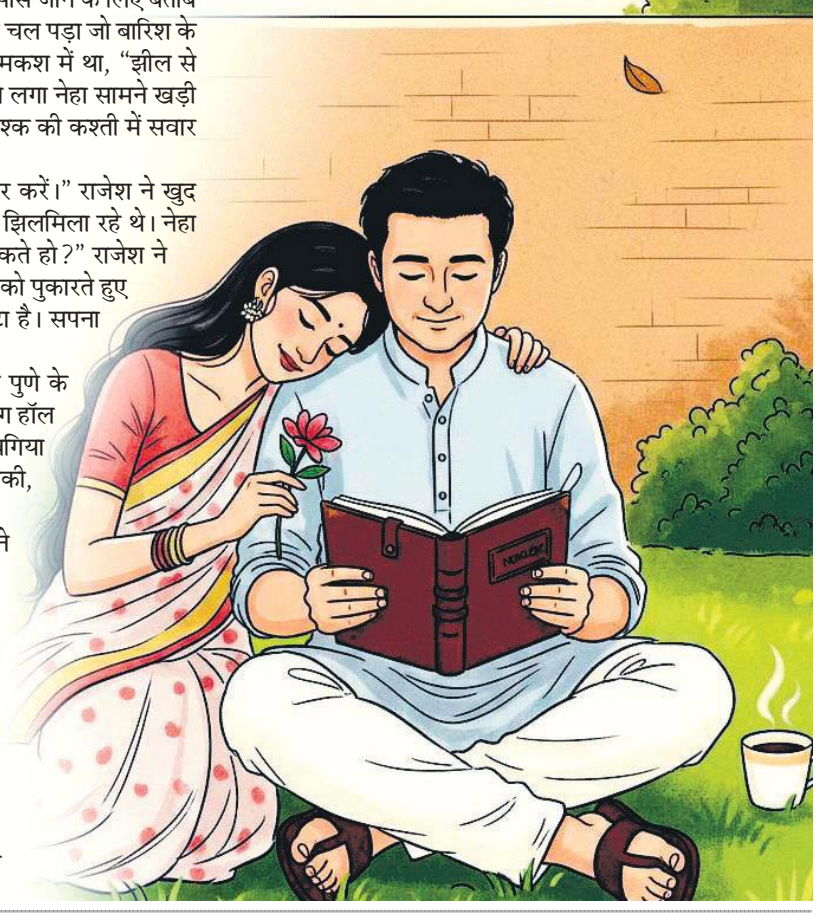

कविता/गीत

आंगन

गांव के आंगन में खड़ा,
वह नीम का बूढ़ा पेड़,
जैसे जीवन का प्रहरी,
जैसे सुख-दुख का साथी
अचूक।

उसकी छांव में गर्मियां बन
जाती थीं ठंडी हवा,
पीली-पीली निबौलियां
खुशियों की मिठास घोल
जाती थीं।

नानाजी कहते थे– 'नीम की
दातुन में अमृत है, कड़वाहट
ही सबसे मीठी दवा है।'
और सचमुच, वही सीख
आज जीवन का आधार है।

नाना-नानी नहीं रहे, पर
उनके किस्सों-सी महक
अब भी घिरी रहती है उस
नीम की शाखों के संग।

आज गांवों में भी नीम कम हैं
और बीमारियां बढ़ती जाती हैं
शायद यही संदेश है नीम
का, लौट चलो फिर से
प्रकृति की ओर।

आओ लगाएं नीम के पौधे,
आओ जियें उसके संग
जहां हरियाली होगी, वहीं
जीवन होगा प्रसन्न।

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

उजालों के शहर में

उजालों के शहर में हमने
पसरी देखी उदासियां
गवाह मन के कोनों में गुंथी
अनेक निशानियां

अक्सर खाली कोनों के
दावेदार हो जाते हैं हजार
जग जाहिर है यहां पर
किराएदारों की बेहयाइयां

रखते हैं जुस्तजू जो परिंदे
ऊंचाइयों को छूने की
गहरे तक पसरी होती है उनके
पंखों में तन्हाइयां

सच को हांफना ही है पड़ता
झूठ के बहते नालों में
रात जो देने लगी है भरी
दुपहरी की झूठी गवाहियां

हुनर रखते हैं, जो गहरे में
जाकर मोती निकालने का
अक्सर उन्हें ही मिलती है
उथले पानी से बरबादियां

यहां मन के तहखाने में सभ्यता
के प्रमाण अनगिनत
खुल जाए तो संभाल
न पाओगे चौतरफा तबाहियां

अब बोझिल हो गई पलकें ढांप
कर बाहर की बेशर्मी
एक चुप्पी ने थामी है
नजदीकियों की झूठी
परछाइयां

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

मां-बाप तुम्हारे

जन्म दिया है हमने तुमको,
तुम ही हो आंखों के तारे।
बेशक तुम्हें बुरे लगते हम,
लेकिन हैं मां-बाप तुम्हारे।

मां ने सारे काम किए
नौ माह पेट में रखकर
तुमको।
तुम आए तो लगा कि प्रभु ने
अपार खुशियां दीं हमको।

तुम्हें सुलाया था सूखे में,
गीले में दिन-रात गुजारे।

पाल पोसकर बड़ा किया
हर आवश्यकता पूरी की।
पढ़-लिख हुए जवान और
फिर मनपसंद की शादी
कर दी।

गला घोंट निज इच्छाओं का,
अपने सब सुख तुम पर
वारे।

अपने ही घर में घुट-घुटकर
अपराधी बन पड़े हुए अब।
तुम्हें बड़ा करते-करते हम
वृद्ध हो गए पता नहीं कब।

बहुओं की कर्कश आवाजें,
सुननी पड़ती सांझ-सकारे।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

लघुकथा

तलाक

गोद में एक वर्षीय बेटी को लिए वह मेरे सम्मुख थी। कहने लगी-"वकील साहब मुझे अपने पति से तलाक चाहिए।" ऐसी कौन सी मजबूरी है, जो इस बच्ची पर ध्यान न देकर अपने पति से तलाक चाहती हो? सच बताऊं मेरा पति मेरे कहने में नहीं है, अपने बड़े भाई और भाभी की आज्ञा मानता है, मुझसे सम्मानजनक बर्ताव नहीं करता। अपना न सही अपनी अबोध बेटी का तो ख्याल करो इसे मातृत्व सुख प्रदान करो। मुझे कुछ नहीं सुनना सिर्फ तलाक चाहिए। बेटी को पालने के लिए मेरा पति तैयार है। भले ही कितना तैयार हो, तलाक गुड्डे-गुड़िया का खेल नहीं है। यदि कोई गंभीर समस्या हो, निभाने की कोई गुंजाइश न हो? तब तलाक की सोचना। वह कुछ गंभीर हुई, तथापि बोली- "वकील साहब आप तलाक करा ही दीजिए।" ठीक है एक सप्ताह अपनी बच्ची और अपने भविष्य के बारे में गंभीरता से सोचना कि तलाक के बाद लंबा जीवन कैसे कटेगा? गुड़िया का भविष्य कैसे संवारोगी, तलाक का मुकदमा दायर कर भी देंगे, तब भी तीन चार बार परामर्श केंद्र पर तुम दोनों पति-पत्नी को बिठाकर समझौते की संभावना तलाशी जाएगी ताकि तुम्हारी गृहस्थी बची रहे। यदि फिर भी समस्या समाधान न हुआ, तो तलाक संभव होगा। वह असंतुष्ट सी लौट गई। मैं विचारमग्न था कि आखिर दांपत्य जीवन में छोटी-छोटी बातों पर तलाक जैसी नौबत क्यों आने लगी है?

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

गुरुदेव

इंटर तक अभिलाष ने जिस कॉलेज से शिक्षा पाई थी, त्रिपाठी जी वही शिक्षक थे और उसे पढ़ाया भी था। समूह ग की भर्ती में उसे कोर्ट में नौकरी मिल गई और वह जिला जज के पेशकार पद पर नियुक्त हुआ। आज भी जब कभी वह त्रिपाठी जी के सामने पड़ता, तो बड़े अदब से उन्हें अभिवादन करता। त्रिपाठी जी गदगद हो उठते और सोचते कि उनके शिक्षक जीवन की एक पूंजी अभिलाष जैसे कुछ संस्कारवान शिष्य भी तो है।

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

एक दिन त्रिपाठी जी शिव मंदिर में दर्शन के लिए गए थे। सावन का सोमवार था। मंदिर में भक्तों की काफी भीड़ थी। कोई घंटे भर लाइन में लगकर वे मंदिर के पावन शिवलिंग के करीब पहुंचे थे कि तभी देखते हैं कि अभिलाष बड़े ठसक भरे अंदाज में वीआईपी गेट से मंदिर के भीतर प्रवेश कर रहा था। एकबारगी त्रिपाठी जी को अखरा कि उनका पढ़ाया शिष्य मंदिर जैसी पावन भूमि पर भी अपने अधिकारी के पदनाम का सहारा ले झूठी शान का प्रदर्शन कर रहा था। इसके बावजूद उनके मुख पर वात्सल्य स्नेहिल मुस्कान थी। पर ये क्या बिल्कुल आमना-सामना होने और एक बार नजर मिलने के बावजूद अभिलाष एक झटके में सामने देखने लगा। बिल्कुल उन्हें न पहचानने की मुद्रा में। फिर आगे बढ़कर वह ईश्वर के समक्ष दंडवत हो गया।

शिष्य की इस हरकत से असहज हिंदी शिक्षक त्रिपाठी जी सोच में पड़ गए थे कि स्कूल के दिनों में "गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पांय." वाले पाठ के मर्म को शायद वह अभिलाष को ठीक से समझा नहीं पाए थे।

समीक्षा

समाज और जीवन की विसंगतियां

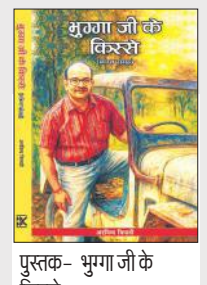

पुस्तक- भुग्गा जी के किस्से
लेखक- अरविन्द त्रिपाठी
प्रकाशक- भारत बुक सेंटर लखनऊ।
मूल्य-200 रु.
समीक्षक- गोपाल चतुर्वेदी लखनऊ।

मनोहर श्याम जोशी की "नेता जी कहिन", पुस्तक पर "कक्का जी कहिन", आधारित धारावाहिक सन् 1988 में दूरदर्शन पर प्रसारित बहुत लोकप्रिय था। निर्देशन वासु चटर्जी का था। अरविंद त्रिपाठी द्वारा लिखित "भुग्गा जी के किस्सों" में नाम की समानता के और कुछ साम्य नहीं है। यह चालीस लेख, समाज और जीवन की विसंगतियों, विडंबनाओं और व्यक्तिगत झूठ-मक्कारी तथा कामचोरी पर प्रहार करते हैं। जोशी जी और अरविन्द के लेखन में यदि कहीं समानता है तो वह केवल मनोहारी भाषा और वर्णन की रोचकता में है। अरविन्द स्वयं भुग्गा जी के विषय में लेखकीय उवाच में कहते हैं- "मेरा बिना लाग-लपेट के स्वीकारना है कि पुस्तक के सभी पात्र, कथानक और घटनाक्रम सत्य घटनाओं से प्रेरित है, जो लेखक और आप सबके इर्द-गिर्द घट रही हैं। भुग्गा जी जैसे किरदार अब बहुतायत में हैं, जो जाने-अनजाने सिस्टम को धीमा करते हैं। मूलतः सिफारिश और तिकड़म से अवतरित हुए ये महानुभाव जानते ही नहीं कि उनके दायित्व क्या हैं और वो किस भूमिका के लिए धरती पर हैं? पहले इनकी संख्या बहुत कम थी, लेकिन अब इनकी बढ़ती संख्या के कारण काम करने वाले जिम्मेदार और समझदार लोगों की संख्या बहुत कम हो रही है।" लेखों की भाषा "विट" से भरपूर है और इनमें हरिद्वार की गंगा जैसा प्रभाव है। अरविन्द त्रिपाठी की सशक्त लेखनी इन्हें रोचक ही नहीं सार्थक व्यंग्य भी बनाती है। यह सब जीवंत हैं, क्योंकि अपने आसपास की रोजमर्रा की घटनाओं पर आधारित है। हमें विश्वास है कि जितना त्रिपाठी जी की व्यंग्य प्रतिभा पर हमारा विश्वास बढ़ा, उतना ही पाठकों का भी बढ़ेगा। यह ऐसे किस्से हैं, जो सिर्फ पढ़ने में आनंद ही नहीं देते, सोचने पर विवश भी करते हैं। यही इनकी मूल शक्ति है, जो संग्रह को सफल बनाती है। मुझे विश्वास है कि त्रिपाठी जी व्यंग्य लेखन में आगे भी रुचि लेते रहेंगे और शहर, प्रांत तथा देश का नाम रोशन करेंगे।

व्यंग्य

नेताजी की नाक का क्या ही कहना

हर जीव-जंतु के पास अदद एक नाक तो होती ही है, जिससे उसका काम चल ही जाता है। आम जनता के लिए तो एक ही नाक भारी पड़ती है। उसको ही संभालने बचाने में उसके बिकने की नौबत आ जाती है। अच्छा है आम जनता के पास दो-चार नाक नहीं होती है। वरना वह घर का रहता न ही घाट का रह जाता। बेचारा मुसीबतों में घिरा रहता।

यह भी गनीमत है कि किसी के पास दो-चार नाक नहीं होती। होने पर क्या पता कैसा-कैसा उससे काम ले लेता और वह कैसा व्यवहार करता। इस दुनिया में एक से एक तिकड़मी दिमाग वाले इंसान भले पड़े हैं। क्या भरोसा है कि क्या दिमाग लगाते। कुछ तो दिमाग इतना खराब लगाते हैं कि उससे ऊपर वाले भी पनाह मांगते हैं। ऐसे लोगों को भगवान भी जब ऊपर से देखते होंगे तो सोचते होंगे। क्या ही नमूना मैंने बना दिया। मैंने ऐसा तो नहीं बनाया था। पता नहीं इसने अपने आपको कैसा बना लिया। कुल मिलाकर सबके पास एक नाक का गणित सही है। न किसी के पास कम न किसी के पास ज्यादा समानता का भाव रहता है। वैसे भी इंसान के नाक का काम ही क्या है थोड़ा बहुत इधर-उधर का सूंघना और मुफ्त का भगवान का दिया ऑक्सीजन पीकर खुश रहना है। मुफ्त के ऑक्सीजन से याद आया गनीमत है कि भगवान ने ऑक्सीजन सबको मुफ्त में दिया है। अगर इसको भी खरीदना पड़ता तो। तब तो भगवान ही मालिक था। पक्का इंसान के जान के लाले पड़ जाते। धरती पर जीवन भी लग्जरी चीज के श्रेणी में आ जाता। लग्जरी चीज आम आदमी के बस की बात नहीं है।

रेखा शाह
बलिया

अगर आपको नहीं विश्वास है तो कभी अस्पताल में ऑक्सीजन का भाव मालूम कर लीजिएगा। दिन में तारे नजर आने लगेंगे। चार दिन में आदमी का घर बार बेचने की नौबत आ जाती है। या तो आदमी नारायण के पास पहुंच जाता है। या दरिद्र नारायण हो जाता है। इसलिए भगवान का शुक्र मनाइए कि यह मुफ्त में मिलता है। वरना आदमी सोचने लगता है कि आखिर वह जिंदा क्यों है? दिन-रात अपनी सांसों का गुणा गणित लगाता रहता। उसके बाद उसको अपनी ही नाक भारी लगती है और मृत्यु सस्ती आसान लगने लगती है। जल्द से जल्द अस्पताल की ऑक्सीजन पीने वाली नाक से पीछा छुड़ाना चाहता हैं, लेकिन आप भी जानते हैं कि एक बार कचहरी, थाना और डॉक्टर तीनों से से किसी एक से भी भेंट हो जाए तो जिंदगी में जितने भी नकारात्मक ग्रह है राहु-केतु-शनि सबकी महादशा लग जाती है। इंसान खत्म हो जाएंगे, लेकिन इंसान के ऊपर से इनका प्रभाव खत्म नहीं होगा। गनीमत है की नाक बस नाक होती है। आंख नहीं होती है कि उसके बिना कुछ दिखाई न दे। हम इधर-उधर टकराकर अपना सिर फोड़ ले। वैसे भी जनता की नाक सिर्फ हवा पीने के लिए होती है। उसका और कोई भी काम नहीं होता है। गरीब आदमी के पास इतना टाइम नहीं होता है कि वह सुंघकर खाए और सुंघकर पिए, जो मिल जाए सो मिल जाए वही उसका भाग्य होता है।

आम आदमी बेवजह कहीं पर भी अपना नाक नहीं घुसेड़ देता है। आम आदमी की नाक चुपचाप उसके चेहरे पर अपनी जगह पर पड़ी रहती है। बिल्कुल उपराष्ट्रपति की तरह वह फ्रेम में भी रहता है, लेकिन उसका बहुत ज्यादा इस्तेमाल भी नहीं रहता है। आम आदमी के नाक और नेताजी के नाक में बहुत फर्क है। नेताजी की नाक बहुत खास होती है। उनकी नाक के हजारों नखरे होते हैं। एकदम नई नवली शहरी दुल्हन के जैसे नखरे होते हैं। जनता गांव के गाय पति जैसा होती है। जो चुपचाप उसकी सेवा टहल में लगी रहती है।

आम आदमी जहां अपनी नाक को खुद संभाल लेता है। वहीं पर नेताजी की नाक संभालने के लिए पूरा सिस्टम लगाना पड़ता है। लाखों करोड़ों खर्च करने पड़ते हैं। यह अलग बात है कि वह लाखों-करोड़ जनता की जेब से निकलते हैं। खुद की जेब से निकलते तो उनकी नाक के भी इतने नखरे नहीं होते, लेकिन सरकारी चंदन कर अभिनंदन वाला हाल होता है।

नेताजी की नाक चुनाव आने पर अप्रत्याशित रूप से 2 इंच बढ़ जाती। मानो जनता की समस्या सुन लेने का अत्याधुनिक सेंसर लगा हो, लेकिन जैसे ही वोट मिल जाता है। वैसे ही नेताजी के नाक को भयंकर सर्दी-जुखाम हो जाता है। फिर जनता चाहे गड्ढे में जाए या सड़क पर गड्ढे हो जाए। नेता जी की नाक नहीं खुलती है। न ही कुछ सुंघाई देता है। नेताजी के नाक की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह दूर से ही लाभ और नुकसान की गंध पहचानने की क्षमता रखती है। अगर कहीं सत्ता की मलाई पक रही है, तो उनकी नाक बिना गूगल मैप्स के भी सीधे पहुंच जाती है। अगर कहीं जनता का दुख-दर्द पक रहा है तो उनकी नाक को फटाफट एलर्जी होने लगती है। वह वहां से फटाफट निकल जाते हैं।

नेताजी की नाक पिनोकियो की नाक की दूर की रिश्तेदार है। फर्क बस इतना है कि नेताजी की नाक झूठ बोलने पर लंबी नहीं होती है, बल्कि अवसर देखकर छोटी बड़ी सुविधा अनुसार होती रहती है। आखिरकार नेता जी की नाक है इतनी तो करामाती होगी ही।

नेता की नाक ही न रहे तो फिर उसको कौन पूछता है। काहे की नेतागिरी। नेताजी की सारी पूछताछ और रुतबा सम्मान उनके नाक से ही होती है, जितनी बड़ी ऊंची नाक उतना ही रोब दाब रुआब रहता है। ऐसा नेताजी जन्म से जानते हैं। इसीलिए वह अपनी नाक का विशेष देखभाल करते ख्याल रखते हैं। जब बात उनकी नाक पर आती है तो फिर किसी का ख्याल नहीं रखते हैं। उनके लिए सर्वेसर्वा प्रथम उनकी नाक ही है।

इसीलिए कभी किसी नेता जी का खास बनने का भ्रम मत पालिए। न ही कभी किसी नेताजी के नाक से टकराने की कोशिश कीजिए। क्योंकि वह जीतने के लिए अपनी एड़ी चोटी का जोड़ लगा देंगे। आपको मुंह की खानी पड़ जाएगी। इतना खास होने के बावजूद भी नेताजी की नाक पर अक्सर मुसीबत आती ही रहती है। जब वह किसी जोर-जोर से रैली का आयोजन करें। लाखों करोड़ों लगाकर प्रिंट मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक उसका प्रचार प्रसार करें। उसके बावजूद भी रैली में इंसान तो दूर की बात है। कोई कुत्ते का बच्चा भी नहीं पहुंचे। नेताजी की नाक कटकर लटक जाती है। नाक से ज्यादा नेताजी का मुंह लटक जाता है। नेताजी की नाक तब भी खतरे में आ जाती है। जब वह कहीं जाए और मंच पर उनका ढंग से फूल मालाओं से स्वागत नहीं किया जाए। या कहीं की जनता उन्हें ढंग से भाव न दे। बड़ी-बड़ी चीजों के संग ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं तो आप ज्यादा परेशान मत होइए। नेताजी अपनी नाक संभालने में बिल्कुल सक्षम इंसान है। आप तो बस अपना देखिए उनकी नाक की चिंता करना छोड़ दीजिए।

सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रतीक बनीं निशी

"सौंदर्य सिर्फ रूप में नहीं, आत्मा और कर्म में झलकता है।" भारत की धरती ने अनेक रत्न दिए हैं, लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी आभा सीमाओं से परे जाकर पूरी दुनिया को रोशन करती है। ऐसा ही नाम है निशी रस्तोगी (अधिरा बल्लभ)। वह बिजनेस लीडर के साथ-साथ लेखिका और भरतनाट्यम परफॉर्मर, कोरियोग्राफर, जूरी मेंबर और ग्लोबल आइकॉन हैं, उनके व्यक्तित्व को महत्वपूर्ण बनता है, जो इस बात का प्रमाण है कि जुनून और मेहनत से हर सपना साकार होता है। उनका कहना है कि "सपनों को साकार करने के लिए मेहनत ही नहीं, बल्कि जुनून और विश्वास भी जरूरी है।" आज वे युवाओं और विशेषकर महिलाओं के लिए सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता की प्रतीक बन चुकी हैं। उनकी सुंदरता, कला और उपलब्धियां उन्हें केवल एक शख्सियत नहीं, बल्कि एक ब्रांड, एक प्रेरणा और भविष्य की ग्लोबल आइकॉन हैं। -*फीचर डेस्क*

निशी रस्तोगी का जन्म लखनऊ में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी लखनऊ में ही हुई। उन्हें बचपन से ही नृत्य में गहरी रुचि थी, जिसे उनकी मां, सरिता रस्तोगी ने पहचाना और उन्होंने भरतनाट्यम की शुरुआती शिक्षा दी। भरतनाट्यम के प्रति समर्पण के चलते निशी ने भारतखंडे में कुमारी लक्ष्मी श्रीवास्तव से नृत्य की शैली सीखी, इसके बाद उन्होंने बनारस के गुरु प्रेमचंद से भरतनाट्यम की रचनात्मक शैली का प्रशिक्षण प्राप्त किया। लखनऊ में यतेन्द्र चतुर्वेदी से उन्हें भरतनाट्यम और कोरियोग्राफी सीखने का अवसर मिला। भरतनाट्यम के प्रति गहरी रुचि और अनुशासन के चलते उन्होंने कई महान गुरुजनों से मार्गदर्शन लिया, जिनमें कुमारी लक्ष्मी श्रीवास्तव, इंदुमति रामन (मुंबई), स्वर्गीय मति सरोजा वैद्यनाथन और सोनल मानसिंह शामिल हैं। इन गुरुओं के मार्गदर्शन में भरतनाट्यम शैली की बारीकियां सीखीं और उसे और गहराई से समझा। वह शुरू से ही पारिवारिक पृष्ठभूमि से व्यावसायिक रही, जिससे बचपन से ही उन्हें व्यवसाय में रुचि रही। इसके साथ ही, लेखन का हुनर भी उन्हें भगवान द्वारा दिया गया उपहार माना जा सकता है।

शिक्षा और सामाजिक कार्य के साथ उन्होंने मास कम्युनिकेशन में मास्टर डिग्री प्राप्त की। दिल्ली में रहते हुए, उन्होंने भरतनाट्यम की कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक किया और उसे सिखाया। कोविड के दौरान निशी (अधिरा) लखनऊ वापस आईं और यहां लोगों की मदद में सक्रिय हुईं। उन्होंने भोजन, राशन और दवाईयां जरूरतमंदों तक पहुंचाई।

बिजनेस और लेखन की दुनिया-डोरे ऊफी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर के रूप में ऊफी पैकेजिंग ड्रिंकिंग वाटर को एक सफल ब्रांड बनाया। साथ ही किताब "शुक्रिया जिंदगी" की लेखिका, जिसने पाठकों के दिलों को गहराई से छुआ।

सुंदरता और करिश्मा

- भारत गौरव निशी रस्तोगी (अधिरा बल्लभ) की सुंदरता केवल चेहरे तक सीमित नहीं, बल्कि उनके विचारों की गहराई, आत्मविश्वास और मुस्कान की आभा में झलकती है। मंच पर उनकी मौजूदगी हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देती है। पैसिफिक क्वीन ऑफ डायमंड अवार्ड 2015 (सिंगापुर) उनकी ग्लोबल खूबसूरती की पहचान है। साथ ही मिस फोटोजेनिक उत्तर प्रदेश का खिताब उनकी करिश्माई पर्सनालिटी और आकर्षक आभा का सबूत है। वे सचमुच-बुद्धि से सौंदर्य, शक्ति से तुष्टि की जीती-जागती मिसाल हैं।

कला और संस्कृति की साधिका

बॉलीवुड फिल्म "मिस टनकपुर हाजिर हो" में कोरियोग्राफर के रूप एड्वरटाइज, टीवी शो और फ्लेम ऑफ इंडिया डांस शो में सक्रिय उपस्थिति रही। इसके साथ मेगा शो "झूमे नाचे गाए" में बतौर जूरी/जज किया। भरतनाट्यम और मंचीय प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया।

जूरी व गेस्ट ऑफ ऑनर और बॉलीवुड की प्रतिभा भारत की ब्यूटी क्वीन प्रतियोगिता का अद्भुत चेहरा, राइजिंग स्टार डांस रियलिटी टीवी शो लखनऊ, झूमे नाचे गाए (टीवी चैनल) व हर मंच पर उनकी गरिमामयी मौजूदगी ने शो की प्रतिष्ठा को और ऊंचा किया।

सम्मान और उपलब्धियां

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

- गोल्डन फीनिक्स अवॉर्ड (मलेशिया, 2015)
- पेसिफिक क्वीन ऑफ डायमंड अवॉर्ड (सिंगापुर, 2015)
- एक्वामरीन क्वीन ऑफ डायमंड अवॉर्ड (सिंगापुर, 2015)
- वर्ल्ड पीस सर्टिफिकेट (इंडोनेशिया, 2015)
- डॉक्टर ऑफ लेटर्स (यू.एस.ए., 2015)

राष्ट्रीय सम्मान

- भारत गौरव अवॉर्ड (दिल्ली, 2014)
- नटराज रत्न अवॉर्ड (दिल्ली, 2017)
- कलाश्री सम्मान (दिल्ली, 2017)
- गोमती गौरव सम्मान (लखनऊ, 2016)
- प्राइड ऑफ कंट्री अवॉर्ड (2016)
- महिला गौरव अवॉर्ड (फरीदाबाद, 2015)
- राष्ट्रीय नृत्य भूषण अवॉर्ड (ओडिशा, 2014)
- भारत कला भूषण अवॉर्ड (लखनऊ, 2013)
- एकाम्रश्री अवॉर्ड (लिंगराज मंदिर, ओडिशा, 2016)
- विमेन ऑफ द फ्यूचर अवॉर्ड (जयपुर, 2017)
- विमेन रोल मॉडल अवॉर्ड (दिल्ली, 2014)
- नृत्य द्रुमा पुरस्कार (कोच्चि, 2013)
- भारत श्री सम्मान (दिल्ली, 2019)
- केसरी वुमन अवॉर्ड (दिल्ली, 2011)
- (30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड्स से अलंकृत)

मानसून में करें पैरों की खास देखभाल

मानसून को रोमांस, हरियाली, नैसर्गिक सौंदर्य तथा आनंददायक सीजन के रूप में जाना जाता है। मानसून सीजन की सबसे बड़ी मार आपके पांव को झेलनी पड़ती है। मानसून के सीजन में पांवों के देखभाल की अत्याधिक आवश्यकता होती है। आप कुछ साधारण सावधानियों तथा आयुर्वेदिक उपचारों से पांव तथा उंगलियों के संक्रमण से होने वाले रोगों से बच सकते हैं। मानसून के मौसम में अत्याधिक आर्द्रता तथा पसीने की समस्या आम देखने में मिलती है। इस मौसम में पैरों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में संक्रमण पैदा होता है, जिसमें दुर्गंध पैदा होती है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

पसीने के साथ निकलने वाले गंदे द्रव्यों को प्रतिदिन धोकर साफ करना जरूरी होता है ताकि दुर्गंध को रोका जा सके तथा पांव ताजगी तथा स्वच्छता का अहसास कर सके। सुबह नहाते समय अपने पांवों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दीजिए। पांवों को धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा उसके बाद पांव तथा उंगलियों के बीच टैलकम पाउडर का छिड़काव करें। यदि आप बंद जूते पहनाते हैं, तो जूतों के अंदर टैलकम पाउडर का छिड़काव कीजिए। बरसात के मौसम के दौरान स्लिपर तथा खुले सैंडिल पहनना ज्यादा उपयोगी साबित होता है, क्योंकि इससे पांवों में हवा का अधिकतम संचालन होता है तथा पसीने को सूखने में भी मदद मिलती है, लेकिन खुले फुटवियर की वजह से पांवों पर गंदगी तथा धूल जम जाती है, जिससे पांवों की स्वच्छता पर असर पड़ता है। दिनभर थकान के बाद घर पहुंचने पर ठंडे पानी में थोड़ा सा नमक डालकर पांवों को अच्छी तरह भिगोइए तथा उसके बाद पांवों को खुले स्थान में सूखने दीजिए। बरसात के गर्म तथा आर्द्रता भरे मौसम में पांवों की गीली त्वचा की वजह से "एथलीट फुट" नामक बीमारी पावों को घेर लेती है। यदि प्रारंभिक तौर पर इसकी उपेक्षा हो तो यह पांवों में दाद, खाज, खुजली जैसी गंभीर परेशानियों का कारण बन जाती है। "एथलीट फुट" की बीमारी फंगस संक्रमण की वजह से पैदा होती है इसलिए अगर उंगलियों में तेज खारिश पैदा हो रही हो तो तत्काल त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लीजिए।

फुट सोक बाल्टी में एक चौथाई गर्म पानी, आधा कप खुरखुरा नमक, दस बूंदें नींबू रस या संतरे का सुंगधित तेल डालिए। यदि आपके पांव में ज्यादा पसीना निकलता है तो कुछ बुंदे ट्री -आयल को मिला लीजिए, क्योंकि इसमें रोगाणु रोधक तत्व मौजूद होते हैं तथा यह पांव की बदबू को दूर करने में मदद करती है। इस मिश्रण में 10-15 मिनट तक पांवों को भीगोकर बाद में सुखा लीजिए। अगर किसी वजह से आपके पैर पूरे दिन भीगे रहे हैं तो एक टब में पानी लें और उसमें दो चम्मच नमक डाल दें। अपने पैरों को इस पानी में लगभग 20 मिनट तक रखें फिर सादे पानी से धोलें। इससे आपको जरूर राहत मिलेगी।

ड्राईनैस फुट केयर
एक बाल्टी के चौथाई हिस्से तक ठंडा पानी भरिए तथा इस पानी में दो चम्मच शहद एक चम्मच हर्बल शैंपू, एक चम्मच बादाम तेल मिलाकर इस मिश्रण में 20 मिनट तक पांव भीगोइए तथा बाद में पांव को ताजे स्वच्छ पानी से धोकर सुखा लीजिए।

फुट लोशन
3 चम्मच गुलाब जल, 2 चम्मच नीबूं जूस तथा एक चम्मच शुद्ध ग्लिसरीन का मिश्रण तैयार करके इसे पांव पर आधा घंटा तक लगाने के बाद पांव को ताजे साफ पानी से धोने के बाद सूखा लीजिए। अगर पैर बहुत गीले हो गए हों तो गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर कुछ देर पैरों को डुबोएं।

इस बीमारी के प्रारंभिक दौर में एंटी फंगल दवाइयां काफी प्रभावी साबित होती हैं।

बारिश के मौसम में पैरों में फंगल इंफेक्शन हो जाता है, जिससे पैर काफी अजीब दिखने लगते हैं। इस इंफेक्शन से बचना काफी जरूरी होता है। इसलिए पैरों में टैल्कम पाउडर या एंटीफंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। यदि पैरों में बदबू आ रही है या काफी खुजली हो रही है, तब तो इसका इस्तेमाल अवश्य ही करें।

इस मौसम में जुराबें पहनने से परहेज करते हुए खुले जूते पहनें तथा पांवों को अधिकतम शुष्क रखिए। यदि जुराबें पहनना जरूरी हो तो सूती जुराबें ही पहनें। वास्तव में गर्म आर्द्रता भरे मौसम में पांवों को अधिकतम समय तक खुला रखना चाहिए। किसी भी सैलून में सप्ताह में एक बार पांवों की सफाई करवा लीजिए। इससे पांवों को आरामदेह तथा अच्छी स्थिति में रखने में मदद मिलेगी। मानसून में पांवों की देखभाल के लिए यह घरेलू उपचार भी अपनाइए जा सकते है।

मसाज आयल

100 मिली लीटर जैतून तेल, 2 बूंद नीलगिरी तेल, 2 चम्मच रोजमेरी तेल, 3 चम्मच खस या गुलाब का तेल मिलाकर इस मिश्रण को एयरटाईट गिलास जार में डाल लीजिए। इस मिश्रण को प्रतिदिन पांव की मसाज में प्रयोग कीजिए। इससे पांवों को ठंडक मिलेगी तथा यह त्वचा को सुरक्षा प्रदान करके इसे स्वास्थ्यवर्धक रखेगा। आप चाहें तो पैरों पर नारियल या जैतून का तेल लगाकर मालिश कर सकते हैं।

- घर के अंदर या बाहर नंगे पैर चलने से बचें, खासकर अगर आपको संक्रमण का खतरा है।
- बरसात के मौसम में आप अपने पैरों को साफ करके ही सोएं। याद रखें कि रात को पैर वॉश करके पैरों पर कोई मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। आप चाहें तो पैरों पर नारियल या जैतून का तेल लगाकर मालिश कर सकते हैं।
- पैरों के नाखून छोटे रखें। बड़े नाखूनों में फंसी गंदगी आपको फंगल आदि की समस्या दे सकती है।
- पैरों के छोटे नाखूनों में पैरों में गंदगी कम फंसेगी। इस मौसम में सप्ताह में दो बार नाखून काटें और साफ करें।

खाना खजाना

सेवई नूडल्स

आप एक आसान नूडल्स रेसिपी की तलाश में हैं, तो सेवई नूडल्स बेहतर विकल्प हो सकता है। यह आपके लिए एकदम सही होगा और आप इसे झटपट घर पर ही बना सकते हैं। यह लोकप्रिय सेवई उपमा का ही एक नया रूप है, जिसमें ज्यादा मसालों से बनाया जाता है। यह पारंपरिक रूप से पूरे भारत में सुबह के नाश्ते के लिए बनाई जाती है, लेकिन इसे दोपहर या रात के खाने के लिए भी एक सरल और पौष्टिक भोजन बनाया जा सकता है।

सामग्री

भरावन के लिए

- 2 कप चावल की सेवई या चावल की सेवई (इंस्टेंट वैरायटी)
- 1 मध्यम आकार का प्याज पतला कटा हुआ
- 1 छोटी गाजर पतली कटी हुई
- आधी शिमला मिर्च पतली कटी हुई
- आधा कप कटी हुई पत्ता गोभी (वैकल्पिक)
- 2 से 3 लहसुन की कलियां बारीक कटी हुईं
- 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई (वैकल्पिक)
- 2 से 3 हरे प्याज कटे हुए (सफेद और हरे भाग अलग-अलग)

सॉस और मसाले

- 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
- 1 छोटा चम्मच सिरका
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च सॉस या लाल मिर्च का पेस्ट
- 1 एक छोटा चम्मच टोमैटो केचप (थोड़ी मिठास के लिए वैकल्पिक)
- एक चौथाई छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- डेढ़ बड़े चम्मच तेल (तिल या कोई भी न्यूट्रल तेल बेहतर होगा)

बनाने की विधि सबसे पहले आप चावल की सेवई को 5 से 7 मिनट तक गर्म पानी में भिगोकर नरम होने तक पकाएं। पूरी तरह से पानी निकाल दें और ठंडा होने दें। चिपकने से बचाने के लिए आप इसमें तेल की कुछ बूंदें मिला सकते हैं।

फिर सब्जियों को भूनें इसे तेज आंच पर एक कड़ाही या चौड़े पैन में तेल गरम करें। फिर कटा हुआ लहसुन, हरी मिर्च और हरे प्याज के सफेद भाग डालें। लगभग 30 सेकंड तक भूनें। कटे हुए प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और पत्तागोभी डालें। तेज आंच पर 2 से 3 मिनट तक भूनें। बेहतर बनावट के लिए सब्जियों को थोड़ा कुरकुरा रखें।

इसके बाद इसमें सॉस और मसाले डालें आंच थोड़ी कम कर दें। सोया सॉस, चिली सॉस, विनेगर और अगर इस्तेमाल कर रहे हों तो केचप डालें। काली मिर्च और नमक छिड़कें। अच्छी तरह मिलाएं और लगभग 30 सेकंड तक चलाएं। भीगी हुई और पानी निथारी हुई सेवई को पैन में डालें।

सभी चीजों को हल्के हाथों से मिलाएं ताकि नूडल्स सॉस में अच्छी तरह लग जाएं और सब्जियों के साथ अच्छी तरह मिल जाएं। मध्यम से तेज आंच पर दो मिनट तक और भूनें। ध्यान रखें कि सेवई टूटे नहीं। हरे प्याज के हरे भाग से सजाएं। गरमागरम परोसें, अलग से या चिली विनेगर या किसी भी इंडो-चाइनीज साइड डिश के साथ परोसें।

नेशनल ब्रीफ

वैष्णो देवी यात्रा अगले सप्ताह फिर शुरू होगी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में मौसम संबंधी परामर्श की ताजा समीक्षा के बाद त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की संभावना है। वैष्णो देवी यात्रा शनिवार को लगातार 12वें दिन भी स्थगित रही। मौसम वैज्ञानिकों ने सात और आठ सितंबर को देर रात या सुबह के समय जम्मू संभाग के कुछ जिलों में मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, यात्रा फिर शुरू करने का फैसला अगले सप्ताह लिया जाएगा। हाल ही में भारी बारिश से हुए भूस्खलन के बाद, ट्रैक से मलबा हटा दिया गया है और उसे नया रूप दिया जा रहा है।

अभिनेता आशीष वारंग का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। 'सूर्यवंशी' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता आशीष वारंग का 55 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया है। अभिनेता की टीम ने उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में कहा कि अभिनेता ने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। वह बीमारी से बहादुरी से जूझ रहे थे और हृदयाघात से पीड़ित थे। वह एक तेजस्वी व्यक्ति थे जिनकी दयालुता और गर्मजोशी ने कई लोगों के जीवन को छुआ। हालांकि वे हमें छोड़कर चले गए हैं, लेकिन उनका प्यार और यादें हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी। ठाणे के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है।

पीजी परीक्षा में नाकाम चिकित्सक ने जान दी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में एक चिकित्सक ने स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सा परीक्षा में असफल होने के बाद अपने घर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात को काजी मोहम्मदपुर थानाक्षेत्र की जैतपुर स्टेट कॉलोनी में हुई। चिकित्सक ने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारी। मुजफ्फरपुर के एएसपी सुरेश कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान डॉ. आशुतोष चंद्रा के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों के अनुसार, डॉ. चंद्रा हाल ही में घोषित हुए स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा परिणाम में असफल रहने से तनाव में थे।

दिल्ली-पंजाब में बाढ़ का पानी घटा लेकिन मुसीबतें बरकरार

दिल्ली में 70 और परिवारों को राहत शिविरों में भेजा गया, जलस्तर अब भी खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है लेकिन निचले इलाकों में बाढ जैसी स्थिति बरकरार है क्योंकि जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है। इस बीच 70 और परिवारों को निचले इलाकों से निकालकर बाढ़ राहत शिविरों में भेजा गया है।

पुराने रेलवे पुल का जलस्तर कई दिनों में पहली बार 207 मीटर से नीचे गिरकर 206.36 मीटर हो गया है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आने के बाद दिल्ली में यमुना के जलस्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके चलते शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर घटकर 207 मीटर से नीचे आ गया। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि जलस्तर में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। शाम तक इसके जलस्तर में और गिरावट आने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उत्तर, उत्तर-पूर्वी, शाहदरा, पूर्वी, केंद्रीय और दक्षिण-पूर्वी जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 15 हजार लोग प्रभावित हुए हैं जिनके लिए राहत शिविर बनाये गये हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार, प्रशासन, एनडीआरएफ, जनप्रतिनिधि, नागरिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती से निपट रहे हैं तथा शीघ्र ही स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया जाएगा।

बाढ़ का परिणाम रेंगने वाले जीवों की आबादी में भरमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ का पानी बढ़ने के कारण जंगली जानवर अपने बिलों से बाहर निकल रहे हैं और रेंगने वाले जीव आबादी में नजर आने लगे हैं। मेट्रो स्टेशन से लेकर दफ्तरों और रिहायशी इलाकों तक के लोग वन्यजीव बचावकर्मियों को मदद के लिए लगातार फोन कॉल कर रहे हैं। वन्यजीव संरक्षण संगठन 'वाइल्डलाइफ एसओएस' ने शुक्रवार को कहा कि मयूर विहार-1 मेट्रो स्टेशन के कर्मचारियों ने पैंट्री क्षेत्र में एक गोह (मॉनिटर छिपकली) को देखा और सहायता के लिए संपर्क किया। संगठन की 'रैपिड रिस्पॉन्स यूनिट' मौके पर पहुंची और गोह को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके बाद उसे छोड़ने की तैयारी की गई।

दिल्ली में बाढ़ शरणार्थियों के शिविर के पास मच्छरों से राहत दिलाने के लिए फॉगिंग करते नगर निगम के कर्मचारी।

हिमाचल में दो की मौत, सिरमौर में भूस्खलन, पहाड़ी का हिस्सा बहा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शनिवार सुबह भूस्खलन के कारण एक पहाड़ी का लगभग 200 मीटर हिस्सा बह गया। यह घटना नौहराधार के चोक्कर गांव में हुई, जिससे पांच घर खतरे में आ गए। इस बीच राज्य में दो लोगों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी पर मौजूद पांच लोग सुरक्षित हैं। भूस्खलन का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन लोगों का दावा है कि यह घटना जमीन के नीचे पानी का स्रोत फटने के कारण हुई। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज बहाव के साथ मलबे के बड़े-बड़े ढेर बहते नजर आ रहे हैं और स्थानीय लोग रोते-बिलखते लोगों से वहां से दूर रहने की गुहार लगा रहे हैं। राज्य के कई हिस्सों में 20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 133 बड़े भूस्खलन, 95 अचानक बाढ़ और 45 बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनसे भारी तबाही हुई है। मौसम विभाग ने अगले छह दिन राज्यभर में मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। उना और बिलासपुर में भारी बारिश, तूफान और बिजली गिरने का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

- मौसम विभाग का अगले छह दिन और लगातार बारिश का अनुमान

मूसलाधार बारिश से मरम्मत कार्य रुका, 270 किमी लंबा जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पांचवें दिन भी बंद

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल करने का भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का प्रयास शनिवार तड़के हुई भारी बारिश के कारण बाधित हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 270 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग लगातार पांचवें दिन भी बंद रहा।

एनएचएआई के रामबन सेक्टर के परियोजना प्रबंधक शुभम ने कहा कि उधमपुर जिले के थार्ड में पहाड़ी के नीचे दबे राजमार्ग के 250 मीटर हिस्से को साफ करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया, शुक्रवार को दिन में जो कुछ भी कामयाबी मिली, सुबह आधे घंटे की भारी बारिश से उस पर पानी फिर गया, हमने लोगों और मशीनरी को जुटाया है और जल्द से जल्द मुख्य सड़क को खोलने के लिए नए सिरे से काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि आज रात या कल सुबह तक सड़क साफ हो जाएगी।

- उधमपुर के थार्ड में पहाड़ी के नीचे दब गया है राजमार्ग का 250 मीटर का हिस्सा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

सिरोही: एसडीआरएफ ने बाढ़ में फंसे 290 श्रद्धालुओं को बचाया

सिरोही। राजस्थान में एसडीआरएफ ने शनिवार को भारी बारिश के कारण मातर माता मंदिर में फंसे 290 श्रद्धालुओं को बचाया। एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ के दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी दर्शनार्थियों को सुरक्षित निकाल लिया। उन्होंने बताया कि दोपहर साढ़े 12 बजे सिरोही पुलिस कंट्रोल रूम ने एसडीआरएफ कंट्रोल रूम को सूचना दी कि मातर माता मंदिर के पास पहाड़ी से आने वाले पानी का बहाव इतना तेज है कि श्रद्धालुओं के लिए मंदिर से बाहर निकलना नामुमकिन हो गया है। एसडीआरएफ के दल ने सीधा पहाड़ी से रस्सी की मदद से लोगों को नीचे उतारने का फैसला किया।

अमृतसर : बाढ़ के पानी में डूबे इलाके में गश्त करते बचाव दल के जवान।

पंजाब 46 हुई मृतकों की संख्या, 1.75 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद

चंडीगढ़। पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ, सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बाढ़ को पांच दशकों में सबसे भीषण बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में लगातार हुई बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे सभी जिलों के लगभग 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं। ताजा बुलेटिन के अनुसार, 3.87 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 46 मौतों की पुष्टि हुई है।

राहत सामग्री के लिए धन्यवाद अदा करती महिला।

सेना का एकीकरण होना निश्चित, लेकिन कितना समय लगेगा यह कहना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि थल सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं का एकीकरण निश्चित रूप से होगा लेकिन इसमें कितना वक्त लगेगा इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि यदि किसी को कई एजेंसियों के साथ तालमेल बैठाना हो तो एकीकरण ही इसका समाधान है। द्विवेदी ने यहां मानेकशॉ सेंटर में 'ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' नामक पुस्तक के विमोचन के बाद मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की। हाल ही में प्रस्तावित कदम पर अलग-अलग विचार सामने आने के बाद, उनसे एकीकरण पर उनके रुख के बारे में पूछा गया था।

सेना प्रमुख ने कहा, एकीकरण आज नहीं तो कल होगा। हमें बस यह देखना है कि इसमें कितना समय लगता है। इसके लिए हमें कुछ कदम उठाने होंगे, जिसमें एकजुटता और तालमेल शामिल है। इसके लिए कई चीजों पर चर्चा करने की जरूरत है।

- जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, यही तालमेल बैठाने का एक समाधान

उन्होंने यह भी बताया कि एकीकरण क्यों आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'जब हम कोई युद्ध लड़ते हैं, तो सेना अकेले नहीं लड़ती। हमारे साथ बीएसएफ और आईटीबीपी होती है। फिर तीनों सेनाएं होती हैं, रक्षा साइबर एजेंसियां, रक्षा अंतरिक्ष एजेंसियां होती हैं, और अब हम संज्ञानात्मक युद्ध एजेंसियों की भी बात कर रहे हैं। इसके अलावा इसरो, सिविल डिफेंस, नागरिक उड्डयन, रेलवे, एनसीसी, राज्य और केंद्र सरकार की प्रशासनिक एजेंसियां भी इस पूरे तंत्र का हिस्सा होती हैं।

पश्चिम बंगाल में बच्चे का शव मिलने के बाद भीड़ के हमले में दो की मौत

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के निश्चिंतपुर इलाके में एक बच्चे का शव मिलने के बाद शनिवार सुबह इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया और भीड़ ने एक दंपती को बच्चे की मौत में शामिल होने के आरोप में पीट पीट कर मार डाला।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने कक्षा तीन के छात्र की हत्या के आरोपी दंपती की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि लड़का स्वर्णाभ मंडल शुक्रवार दोपहर से लापता था और आज सुबह उसका शव पास के एक तालाब में मिला। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, लड़के का शव एक तिरपाल में लिपटा हुआ था। मृतक बच्चे के परिवार वालों ने बच्चे की हत्या का आरोप दंपती पर लगाया।

लड़के के परिजन समेत भीड़ ने आरोपी के घर पर धावा बोल दिया, तोड़फोड़ की और दम्पति पर हमला किया। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया, शुरुआती जांच में पता चला है कि लड़का शुक्रवार अपराह्न करीब तीन बजे इलाके के एक मैदान में खेलने के लिए घर से निकला था। जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

- परिजनों ने दंपती पर लगाया था बच्चे की हत्या का आरोप

अडाणी के खिलाफ अपमानजनक सामग्री के प्रकाशन पर रोक

नई दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को कुछ पत्रकारों और अन्य लोगों को फर्म के खिलाफ असत्यापित अपमानजनक सामग्री प्रकाशित करने से रोक दिया।

अदालत ने एक अंतरिम आदेश में पत्रकारों और विदेश से जुड़े गैर सरकारी संगठनों को लेखों और सोशल मीडिया पर प्रकाशित की गई फर्म के खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने का भी निर्देश दिया। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश अनुज कुमार सिंह वादी के एक मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 'परंजॉय डॉट इन', 'अदाणीवाच डॉट ऑर्ग' और 'अदाणीफाइल्स डॉट कॉम डॉट एयू' पर प्रकाशित पोस्ट और वीडियो का मकसद व्यावसायिक समूह की प्रतिष्ठा को धूमिल करना करना था। इस मामले में प्रतिवादी परंजॉय गुहा ठाकुरता, रवि नायर, अबीर दासगुप्ता, अयास्कंत दास, आयुष जोशी, बॉब ब्राउन फाउंडेशन, ड्रीमस्केप नेटवर्क इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, गेटअप लिमिटेड, डोमेन डायरेक्टर्स और जॉन डो हैं।

राहुल की नागरिकता पर हाईकोर्ट जाने वाले शख्स को ईडी ने तलब किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के उस भाजपा कार्यकर्ता को तलब किया है, जिसने राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने का दावा करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। व्यक्ति की पहचान एस. विग्नेश शिशिर के रूप में हुई है। उन्हें नौ सितंबर को केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है।

ईडी सूत्रों ने बताया कि शिशिर से मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत मामले से संबंधित सभी साक्ष्य और दस्तावेज के साथ पेश होने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि इन आरोपों की जांच की जा रही है। फेमा के तहत ईडी व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों की जांच करता है। जब इस मामले पर कांग्रेस पार्टी से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उसने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका में शिशिर ने दावा किया था कि उनके पास ब्रिटिश सरकार के कुछ दस्तावेज और ईमेल हैं, जो यह साबित करते हैं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ब्रिटेन के नागरिक हैं और इस कारण भारत में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 30 अगस्त को केंद्र को आदेश दिया था कि शिशिर को 24 घंटे सुरक्षा प्रदान की जाए।

न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने भाजपा कार्यकर्ता द्वारा दायर एक रिट याचिका पर यह आदेश पारित किया। अपने अंतरिम आदेश में पीठ ने कहा, हम संतुष्ट हैं कि यह मामला विचार योग्य है क्योंकि याचिकाकर्ता ने एक बेहद प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ मामला दायर किया है और लगातार धमकियों का सामना कर रहा है तथा नोटिस के अनुपालन में उन्हें रायबरेली जिले के कोतवाली थाने में जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना पड़ रहा है।

- भाजपा कार्यकर्ता पर फेमा के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप

केरल के मंदिर में पुष्प रंगोली बनाने पर आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों पर मामला दर्ज

कोल्लम, एजेंसी

ओणम उत्सव के दौरान कोल्लम जिले के एक मंदिर में पुष्पों की रंगोली बनाने के आरोप में आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मंदिर समिति द्वारा इसे केरल उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन बताए जाने के बाद इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया।

हालांकि, भाजपा ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और दावा किया कि मुथुपिलक्कड़ स्थित पार्थसारथी मंदिर में बनायी गयी रंगोली 'ऑपरेशन सिंदूर' के सम्मान में थी। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी अशोकन सी. ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 223 (लोक सेवकों द्वारा वैध रूप से जारी आदेशों की अवहेलना), 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसावे की कार्रवाई) और 3(5) (कई लोगों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया है।

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने मंदिर के मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के झंडे का चित्रण करने वाली पुष्प रंगोली बनायी थी जो उच्च न्यायालय के उस आदेश का उल्लंघन था जिसमें समिति की अनुमति के बिना मंदिर परिसर में 'फ्लेक्स बोर्ड' सहित किसी भी प्रकार की सजावट पर प्रतिबंध लगाया गया है। मंदिर से 50 मीटर की दूरी पर छत्रपति शिवाजी का एक 'फ्लेक्स बोर्ड' भी लगाया गया था। कथित तौर पर इस कृत्य का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के बीच हिंसा भड़काना था।

- मंदिर समिति का हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप

मंदिर समिति के सदस्य मोहनन ने बताया कि त्योहारों के दौरान मंदिर के पास झंडा लगाने को लेकर पहले भी कई बार झड़पें होती रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसे टकरावों से बचने के लिए, हमने उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसने 2023 में मंदिर परिसर के पास झंडे सहित किसी भी सजावटी सामान पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बावजूद यहां रंगोली बनाई गई।

मोदी के स्वागत के लिए मणिपुर में सौंदर्यीकरण अभियान

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा होने की संभावना के मद्देनजर राज्य सरकार इंफाल और चुराचांदपुर में मलबा हटाने, दीवारों का रंग-रोगन करने के साथ ही सड़कों की मरम्मत कर रही है।

प्रधानमंत्री की यात्रा स्थल मणिपुर में सत्ता का प्राचीन केंद्र कांगला होगा और सरकार लगभग 15,000 आगंतुकों के लिए व्यवस्थायें कर रही है। कांगला स्थित मानुंग कांगजेइबुंग (पोलो मैदान) पहले भी कई प्रधानमंत्रियों की मेजबानी कर चुका है। चुराचांदपुर स्थित शांति मैदान जहां प्रधानमंत्री के सबसे पहले उतरने की उम्मीद है, वहां लोगों के बैठने की क्षमता लगभग 9,000 है और प्रधानमंत्री का यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि तीन मई 2024 को मणिपुर संकट इसी जिले से शुरू हुआ था। अधिकारियों ने कहा कि ब्लू बुक के अनुसार सभी व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई हैं, जिनमें जैमर लगाना, सेनिटाइजेशन करना और कांगला तथा चुराचंदपुर में मार्ग तथा समारोह स्थल की जांच करना शामिल है।

वक्तव्य | सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा- कानून का शासन सुशासन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता

बिना भय कानून का शासन लागू करना न्यायालयों का कर्तव्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बी वी नागरत्ना ने शनिवार को कहा कि यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित रखना है तो अदालतों का कर्तव्य है कि वे इसे बिना किसी भय या पक्षपात के लागू करें।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि कानून केवल नियमों के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के संबंध में है कि प्रत्येक व्यक्ति धन, स्थिति, जाति, लिंग या आस्था की परवाह किए बिना कानून के समक्ष एक समान विषय के रूप में माना जाए। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशा बदलाव का एक माध्यम है, विशेष रूप से भारतीय समाज में जहां गहरी असमानताएं बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, एक लोकतंत्र में, जहां कानून का शासन उसका सार है, उसे संरक्षित और लागू किया जाना चाहिए, विशेष रूप से न्यायालयों द्वारा।

संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात कर नागरिक ढांचे के निर्माण में भूमिका निभाएं

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, अक्सर, कानून को एक ऐसे किले के रूप में देखा जाता है जिस तक केवल ताकतवर लोग ही पहुंच सकते हैं। लेकिन आपके हाथों में, इसे एक सेतु बनना होगा अधिकारों और उपायों के बीच, संविधान और नागरिकों के बीच, न्याय और जनता के बीच एक सेतु। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, याद रखें, कानून सभी का है, लेकिन हर कोई इसका उपयोग नहीं कर सकता। आप वह अंतर पैदा कर सकते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि इस पहुंच से वंचित न रहा जाए। युवा विधि छात्रों को सलाह देते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि संविधान के संरक्षक के रूप में भारत की सही दिशा में प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है जब वकील वाणिज्य की स्थिति को सुगम बनाएं, समुदाय में विश्वास निर्माण को सक्षम बनाएं और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए नागरिक ढांचे के निर्माण में अपनी उचित भूमिका निभाएं।

यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित किया जाना है, तो न्यायालयों का यह कर्तव्य है कि वे उसे बिना किसी भय या पक्षपात, स्नेह या द्वेष के लागू करें।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, कानून का शासन सुशासन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है, क्योंकि भारत में एक स्वतंत्र न्यायपालिका है, जो अन्य बातों के अलावा, एक स्वतंत्र बार के समर्थन और सहायता के कारण कायम है। उन्होंने कहा कि संविधान को उसकी पूरी उदारता और अच्छे इरादों के साथ लागू करने की जिम्मेदारी केवल सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों की ही नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी प्रत्येक वकील की है, जिसे संविधान का समर्थक होना चाहिए।

केरल में तेजाब हमले में दो नाबालिग लड़कियां झुलसीं

कासरगोड। उत्तरी केरल के कासरगोड जिले के पनाथाडी गांव में दो नाबालिग लड़कियां उस समय झुलस गईं, जब उनमें से एक के पिता ने उन पर तेजाब डाल दिया।

पुलिस ने बताया कि राजापुरम पुलिस ने कर्नाटक के दक्षिण कन्नड के करिके निवासी मनोज के सी (48) के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे हुई जब मनोज पनाथाडी गांव के परकादावु में अपने साले के घर पहुंचा। मनोज और उसकी पत्नी के बीच अनबन रहती थी इसलिए वह पति का घर छोड़कर अपने भाई के घर आ गई थी।

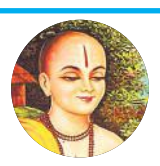

जे न मित्र दुख होहिं दुखारी। तिन्हहि बिलोकत पातक भारी॥
निज दुख गिरि सम रज करि जाना। मित्रक दुख रज मेरु समाना॥

रामचरित मानस में भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता के संदर्भ में यह चौपाई बताती है कि मित्रता निभाने वाले की भगवान भी सहायता करते हैं। जो लोग दूसरों के दुख को देखकर दुखी नहीं होते और उनकी मदद नहीं करते, ऐसे लोगों को देखने से भी पाप लग जाता है। जो अपने दुख भूलकर दूसरों की सहायता करते हैं, ईश्वर स्वयं उसकी मदद करते हैं।

वृक्षों की सांस्कृतिक अवधारणा और सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सर्वोच्च न्यायालय ने पेड़ों की अवैध कटान पर तीखी टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा, "प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटान हुई है।" कोर्ट ने केंद्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब राज्यों से तीन हफ्तों में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा है, "पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई दिखाई पड़ती है।" कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, "वह इसकी जांच करें। इसके लिए जो कुछ भी जरूरी हो, किया जाना चाहिए।"

पेड़ कटानों का परिणाम देश के लिए घातक होता है। वृक्षों से वर्षा होती है। कटान से ऋतु चक्र गड़बड़ाता है। विश्व बैंक की 'दक्षिण एशियाई हॉटस्पॉट-तापमान के प्रभाव और जीवन स्तर का परिवर्तन' शीर्षक से रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन् 2050 तक भारत की जीडीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष-वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी ऋतु चक्र को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। इसी अव्यवस्था के चलते उत्तराखंड सहित देश के अन्य राज्यों में भूस्खलन, बादल फटने की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। तूफान और बाढ़ आती है। भारत की अधिकांश नदियां जलहीन हो रही हैं। ऋतु परिवर्तन का चक्र गड़बड़ा गया है। इसका असर पशु-पक्षियों पर भी पड़ा है।

सन् 2000 में पेरिस में 'अर्थ कमीशन' ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे। ऐसी बैठकें लगातार होती रहीं। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। पर्यावरण इन लक्ष्यों में खासा महत्व रखता है। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर बढ़-चढ़कर काम किया है। पेट्रोल-डीजल का उपयोग घटाने के प्रयास हुए हैं। विद्युत चालित वाहन बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी ठोस परिणाम नहीं आए हैं। सभ्यता के विकास में शुरुआत में पेड़-पौधे ही हमारे संरक्षक और विधाता थे। हम

> पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों-वनस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है- "पृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।"

उनको प्रणाम करते थे। पानी देते थे। वैदिक काल से ही पेड़-पौधों को प्रेम करने वाली संस्कृति प्रवाहमान है। वैदिक काल के बाद का चरण हड़प्पा सभ्यता है। यह खूबसूरत नगरीय सभ्यता थी। आजादी के बाद में नगरों-महानगरों का अराजक विकास हुआ। नगर क्षेत्र विस्तार की नीति पेड़-पौधों को आत्मीय समझने वाली होनी चाहिए।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

हम भारत के लोग वनस्पतियों में देवता देखते रहे हैं। लोक मान्यता में प्रत्येक पेड़ का एक देवता होता है। विष्णु पीपल के देवता हैं। बरगद के देवता शिव व सोम के चंद्रमा हैं। अशोक के देवता इंद्र और आदित्य हैं। आंवला के देवता विष्णु हैं। महाभारत में कथा है। कृष्ण ने एक बार पृथ्वी की पूजा की। वे समाधिष्ट हो गए। पृथ्वी स्त्री वेश में कृष्ण के सामने पहुंचीं। कृष्ण ने पृथ्वी से अभिलाषा की, "मां आप कैसे प्रसन्न होती हैं?" पृथ्वी ने कहा, "सभी जीवों को प्यार करो। पेड़-पौधों को संरक्षण दो। प्रतिदिन भोजन का एक हिस्सा अलग रख लिया करो। जीव आएंगे और प्रसन्न होंगे।"

वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथ्वी पर पेड़-पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों जीव और वनस्पतियां पृथ्वी में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथॉलजी में खूबसूरत टिप्पणी की है। ऋग्वेद के अनुसार वह वन वृक्षों का आधार हैं। वही वर्षा कराती हैं। अथर्ववेद में पृथ्वी सूक्त है। इस सूक्त में कहा गया है, "यह वनस्पतियों का आधार है। पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध वनस्पतियों में है।" पृथ्वी संसार की धारक है।

पूर्वजों का ध्यान वनस्पतियों पर था। ऋग्वेद में वनस्पतियों को देवता कहा गया है। अथर्ववेद के एक सूक्त (1.34) में ऋषियों के वनस्पति प्रेम की झांकी है। अथर्वा के सामने एक लता है। लता से कहते हैं, "आप मधुरता के साथ पैदा हुई हैं।" फिर कहते हैं, "हे लता आप मधुर हैं। हमें भी मधुर बनाएं।" समूचे वैदिक वांग्मय में वनस्पतियां छाई हुई हैं। ऋषियों ने सोम को देवता बताया है। सोम को वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है। (ऋग्वेद 9.114.2) सोम एक वनस्पति थी। इससे रस निकाला जाता था। ऋग्वेद के अनुसार सोम देवताओं को प्रिय थी। उनकी मान्यता थी कि सोम का रस पीने से अमृत्व मिल जाता है। वनस्पतियां कई तरह की हैं।

पेड़ों की कटान की तरफ सर्वोच्च न्यायालय ने देश का ध्यानाकर्षण किया है। यह बहुत उचित है। यह भारतीय जन-गण-मन का ध्यान खींचने वाला है। विकास की अंधी दौड़ में हमारी अस्मिता समाप्तप्राय हो रही है। प्राचीन संस्कृति के अनेक अवशेष आज भी हम सब का ध्यान परंपरा की ओर आकर्षित करते हैं। कोई व्यक्ति अपने फार्म हाउस में एक छोटा सा बगीचा बनाता है। उसका नाम पंचवटी रखता है। पंचवटी श्रीराम का विश्राम स्थल थी। वाल्मीकि ने रामायण में बताया है, "श्रीराम अयोध्या से पैदल चलकर प्रयागराज पहुंचे थे। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर ऋषि भारद्वाज का आश्रम था। उन्होंने श्रीराम को आते देखा। वंदना की। उस समय आश्रम के सारे पेड़ पौधे नाच रहे थे।"

अथर्ववेद के ऋषि ने देवताओं से अपने लिए घर मांगा। लगे हाथ संभावित घर का नक्शा भी बना दिया। ऋषि कहते हैं कि हमें ऐसा घर दो, जिसमें गाएं अपने बछड़े के साथ घूम भी सकें और वनस्पतियों-औषधियों के पौधे भी घर की शोभा बढ़ाएं।

बीते 30-35 वर्ष में वृक्षारोपण का काम सरकारों द्वारा किया गया है। पेड़ लगाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल प्रशंसनीय रही है। मोदी सरकार ने 'मिशन लाइफ', स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे परियोजना और राष्ट्रीय वन महोत्सव जैसी योजनाओं से पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है। पर्यावरणीय नीति 'कैमपा' के माध्यम से राज्यों को हजारों करोड़ रुपये पेड़ लगाने के लिए दिए गए। योगी आदित्यनाथ ने 2017 से रिकॉर्ड वृक्षारोपण महाअभियान चलाया। 2022 में एक ही दिन में लगभग 35 करोड़ पौधे लगाए गए। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 200 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। गंगा हरितिमा अभियान के अंतर्गत गंगा किनारे पेड़ लगाने का कार्यक्रम चलाया गया।

अग्नि पुराण में श्रीभगवान कहते हैं, "अब मैं वृक्ष प्रतिष्ठा का वर्णन करता हूं, जो भोग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। वृक्षों को सर्वो औषधि जल से लिप्त, सुगंधित चूर्ण से विभूषित तथा माला से अलंकृत करें। प्रत्येक वृक्ष का अधिवासन करें। वृक्ष के अधिवासन के समय ऋग्वेद, यजुर्वेद या सामवेद के मंत्रों से हवन करें।" वृक्ष तथा उद्यान की प्रतिष्ठा से परम सिद्धि की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों-वस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है- "पृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।"

आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ हैं लघु और कुटीर उद्योग

देश की प्रगति की ताकत ऊंची इमारतों वाले कॉरपोरेट टावरों के साथ-साथ उन कार्यशालाओं और कारखानों में भी बसती है, जहां श्रम, जिजीविषा और नवाचार मिलकर भारत का भविष्य गढ़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि यह क्षेत्र खासा व्यापक और निर्णायक हो चुका है। वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई का योगदान 30.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारत के कुल निर्यात में इनकी हिस्सेदारी 45.7 प्रतिशत है। उद्यम पोर्टल और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर मिलाकर 6.5 करोड़ इकाइयां पंजीकृत हैं। इन इकाइयों ने लगभग 28 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। यह आंकड़े केवल अर्थशास्त्र की तालिकाएं नहीं, बल्कि इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि भारत का विकास केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों की चमक पर नहीं, बल्कि करोड़ों छोटे उद्यमों की जीवटता और परिश्रम पर भी मजबूती से टिका है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा

निर्यात में इनकी उपलब्धियां किसी भी मानक से कम नहीं हैं। वर्ष 2020-21 मंक जहां 3.95 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 12.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। 2023-24 में कुल निर्यात में हिस्सेदारी 45.73 प्रतिशत रही और मई 2024 में यह 45.79 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह निरंतर वृद्धि न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन को सुदृढ़ करती है, बल्कि वैश्विक व्यापार में भारतीय लघु उद्योगों की विश्वसनीयता को भी स्थापित करती है।

> उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल पर 6.5 करोड़ इकाइयां पंजीकृत हैं। इन छोटी इकाइयों ने लगभग 28 करोड़ को रोजगार दिया है। यह आंकड़े इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि भारत का विकास केवल बड़े कॉरपोरेट की चमक पर नहीं, बल्कि करोड़ों छोटे उद्यमों की जीवटता और परिश्रम पर भी मजबूती से टिका है।

एमएसएमई की ताकत यह है कि वे केवल उत्पादन और निर्यात तक सीमित नहीं हैं। ये समाज के हर हिस्से से जुड़े हैं। गांव, कस्बे, शहर और महानगर सबकी अर्थव्यवस्था में समान रूप से योगदान करते हैं। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में वे स्थानीय संसाधनों और परंपरागत कारीगरी को नया जीवन देते हैं, तो शहरी क्षेत्रों में डिजिटलीकरण और स्टार्टअप संस्कृति को गति प्रदान करते हैं। महिलाएं और युवा इसमें उद्यमिता के नए अवसर तलाशते हैं, जबकि परंपरागत कारीगर अपनी दक्षताओं को वैश्विक बाजार तक ले जाते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कई परंपरागत व्यवसायों को दिया गया संरक्षण इस बात का प्रमाण है कि यह क्षेत्र केवल आर्थिक विकास का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और सांस्कृतिक धरोहर का भी संरक्षक है।

स्पष्ट है कि भारत का भविष्य केवल बड़े उद्योगों के विस्तार पर नहीं टिका है। आज एमएसएमई डिजिटल रूपांतरण को अपनाकर और वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलकर भारत को सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में निर्णायक योगदान दे रहे हैं। भारत की ताकत उन असंख्य छोटे उद्यमों की जीवटता में निहित है, जो हर दिन अपने साहस और कौशल से नई संभावनाएं गढ़ रहे हैं। यही उद्योग आत्मनिर्भर भारत की असली रीढ़ हैं और यही भविष्य के भारत का आत्मविश्वास।

देह नश्वर है और मृत्यु अटल सत्य

सांसारिक पंचतत्व से निर्मित स्थूल देह तो नश्वर है और मृत्यु एक अटल सत्य है, किंतु सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा का अस्तित्व किन्हीं आयामों में बना रहता है। वे अदृश्य रहकर स्वजनों के संपर्क में रहती है और बहुधा स्पष्ट संपर्क तथा मार्गदर्शन करती है। दरअसल, मृत्यु के समय आत्मा अकेले शरीर से बाहर नहीं जाती। उसके साथ सूक्ष्म शरीर भी रहता है, जिसमें 27 अवयव होते हैं। ये हैं: पंच महाभूतों यानी पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश, वायु के अपंचीकृत रूप, दसो इंद्रियां, अंतःकरण चतुष्टय यानी मन, बुद्धि चित्त और अहंकार, पंच प्राण अर्थात् प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान तथा अविद्या काम और कर्म। इसी सूक्ष्म शरीर के अंदर शरीर रहता है, जो त्रिगुणात्मक है। यानी सत, रज और तम गुणों से युक्त। इसमें ही आत्मा अकर्ता होकर विद्यमान रहती है। यही आत्मा सहित सूक्ष्म शरीर प्रेत है, जिसे 'लिंग शरीर' भी कहते हैं। यहां हम 'मिथ' की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

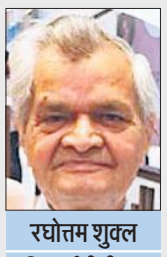

रघोत्तम शुक्ल
रिटायर्ड पीसीएस

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका मार्ग दर्शन करके हित साधन करती थी। लेखक और इतिहासकार प्लूटार्क ने उन पर लिखी पुस्तक 'जेनियोसोक्रेटिस' में ऐसी एक घटना का उल्लेख भी किया है। वह लिखते हैं, सुकरात कुछ सहयोगियों के साथ कहीं जा रहे थे। अचानक एक जगह रुककर बोले, 'अब आगे नहीं जाएंगे। मेरा डेमन रोक रहा है। साथियों ने इसे उनके मन का भ्रम बताया और उन्हें आगे चलते रहने पर मजबूर किया। आगे एक सकरे रास्ते में कुछ जंगली सुवर मिल गए और इस ग्रुप के कई लोग बुरी तरह घायल हो गए।

फ्रांस के हेनरी चतुर्थ को ऐसी ही एक आत्मा मदद करती रहती थी। उसने उन्हें सूचना दी कि आपकी हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा है। हेनरी ने अपने दरबारियों से इसका जिक्र भी किया, लेकिन लोगों ने इसे वहम कहकर नजरंदाज कर दिया। आखिरकार उनकी निर्ममतापूर्वक हत्या हो गई। कोलकाता के वकील बंकिमचंद्र चटर्जी की आत्मा जब उनकी पत्नी मग्नमयी देवी, जो योगिनी थीं, द्वारा बुलाकर वार्ता की गई, तो उसने अन्य बातों के साथ यह भी कहा कि 'अमुक दिन छोटा बेटा सुरेश जब कहीं से घर आ रहा था, तो मुझे याद करके बहुत दुखी था। मैं उसके साथ-साथ सिर पर हाथ रखे घर तक आया।

सोलहवें अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपनी हत्या की पूर्वरात्रि में स्वप्न में वह दृश्य देख लिया था, जो अगले दिन घटित हुआ। रोमन शासक जूलियस सीजर की हत्या के मुख्य कारक ब्रूटस और कैसियस थे। सीजर के समर्थकों एंटोनी और आक्टेवियस ने फिलपी के मैदान में उनसे बदला लेने के लिए युद्ध किया। युद्ध की पूर्व रात्रि जब ब्रूटस अपने शिविर में अर्द्ध निद्रावस्था में था, तो वहां सीजर की आत्मा छाया के रूप में आई। ब्रूटस ने पूछा, "कौन हो?" उत्तर मिला कि "कल फिलपी के मैदान में मिलूंगा"। उस युद्ध में ब्रूटस और कैसियस दोनों हारे और बाद में आत्महत्या कर ली।

ये कौन सी रहस्यमयी अदृश्य शक्तियों का संसार हमारे इर्द गिर्द है! पूरा पर्दा शायद कभी न उठ पाए!

भूस्खलन की नियति बनता उत्तराखंड

देवभूमि उत्तराखंड के पहाड़ अपने प्राकृतिक सौंदर्य से देश-दुनिया को आकर्षित करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश पहाड़ अब खोखले हो रहे हैं। यानी अपनी जड़ें खो रहे हैं और हर मानसून में इस अनुपम सौंदर्य के लिए 'वाटर बम' बन रहे हैं। अतिवृष्टि, बादल फटने, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं इन हरी-भरी वादियों को सदियों का दुख दे जाते हैं। हर आपदा में राज्य और केंद्र सरकार प्रभावितों की हरसंभव मदद करती है, लेकिन हमें भविष्य के खतरनाक संकेतों को समझना और संभलना होगा।

> सितंबर 1880 में शहर में हुए भूस्खलन ने अंग्रेजों को प्रकृति के संरक्षण के लिए सोचने पर विवश कर दिया था। भूस्खलन के बाद शहर बचाने को कड़े नियम बनाए गए। नालों का जाल बिछाया गया था, ताकि बारिश का पानी अपनी नियत राह पकड़ बहता चला जाए।

हिमाचल, जम्मू कश्मीर जैसे राज्य भी अतिवृष्टि से अछूते नहीं हैं, मगर उत्तराखंड इनमें सर्वाधिक संवेदनशील बनकर उभरा है। हिमाचल के साथ बादल फटने की विनाशकारी घटनाओं का केंद्र बन चुका यह राज्य, जान-माल के भारी नुकसान के साथ भीषण तबाही झेल चुका है। कुमाऊं और गढ़वाल मंडल ने बादल फटने से आई तबाही के असहनीय दर्द झेले हैं। मानसून का आखिरी सत्र सितंबर शुरू हो चुका है, जिसे कमतर नहीं आंका जा सकता।

अमित शर्मा
हल्द्वानी

राज्य में बादल फटने की प्रमुख घटनाओं का जिक्र करें तो 17 अगस्त 1998 को कुमाऊं की काली घाटी में भीषण तबाही हुई थी। 16 व 17 जून 2013 की केदारनाथ आपदा का नाम सुनकर तो कलेजा कांप जाता है। वर्ष 2004 से इस साल तक बादल फटने की 22 से ज्यादा छोटी-बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि भविष्य में इसका दायरा शीतकाल के पश्चिमी विक्षोभ के वर्षाकाल में घटने से इंकार नहीं किया जा सकता। मानसून के विदाई कालखंड को इसलिए संवेदनशील माना जा रहा है कि यह माह तापमान के लिहाज से असंतुलित रहता है। मानसून का अधिकांश पानी बरस चुका होता है, लेकिन धरातल में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी और ऊपरी वायुमंडल में तापमान में कमी बादल फटने में मददगार हो सकते हैं।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि पूर्वानुमान के लिए तकनीक विकसित करनी होगी। इसके लिए हिमालय क्षेत्र में हिमालय की डिजिटल मैपिंग, ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन का विस्तार, रोजाना बैलून विधि, सीलोमीटर, क्लियर रडार (विंड प्रोफाइलर), क्लाउड रडार, डॉपलर रडार और बादलों को हटाने वाली क्लियर टेक्नोलॉजी इजाद करनी होगी, जिससे बादल फटना ही नहीं, बल्कि अन्य आपदाओं का भी पूर्वानुमान लगाना आसान हो जाएगा। विदेशों में ये तकनीक विकसित हो चुकी हैं।

कुमाऊं और गढ़वाल मंडल का वातावरण और भौगोलिक परिस्थितियां लगभग एक जैसी हैं। यह दोनों क्षेत्र हिमालय से सटे हैं। हिमालय की जलवायु के इन दोनों मंडलों को प्रभावित करने से इन दोनों ही क्षेत्रों में एकसमान आपदाएं आती हैं। कुमाऊं के पहाड़ शांत और शर्मीले हैं, तो गढ़वाल क्षेत्र में कुमाऊं की तुलना में अधिक ऊंचे और खड़े पहाड़ हैं, जो बादलों को रोकने में अधिक सहायक होते हैं और बादल फटने की घटनाओं को जन्म देते हैं।

नैनीताल भूस्खलन से सबक लेने का जीता जागता उदाहरण है। सितंबर 1880 में शहर में हुए भूस्खलन ने अंग्रेजों को प्रकृति के संरक्षण के लिए सोचने को विवश कर दिया था। उस भूस्खलन में 151 लोग दफन हो गए थे। हालांकि पहला दर्ज भूस्खलन 1866 में हुआ था। 1879 में भी आल्मा हिल में एक बड़ा भूस्खलन हुआ था, तब जाकर अंग्रेज प्रशासक प्रकृति के पालनहार बने थे। भूस्खलन के बाद शहर बचाने को कड़े नियम बनाए गए, जो अब फाइलों में दफन होकर रह गए हैं। नालों का जाल बिछाया गया था, ताकि बारिश का पानी अपनी नियत राह पकड़ बहता चला जाए। सड़कों के नीचे बनाए गए कलमठ तेज बारिश में सड़कों और पहाड़ों के सुरक्षा कवच का काम करते थे। वर्तमान में ये अधिकांश कलमठ अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं या दम तोड़ गए हैं।

इतिहासकार व पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत कहते हैं कि नैनीताल समेत पर्वतीय क्षेत्रों के पहाड़ों के दरकने की रफ्तार तेज हो चली है। दो दशक पहले तक हालात सामान्य थे, मगर बेतरतीब विकास ने यहां की आबो-हवा के साथ पर्यावरण का सुखचैन छीन लिया है। अभी भी समय है चेतने का, शासन, प्रशासन के साथ आमजन को भी पर्यावरण के प्रति सजग रहना होगा। तभी हम पहाड़ों को बचा पाएंगे।

जब बोया पेड़ बबूल का तो फिर आम कहां से होय!

चाहता हर कोई है कि वह धन-धान्य से परिपूर्ण रहे। समाज में खूब प्रतिष्ठा हो तथा घर भी सुकून भरा हो, लेकिन चाहने मात्र से कोई काम तो हो नहीं सकता। हम कुछ करें भी नहीं। पूरे-पूरे दिन मौज में डूबे रहें, तो आसमान से पैसा टपकेगा नहीं कि सुबह सो के उठे और छत पर गए, बटोर लिए पैसे। ऐसे ही समाज में इज्जत के लिए आसपास पड़ोस के लोगों से कहें कि वे हमें साहब, हुजूर, मालिक कहें तथा देख के खड़े हो जाएं, जबकि काम तो ठीक इसके विपरीत करते रहे। हमेशा एक-दूसरे की चुगली की। सोचा था कि आसपास के लोग आपस में लड़ते रहेंगे तो सभी लोग हमें सलामी ठोकते रहेंगे। अब घर की बात की जाए तो पारिवारिक दायित्वों से हमेशा दूर रहकर घर में खुशहाली की कल्पना कहां तक सार्थक है?

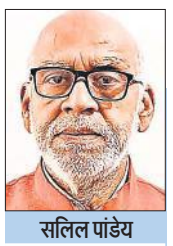

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

मतलब यही निकलता है कि हर मोर्चे पर हम नकारात्मक जीवन जीते रहे और परिणाम सार्थक तथा सकारात्मकता की चाहते रहे, जबकि कहावत है कि 'बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से होय?' आम खाने के लिए आम का ही बीज बोना पड़ेगा। इसके लिए सबसे पहली शुरुआत घर से नहीं, बल्कि बाहर से करनी पड़ेगी। जब हम घर के बाहर के लोगों को बेइज्जत करते रहेंगे, लोगों को परेशान करते रहेंगे तो वही रवैया घर में भी अपनाएंगे, क्योंकि बाहर के लोगों के साथ किया जाने वाला आचरण कुछ दिनों में आदत बन जाती है।

इंसान के सामने सबसे बड़ा संकट बाहर की गुलामी नहीं, बल्कि खुद की आदतों की गुलामी ज्यादा कष्ट देती है, जबकि इसके विपरीत हम यह सोचें कि हम प्रसन्नता चाहते हैं तो आसपास पड़ोस के लोग भी तो प्रसन्नता चाहते होंगे। ऐसा तो कोई मिलेगा नहीं जो कहे, हम दुःखी रहना चाहते हैं। सीधा फार्मूला है कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। आसपास पड़ोस के लोगों को एक-एक कर तंग किया है, मित्रों के साथ धोखेबाजी की है, सहकर्मियों के साथ द्वेष किया है तो एक दिन ऐसा आएगा कि सब आपस में मिलकर हमें सबक सिखा बैठेंगे। अब रही धन-धान्य की बात तो उसके लिए कर्म करना पड़ेगा। वह भी ईमानदारी पूर्ण कर्म हो। बेईमानी का कर्म हमेशा सफल नहीं होता है, इसलिए कहा गया है कि 'जैसी करनी वैसी भरनी।

नेपाल: वर्चस्व की रणनीति बनाने में जुटे मधेशी नेता

नेपाल के मधेश क्षेत्र में राजनीतिक वर्चस्व की बिसात बिछने लगी है। पिछले दिनों भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु में एक माओवादी नेता के यहां जुटे मधेश क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं में मधेश क्षेत्र में मधेशी दलों के वर्चस्व को लेकर चर्चा हुई। इस मौके पर नेपाल सीमा से सटे भारतीय क्षेत्र के तमाम वे नेता भी मौजूद रहे, जो नेपाल की राजनीति में थोड़ा बहुत दखल रखते हैं।

मधेश क्षेत्र भारत सीमा को स्पर्श करता है और इसमें नेपाल के 22 जिले स्थित हैं। यहां की करीब 90 लाख की आबादी भारतीय मूल की है और ये लोग स्वयं को भारत के निकट महसूस करते हैं। लोकतंत्र बहाली के बाद यहां की राजनीति में मधेशी और पहाड़ी वर्चस्व की जंग में मधेश की राजनीति कमजोर हुई है। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मधेश क्षेत्र के सांसदों की संख्या इतनी होती थी कि वे सरकार बनाने और गिराने की ताकत रखते थे। नेपाल में जितने बड़े राष्ट्रीय दल हैं, सब के सब पहाड़ी वर्चस्व वाले हैं, लेकिन मधेश के सांसदों की संख्या उन्हें सदैव डराती रही है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

ऐसे में पहाड़ी वर्चस्व वाली सरकारों ने एक चाल चली। संसदीय सीटों के नए सिरे से परिसीमन की। मधेश के करीब 80 संसदीय सीटें पूर्व में पूरब और पश्चिम के क्षेत्रफल में रही हैं, जो मधेश बाहुल्य हैं और चुनावों में यहां से मधेशी उम्मीदवार ही जीतता था, वह चाहे जिस दल का हो। नेपाल की राजनीति में मधेश के अस्तित्व को समाप्त करने के षणयंत्र के तहत यहां के संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन पूरब पश्चिम से बदल कर उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर कर दिया गया। उत्तर की ओर पहाड़ी जनसंख्या अधिक है और वे एक मत होकर पहाड़ी उम्मीदवारों को जिताते हैं। संसदीय सीटों के परिसीमन में बदलाव का नतीजा यह हुआ कि प्रतिनिधि सभा में मधेशी सांसदों की संख्या कम होती गई और नेपाल की राजनीति में वे अलग-थलग पड़ते गए। मौजूदा प्रतिनिधि सभा में मधेशी सांसदों की संख्या बेहद कम है और वे बिखरे हुए भी हैं।

मधेश के कट्टर माओवादी नेता रामलोटन तिवारी के यहां हुई विभिन्न दलों के मधेशी नेताओं के जुटान में मैदानी इलाके की राजनीति में पहाड़ी वर्चस्व को रोकने को लेकर गहन चर्चा हुई। इसके लिए किसी भी दल का कोई भी मधेशी नेता हो, वे अंदरूनी तौर पर एक ऐसा मंच स्थापित करने की दिशा में आगे आए, जिसके माध्यम से वे एक-दूसरे से संपर्क बनाए रखें। इतना ही नहीं इसके लिए नेपाल के तराई से सटे भारतीय क्षेत्रों के प्रभावशाली नेताओं जैसे पूर्व राज्यमंत्री नर्वदेश्वर शुक्ल, पूर्व मेयर रामनरेश उपाध्याय, भाजपा के वरिष्ठ नेता राधे रमण त्रिपाठी आदि की भी सहभागिता रही। इन भारतीय नेताओं का नेपाल में अपनी जाति विशेष में थोड़ी-बहुत पकड़ है और ये वहां की सीमावर्ती राजनीति में भी दखल रखते हैं। नेपाल की तराई के अधिकांश लोगों की नाते-रिश्तेदारी भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में है। भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी के संबंध की इबारत यहीं से लिखी गई। रिश्तों की डोर में बंधे भारत और नेपाल के लोग एक-दूसरे के संपर्क में बने रहते हैं।

पूर्व मंत्री ईश्वर दयाल मिश्रा का कहना है कि मधेशी नेता चाहे जिस दल से जीतेगा, कुछ तो उसके अंदर मधेश प्रेम रहेगा। रामलौटन तिवारी के यहां आयोजित कार्यक्रम में नेपाल के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सहस राम यादव, विधायक सुधाकर पांडेय, पूर्व मंत्री दान बहादुर चौधरी, पूर्व सांसद व पूर्व विधायक दृग नरायण पांडेय उर्फ पप्पू मेयर, अब्दुल कलाम सहित मधेश क्षेत्र के ढेर सारे पूर्व सांसद और पूर्व विधायक शामिल हुए। बैठक में जिस तरह विभिन्न दलों के मधेशी नेताओं की उपस्थिति रही, उससे यह लगा कि यदि मधेशी नेताओं की यह रणनीति कामयाब हो पाई तो निःसंदेह नेपाल में एक बार फिर मधेश राजनीति नई ताकत के साथ खड़ा होने में कामयाब होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

फिल्मों व पार्टियों में हीरोइनों के हॉटेस्ट ट्रेंड्स ब्यूटी व हाई फैशन ग्लैम का बिखेरते रहते जलवा

बॉलीवुड ने साड़ी को दिया ट्रेंडी स्टाइल

फैशन और लाइफस्टाइल में तमाम बदलावों के बीच परंपरागत भारतीय परिधान साड़ी का ग्लैमर कभी कम नहीं होता। सदियों से साड़ी का क्रेज अपनी जगह पर कायम है। यह महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने वाला ऐसा परिधान है, जो कभी आउट आफ फैशन नहीं होता है। बॉलीवुड और फैशन डिजाइनर मिलकर इन्हें लगातार फिर से आकर्षक, ताजा, हल्का और पहनने लायक बनाते रहते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि बॉलीवुड सिर्फ साड़ी नहीं पहनता, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में साड़ी के एहसास को नए-नए आकार देता रहता है। सालों से तमाम अभिनेत्रियों ने फिल्मों में साड़ी पहनकर देसी और हॉट ग्लैमरस लुक के नए ट्रेंड्स बनाए हैं, और साड़ी जैसा परंपरागत पहनावा भी सेक्सी हो सकता है, इसे अपनी फिल्मों से साबित किया है।

सुंदरता की परिभाषा, आकर्षण का जादू जैसी सिल्क साड़ियां

कहते हैं, सिल्क की साड़ियां कभी पुरानी नहीं होती हैं। इन साड़ियों का जादू भारतीय सुंदरता को परिभाषित करने की ताकत हमेशा बनाए रखता है। दीपिका पादुकोण और रेखा जैसी अभिनेत्रियां लगातार याद दिलाती रहती हैं कि कांजीवरम सिल्क से बढ़कर कुछ नहीं है। चाहे वह शुद्ध सोने की जरी हो या महीन मुलायम पेस्टल धागे, ये साड़ियां हमेशा महत्वपूर्ण रहती हैं। हल्की, मुलायम और पहनने में आसान। रेखा का सुनहरे और लाल कांजीवरम साड़ियों का अंतहीन संग्रह इन साड़ियों के पुराने आकर्षण को बरकरार रखता है। शादी समारोह के मौके पर दुल्हनें आज भी सिल्क के गुलाबी, लाल या पेस्टल कलर के मनमोहक लुक को ही चाहती हैं।

प्रस्तुति : मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जरी ग्लास साड़ी फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट

- वर्तमान में जरी ग्लास साड़ी सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट बन चुकी है। इसकी एस्थेटिक ब्यूटी और एलिगेंस इसे हर खास मौके के लिए परफेक्ट बनाते हैं। आज जरी ग्लास साड़ी के लुका का बॉलीवुड से लेकर सोशल मीडिया तक हर कोई दीवाना है। जान्हवी कपूर, सोनम कपूर जैसी अभिनेत्रियों से लेकर फैशन इन्फ्लुएंसर्स तक, सभी इस ग्लैमरस साड़ी को अलग-अलग अंदाज में कैरी कर रही हैं। कंगना रनौत चुपचाप बनारसी सिल्क साड़ियों को वापस लाती रहती हैं। उनके लिए इसमें कोई झंझट नहीं, बस एक सादा ब्लाउज, भारी साड़ी और सिंपल बाल खूबसूरत लुक बना देता है। जब भी वो इसे पहनती हैं, बनारसी साड़ियों की बिक्री बढ़ जाती है। नए बनारसी डिजाइन भी हल्के रंगों पर केंद्रित हैं। धूल भरे गुलाबी, फीका पुदीना रंग, पुराने सुनहरे रंग, भारी-भरकम ब्रोकेड की बजाय छोटी बूटियां। पहनने में आसान, कम वजन, लेकिन आकर्षण वही।

रेड कार्पेट और अवॉर्ड नाइट्स में स्टाइलिश अंदाज सीक्विन साड़ी

- सीक्विन साड़ियों को बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फैशन में लोकप्रिय बना दिया है। रेड कार्पेट या अवॉर्ड नाइट्स के लिए अभिनेत्रियां सीक्विन वर्क की साड़ी पसंद करती हैं। कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर ने सिल्वर, शैंपेन और यहां तक कि काले रंग की चमकदार सीक्विन साड़ियां पहनी हैं। नोरा फतेही ने कई बार सीक्विन मैटेलिक साड़ी को अपने बोल्ड और फेमिनिन स्टाइल के साथ पेयर करके एक अलग लुक दिखाया है। दरअसल, ये साड़ियां रात के लिए हैं। बोल्ड तस्वीरों, स्पॉटलाइट और तेज संगीत वाली महफिल के लिए। इन्हें पारिवारिक समारोहों में नहीं पहना जा सकता। लेकिन ये ट्रेंड में इसलिए रहती हैं क्योंकि बॉलीवुड इन्हें जिंदा रखता है।

रॉयल, ग्रेसफुल पर सौम्य लुक देती है ट्रांसपरेंट ऑर्गेंजा साड़ी

ऑर्गेंजा साड़ियों को लाइटवेट और ट्रांसपरेंट फ्रैबिक होने के नाते अक्सर कैरी करती नजर आती हैं। यह साड़ियां रॉयल और ग्रेसफुल लुक प्रदान करती हैं। आलिया भट्ट ने ऑर्गेंजा साड़ियों की श्रृंखला के सौम्य चलन को जन्म दिया है। पारदर्शी और मुलायम ऑर्गेंजा साड़ियां वजन में हल्की होती हैं, लेकिन आकार बनाए रखती है। इन साड़ियों को प्लीट करना आसान होता है और ये बिना चिपके मुलायम होकर गिरती हैं। बॉलीवुड को ऑर्गेंजा साड़ियों में सेज ग्रीन, बटर येलो, सॉफ्ट लिलाक कलर ज्यादा पसंद आ रहे हैं। युवा अभिनेत्रियां थ्रेड वर्क या बिखरे हुए फ्लोरल प्रिंट वाले प्लेन ऑर्गेन्जा पसंद कर रही हैं। ऐसी साड़ियां दिन के समारोह, मेहंदी जैसी आयोजनों के लिए पसंद की जा रही हैं। मिनिमल मेकअप और सिंपल हेयर स्टाइल के साथ यह साड़ी नेचुरल ग्लो देती है।

लाइट मेकअप के साथ रफल्ड साड़ियां बनातीं अट्रैक्टिव लुक

शिल्पा शेट्टी और कैटरीना कैफ ने रफल्ड साड़ियों को पिछले साल पार्टियों की शान बनाया था। इससे पहले मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने सफेद रफल्ड साड़ी पहनकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरी थीं। सोनम कपूर, लारा दत्ता और माधुरी दीक्षित तक इन साड़ियों के प्रति दीवानगी दिखा चुकी हैं। रफल्ड साड़ियों के बॉर्डर पर लहरिया स्टाइल का लेस होता है, साड़ी बांधने पर यह लेस घूमकर पल्लू तक आता है, और अच्छा लुक देता। ये साड़ियां कॉकटेल नाइट्स, संगीत और शादी से पहले के कार्यक्रमों के लिए हैं। पेस्टल या मेटैलिक रंगों में रफल्ड जॉर्जेट साड़ियां नई और ताजा दिखती हैं।

इस सप्ताह रिलीज होने वाली फिल्में

'एक चतुर नार' है डार्क कॉमेडी थ्रिलर

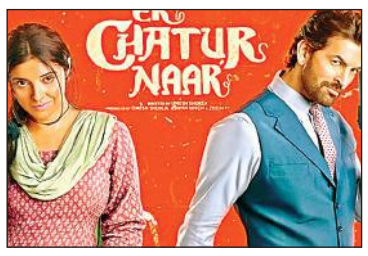

टी सिरीज की इस फिल्म में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश दमदार किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है, जो काफी महत्वाकांक्षी और चतुर है। एक बड़े आदमी का निजी वीडियो हाथ लगने के बाद वह आगे बढ़ने के लिए इस वीडियो के सीढ़ी की तरह स्तेमाल करती है। फिल्म को लेकर दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, नागिन और नेवले का वार देखने के लिए हो जाओ तैयार।

विदेशों में सराही गई 'जुगुनमा' अब पर्दे पर

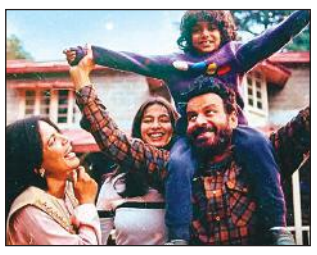

इस फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहा जा चुका है। अब भारत में रिलीज की जा रही है। यह एक मैजिकल और रियलिस्टिक टाइप की पिल्म है, जिसमें मनोज बाजपेई प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 1980 दशक की है। इसमें जुगनू बने मनोज बाजपेयी रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। दीपक डोबरियाल, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू भी अहम किरदार में हैं।

'लव इन वियतनाम' एक रोमांटिक ड्रामा

यह फिल्म एक क्रॉस कल्चरल रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो भारत और वियतनाम की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। अवनीत कौर तथा शांतनु मिश्रा की इस फिल्म ने चीन में इतिहास रच दिया है, यह वहां 10 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रेवर व राज बब्बर भी नजर आएंगे।

हीर एक्सप्रेस : दिल छू लेने वाला फैमिली ड्रामा

इस फिल्म में पंजाब से यूके जाने वाली लड़की हीर के सपनों की कहानी है, जहां उसे तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हीर के रोल से बालीवुड में दिविता जुनेजा डेब्यू कर रही हैं। हीरो के रोल में प्रीत कमानी हैं। आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर व संजय मिश्रा फिल्म को फैमिली ड्रामा बनाते हैं।

अभिनेता सौरभ शुक्ला बोले-थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम

जॉली एलएलबी 3 हंसाने के साथ करेगी सिस्टम पर चोट

बातचीत

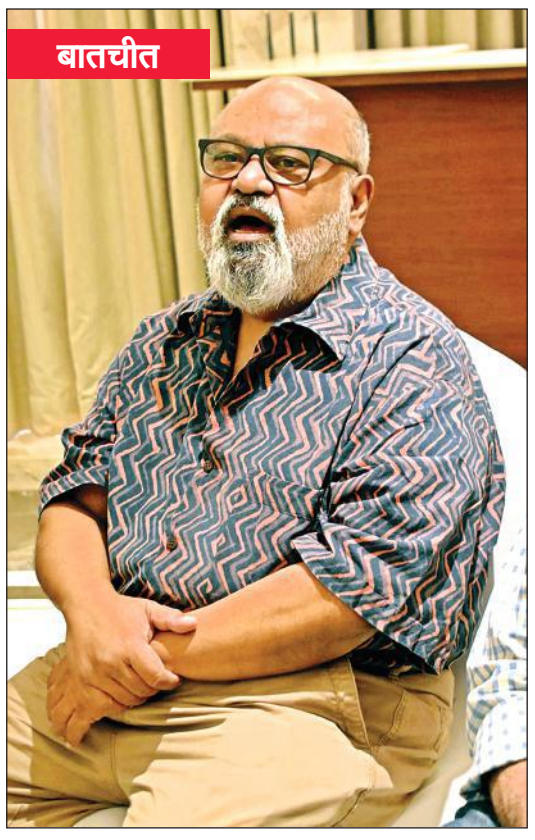

जॉली एलएलबी की दो फिल्मों की सफलता के बाद जॉली एलएलबी 3 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने बरेली आए अभिनेता सौरभ शुक्ला ने 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 पर चर्चा की। इस फिल्म में जज सुंदर लाल त्रिपाठी का दमदार किरदार निभाने वाले सौरभ ने बताया कि पिछली दो फिल्मों की तरह ये फिल्म भी लोगों को हंसाने के साथ सिस्टम पर चोट करेगी, क्योंकि फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर पेशे से पत्रकार रहे हैं, इसलिए मनोरंजन के साथ फिल्म दिखाने के अपने उद्देश्य से कभी नहीं भटकते हैं। बरेली के एक होटल में अमृत विचार से बातचीत में अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक के अभिनय, वर्तमान में थिएटर और अन्य माध्यमों के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने अपने नाटक 'बर्फ' के बारे में बताया कि इसका अभिनय वह 200 से अधिक बार कर चुके हैं, लेकिन पहली बार बरेलीवासी इससे रूबरू होंगे। यह एक थ्रिलर नाटक है, जिसमें रोमांच, रहस्य और पहेली का मिश्रण है। इस नाटक की स्क्रिप्ट एक सस्पेंस फिल्म के लिए लिखी गई थी, जो कश्मीर की बर्फीले वादियों में एक रहस्यमय गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की स्क्रिप्ट को नाटक में तब्दील करने का अर्थ था कि कश्मीर की वादियों के असल लुत्फ से दर्शकों को दूर ले जाना, लेकिन इस नाटक के विजुअल को थिएटर में भी जीवंत करने के लिए स्टेज डिजाइनर राहुल का हाथ है, जिन्होंने थिएटर में ही कश्मीर की बर्फ और सस्पेंस के माहौल को पैदा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। अभिनेता सौरभ ने बताया कि थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम हैं, इनसे किसी कलाकार के अभिनय पर फर्क नहीं पड़ता है। कंटेंट अच्छा है तो किसी भी माध्यम में लोगों को पसंद आता है।

सस्पेंस-थ्रिलर नाटक बर्फ से दर्शकों के दिलों में उतरेंगे

- अभिनेता सौरभ शुक्ला बरेली में अस्तिता फाउंडरेशन द्वारा ड्रॉपआउट्स और वेगमाइन सिटी मॉल की ओर से प्रभावे ऑडिटोरियम अर्बन हाट में आयोजित सात दिवसीय बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने आए हैं। यहां रविवार को वह सस्पेंस-थ्रिलर नाटक 'बर्फ' के जरिए दर्शकों के दिलों में उतरेंगे।

युवाओं को संदेश सीखने की ललक कम न होने दें

- सौरभ शुक्ला ने फिल्मी सितारों के स्टारडम पर कहा कि स्टारडम उसी का होता है, जिसे लोग पसंद करते हैं। यह कोई देने वाली वस्तु नहीं है, न ही कोई नई चीज है। हर दौर में ऐसे सितारे हुए हैं, जो अन्य से अधिक लोकप्रिय रहे। युवाओं को संदेश देते हुए बोले, हमेशा युवा बने रहें, अपनी सोच को सीमित और सीखने की ललक को कम न होने दें, यदि सीखना बंद कर देंगे तो बूढ़े होने लगेंगे।

आज भी रहती है थिएटर में परफार्मेंस की उत्सुकता

दिग्गज अभिनेता होने के साथ सौरभ शुक्ला मंझे हुए थिएटर कलाकार भी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बरेली के लोगों से मिलकर प्रसन्नता हुई। वह किसी सामान्य कलाकार की तरह आज भी अपने नाटक की परफार्मेंस के लिए मेहनत करते हैं और दर्शकों के बीच जाने के लिए उत्साहित रहते हैं। किसी कलाकार को केवल तब प्रसन्नता होती है, जब उसकी कला को सराहना मिलती है। लोग उसे नाम से नहीं उसके काम से जानते हैं।

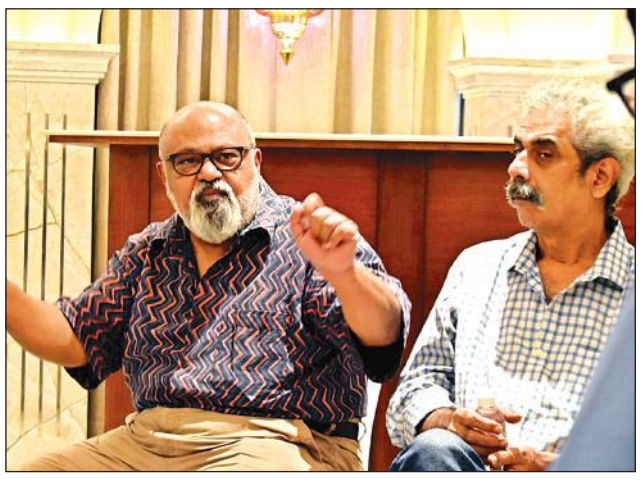

लेखिका: शब्या सिंह तोमर, बरेली

अरमानी माने फैशन की दुनिया में आसमानी क्रांति

फैशन इंडस्ट्री का किंग कहे जाने वाले जियोर्जियो अरमानी अपने पीछे सांस्कृतिक विरासत के साथ फैशन का इतिहास छोड़ गए हैं। 91 साल की उम्र में अरमानी का दो दिन पहले निधन हो गया। वह आधुनिक इतालवी शैली और शानो-शौकत के लिए जाने जाते थे। उन्होंने इटली को फैशन की दुनिया में नई ऊंचाई दी थी। अरमानी ने साहस दिखाते हुए लड़कियों को लड़कों और लड़कों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर साबित किया था कि फैशन की दुनिया में क्रिएटिविटी की कोई सीमा नहीं है। आधी सदी तक फैशन और स्टाइल की दुनिया पर राज करने वाले अरमानी को बेहतरीन डिजाइनर माना जाता था। उनके डिजाइन किए हुए कपड़े राजघरानों के सदस्य और मशहूर हस्तियां पहनने के लिए बेताब रहती थीं। अरमानी ने अपनी क्रिएटिविटी से एक नया ग्लोबल लाइफस्टाइल खड़ा किया। उन्होंने सिर्फ डिजाइनर आउटफिट्स ही नहीं परफ्यूम, होम डेकोर और दूसरी क्रिएटिव फील्ड में भी नाम कमाय। उनका मानना था कि लोग फैशनेबल नजर आने के चक्कर में खुद को कपड़ों से

लाद लेते हैं, जबकि ये गलत है। इसकी जगह लाइट परिधानों के साथ कंफर्ट का ध्यान रखकर भी स्टाइलिश नजर आया जा सकता है। अरमानी ने 1970 में ऐसा ट्रेंड सेट किया कि जिसका पूरी दुनिया के ड्रेसिंग स्टाइल पर असर पड़ा। उन्होंने हॉलीवुड के रेड कार्पेट पर भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई। जोड़ी फॉस्टर की 1992 की ऑस्कर लुक से लेकर जूलिया रॉबर्ट्स तक, कई बड़ी हस्तियों ने उनके द्वारा डिजाइन किए गए परिधान ही पहने। उनके सूट्स और गाउन्स ने रेड कार्पेट फैशन को पूरी तरह बदल दिया। अरमानी के बाद रेड कार्पेट पर लग्जरी ब्रांड्स का कम्पटीशन बढ़ गया। लेकिन अरमानी फैशन की दुनिया में ब्रांड के साथ रईसी और एलीगेंस की पहचान बना रहा।

फीचर डेस्क, कानपुर

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित

चेन्नई। इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीआरबीटी) के तहत यह पहल की है, जो इस डोमेन का विशेष रजिस्ट्रार है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 7 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2650, फॉर्चुन 13 किग्रा 1940, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2360, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2460, स्वास्तिक 2555

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

जीएसटी में बदलाव से हर परिवार को होगा लाभ

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- खपत को मिलेगा बढ़ावा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव 'लोगों के लिए सुधार है' और इस कदम से देश के हर परिवार को लाभ होगा। साथ ही इस कदम से खपत को बढ़ावा मिलेगा और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को गति मिलगी।

सीतारमण ने कहा कि हम दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को देने के लिए उद्योगों से बातचीत कर रहे हैं और उनका रुख सकारात्मक है। वह स्वयं 22 सितंबर से (जीएसटी दरों में कटौती के लागू होने की तिथि) इस बात पर विशेष नजर रखेंगी कि दरों में कटौती का लाभ लोगों को मिले। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी।

सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी। दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के तहत टेलीविजन एवं एयर कंडीशनर जैसे उपभोक्ता वस्तुओं के अलावा खानपान और रोजमर्रा के कई सामानों समेत करीब 400 वस्तुओं पर दरें कम की गयी हैं। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव लोगों के लिए सुधार है और इस कदम से देश के 140 करोड़ लोगों पर सकारात्मक असर होगा। हर परिवार को इससे लाभ होगा। गरीब से गरीब लोग भी कुछ-न-कुछ खरीदते हैं, उन पर भी दरों में कटौती का सकारात्मक असर होगा।

● बोलीं- दरों में कटौती का लाभ आमजन को देने के लिए उद्योगों से कर रहे बात

सीतारमण ने जीएसटी सुधारों को समर्थन देने के लिए राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर आभार जताया

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को पत्र लिखकर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव को लागू करने में उनके समर्थन और सक्रिय भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया है। सीतारमण ने कहा कि राज्यों ने कर दरों में बदलाव के प्रस्ताव पर अपने विचार रखे, लेकिन अंततः इस बात पर सहमत हुए कि जीएसटी दरों में कटौती आम आदमी के हित में है। इसी तर्क के आधार पर इस सप्ताह की शुरुआत में जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी दरों में कटौती का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। जीएसटी परिषद की बैठक में तीन सितंबर को जीएसटी में व्यापक सुधारों पर सहमति बनी थी। जीएसटी परिषद की अध्यक्षता सीतारमण कर रही हैं और इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

मासिक घरेलू राशन और चिकित्सा बिलों में आएगी कमी

सीतारमण ने कहा कि यह सुधार 2017 में एक राष्ट्र, एक कर व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सुधार है और इसे आम आदमी को ध्यान में रखकर किया गया है। रोजमर्रा की जरूरत की हर वस्तु पर लगने वाले कर की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज लोग 100 रुपये में जो चीजें खरीद रहे हैं, उतने ही पैसे में वे अब वस्तु का ज्यादा हिस्सा खरीद सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि इसलिए दरों में इस कमी से मासिक घरेलू राशन और चिकित्सा बिलों में कमी आएगी। साथ ही यह पुरानी कार की जगह नई कार लेने, रेफ्रिजरेटर या वॉशिंग मशीन जैसी पुरानी वस्तुओं की जगह नई चीजें खरीदने जैसी आकांक्षाओं को भी पूरा करने में मददगार होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल दर में कटौती का मामला नहीं है बल्कि कंपनियों के लिए भी चीजें आसान होंगी। चाहे रिफंड का मामला हो या फिर अनुपालन का या पंजीकरण का, उनके लिए चीजें और सुगम होंगी।

उपकरण, कीटनाशक होंगे सस्ते

सीतारमण ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी होने पर 90% रिफंड स्वतः ही निश्चित समय के भीतर क्लियर होंगे। साथ ही तीन दिनों में कंपनियां अपना पंजीकरण करा सकेंगी। इसलिए, इसका लोगों और कंपनियों पर विशेष रूप से छोटे उद्यमों, किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि वे जो उपकरण या कीटनाशक खरीदेंगे वे सस्ते होने जा रहे हैं। जीएसटी परिषद में इस बात पर आम सहमति थी कि लोगों को लाभ मिलना चाहिए हालांकि कुछ राज्य जरूर राजस्व को लेकर चिंतित थे। लेकिन इस बात को लेकर एक सहमति थी कि दरों में कटौती से फायदा होना चाहिए। जीएसटी दरों में कमी से वस्तुओं के दाम कम होंगे और और राजस्व बढ़ने से अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

कृषि उत्पादों पर दरों में कटौती की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी

फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) ने किसानों के लिए कृषि से जुड़े समानों पर से जीएसटी दरों में कटौती के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, संगठन ने सरकार से बीज क्षेत्र के लिए भी ऐसी ही राहत की मांग की है, ताकि बीज की उत्पादन लागत घटाई जा सके और किसानों को किफायती दरों पर बीज मिल सकें।

उद्योग संगठन ने कहा कि उर्वरक के कच्चे माल, जैविक कीटनाशकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और कृषि उपकरणों पर जीएसटी में कटौती का यह कदम कच्चे माल की लागत को काफी हद तक कम करेगा और आर्थिक गति पैदा करेगा। एफएसआईआई के चेयरमैन और सवाना सीड्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय राणा ने कहा कि यह भारतीय कृषि के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। सरकार ने सीधे किसानों को सशक्त किया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। हालांकि, एफएसआईआई ने कहा कि बीज क्षेत्र में भी इसी तरह के सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में, बीजों पर जीएसटी छूट होने के कारण, उद्योग को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ नहीं मिल पाता।

कटौती से 10 करोड़ किसानों को फायदा

नई दिल्ली। डेयरी उत्पादों, कृषि से जुड़े सामानों और खाद्य प्रसंस्करण की चीजों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से 10 करोड़ से ज्यादा डेयरी किसानों को सीधा फायदा होगा और सहकारिता क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। सहकारिता मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव से उर्वरक बनाने में लगने वाले उल्टे कर ढांचे की समस्या खत्म होगी और इससे किसानों के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने में मदद मिलेगी तथा बुआई के मौसम में उन्हें समय पर जरूरी चीजें मिल पाएंगी।

अडाणी भूटान में बनाएंगी जलविद्युत परियोजना

नई दिल्ली। अडाणी पावर ने शनिवार को कहा कि उसने भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर के साथ 570 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए 6,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। अडाणी पावर और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प लिमिटेड (डीजीपीसी) पीकिंग रन-ऑफ-रिवर वांगछू जलविद्युत परियोजना को बीओओटी (बनाओ, स्वामित्व रखो, चलाओ, सौंपो) मॉडल पर शुरू करेंगे। कंपनी ने कहा कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी की उपस्थिति में बिजली खरीद समझौते और रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

महिंद्रा ने वाहनों की कीमत 1.56 लाख तक घटाई

नई दिल्ली, एजेंसी

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने यात्री वाहनों की कीमत को तत्काल प्रभाव से 1.56 लाख रुपये तक घटा दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को कहा कि कीमत में कटौती तीन सितंबर, 2025 को आयोजित 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में संशोधित जीएसटी की घोषणा के बाद की गई है।

कंपनी ने कहा कि सभी लागू आईसीई वाहनों के लिए संशोधित कीमतें छह सितंबर 2025 से प्रभावी होंगी और ये बदलाव सभी डीलरशिप और डिजिटल मंच पर पारदर्शिता के साथ अपडेट किए जाएंगे। कंपनी ने बोलेरो/नियो रेंज की कीमत में 1.27 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सो (पेट्रोल) में 1.4 लाख रुपये, एक्सयूवी3एक्सओ (डीज़ल) में 1.56 लाख रुपये, थार 2डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.35 लाख रुपये, थार 4डब्ल्यूडी (डीजल) में 1.01 लाख रुपये और स्कॉर्पियो क्लासिक की कीमत में 1.01 लाख रुपये की कटौती की है। इसी तरह, स्कॉर्पियो-एन की कीमत में 1.45 लाख रुपये, थार रॉक्स में 1.33 लाख रुपये और एक्सयूवी700 में 1.43 लाख रुपये की कटौती की गई है।

वाहनों की कीमतों में 3.49 लाख की कटौती करेगी टोयोटा

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शनिवार को कहा कि वह जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने वाहनों की कीमतों में 3.49 लाख रुपये तक की कटौती कर रही है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के उपाध्यक्ष वरिंदर वाधवा ने कहा कि ग्लैंजा हैचबैक की कीमत 85,300, टैसर 1.11 लाख, रुमियन 48,700, हाइराइडर 65,400, क्रिस्टा 1.8 लाख, हाइक्रॉस की कीमत 1.15 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर की कीमत 3.49 लाख रुपये तक कम हो सकती है।

टीवीएस मोटर ने पेश किए अपाचे के लिमिटेड संस्करण

बेंगलुरु। दुपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने अपाचे मोटरसाइकिल की लॉन्चिंग के 20 साल पूरे होने पर शनिवार को इसके विभिन्न संस्करणों के सीमित संस्करण लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि वह टीवीएस अपाचे आरटीआर 160, 180, 200 और आरआर310 तथा आरटीआर 310 के सीमित संस्करण पेश कर रही है।

दो नये संस्करण आरटीआर160 4वी और आरटीआर 200 4वी भी पेश किये हैं। इन सभी के लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। सीमित संस्करण में डुएल टोन अलॉय व्हील और यूएसवी चार्जिंग के साथ कुछ नये फीचर दिये गये हैं। नये 4वी संस्करणों में टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 और 200 में कई नये फीचर जोड़े गये हैं। इनमें अत्याधुनिक क्लास-डी प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी लाइटिंग, पांच इंच का कनेक्टेड टीएफटी क्लस्टर और ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं। इन्हें नये बोल्ड रंगों में डायनामिक ग्राफिक्स के साथ पेश किया गया है।

● कंपनी ने आरटीआर 160 4वी और आरटीआर 200 4वी भी किया पेश

टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक एवं सीईओ केएन राधाकृष्णन ने अपाचे के दो दशक पूरे होने पर दुनिया भर में इसके 65 लाख ग्राहकों को धन्यवाद देते हुये कहा कि उनके प्यार के कारण टीवीएस अपाचे इस मुकाम पर पहुंच सका। कंपनी भविष्य में नए सेगमेंट में कदम रखेगी तथा कुछ और बाजारों में प्रवेश करेगी।

बीमा सुगम : एक डिजिटल क्रांति

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने लोगों को बीमा लेने में होने वाली परेशानियों के मद्देनजर बीमा सुगम नामक एक डिजिटल इंश्योरेंस प्लेटफार्म को विकसित कर रही है। बीमा उत्पादों की खरीद, नवीनीकरण, दावा निपटान और शिकायत समाधान जैसी सभी सेवाओं को एक ही मंच पर लाने की तैयारी की जा रही है। आईआरडीएआई की यह एक पारदर्शी, उपयोगकर्ता-अनुकूल और पेपरलेस व्यवस्था होगी जो ग्राहकों, बीमा कंपनियों और एजेंट्स को जोड़ने का कार्य करेगी। इसका लक्ष्य 2047 तक सभी के लिए बीमा सुनिश्चित करना है। कुल मिलाकर, बीमा सुगम भारत के बीमा क्षेत्र में एक बड़ी डिजिटल क्रांति लाने की ओर एक सशक्त कदम है।

बीमा सेवाओं को एकीकृत और सरल बनाना

बीमा सुगम का उद्देश्य सेवाओं को एकीकृत और सरल बनाना है, जिससे ग्राहक पॉलिसियों की तुलना कर सकेंगे, ऑनलाइन खरीद, दस्तावेज़ अपलोड कर ई-केवाईसी पूरा करने और क्लेम भी दायर कर सकेंगे। इसमें आधार, पैन, डिजिलॉकर और यूपीआई से प्रक्रिया को डिजिटल व पेपरलेस बनाया गया है।

बीमा कंपनियों ने परियोजना में किया निवेश

बीमा सुगम सेक्शन-8 गैर-लाभकारी संस्था के रूप में स्थापित हो रहा है, जिसमें बीमा कंपनियों, एजेंटों और ब्रोकर्स की भागीदारी होगी। इसका संचालन बीमा सुगम इंडिया फेडरेशन (बीएसआईएफ) करेगा। बीमा कंपनियों ने इसमें निवेश किया है, जिससे स्पष्ट है कि इसे व्यापक समर्थन प्राप्त है।

एजेंट्स और बिचौलियों के लिए भी फायदेमंद

बीमा सुगम से ग्राहकों को कई लाभ होंगे- जैसे सस्ती प्रीमियम दरें, आसान प्रक्रिया, दस्तावेजों का एक ही जगह संग्रह (ई-बीमा अकाउंट), और सेवा में पारदर्शिता। यह प्लेटफॉर्म एजेंट्स और बिचौलियों के लिए भी फायदेमंद होगा क्योंकि उन्हें अधिक व्यापक पहुंच और डिजिटल टूल्स मिलेंगे।

सभी कुछ मिलेगा एक ही मंच पर

बीमा उद्योग को पारदर्शी, कुशल और ग्राहक-केंद्रित बनाने के लिए आईआरडीएआई बीमा सुगम नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म बना रहा है। यह ऐसा डिजिटल इंश्योरेंस मार्केटप्लेस होगा, जहां जीवन, स्वास्थ्य, मोटर और अन्य सभी प्रकार की बीमा पॉलिसियां खरीदी, प्रबंधित और दावा की जा सकेंगी।

चरणबद्ध तरीके से होगा लांच

इस चरणबद्ध तरीके से लांच होगा। पहला चरण दिसंबर 2025 में शुरू होगा, जिसमें सीमित बीमा उत्पाद और ई-केवाईसी जैसी सुविधाएं होंगी। भविष्य में यह प्लेटफॉर्म सभी सेवाओं को समाहित करेगा, जिसमें दावा और शिकायत प्रबंधन तक होगा।

बीमा कंपनियों को लाभ

- कम लागत में अधिक ग्राहक तक पहुंच। बेहतर डेटा एनालिटिक्स से उचित रिस्क असेसमेंट।
- धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी आने की संभावना। प्रक्रियाओं में स्वचालन और दक्षता।

डेटा सुरक्षा और गोपनीयता

- ग्राहक डेटा को सुरक्षित रखने के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन और ओटीपी आधारित लॉगिन सिस्टम।
- प्लेटफॉर्म सरकार के आईटी नियमों और डाटा प्रोटेक्शन कानूनों के अनुसार कार्य करेगा।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा

- ग्रामीण व दूरदराज के लोग भी स्मार्टफोन या सीएससी केंद्रों के माध्यम से बीमा ले सकेंगे। इससे बीमा की पैठ में बड़ा इजाफा होगा।
- भविष्य में प्लेटफॉर्म पर AI आधारित सलाह और चैटबॉट सहायता भी जोड़ी जा सकती है।

जीएसटी सुधार से खपत 10% भी बढ़ी तो 20 लाख करोड़ का बढ़ेगा उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितंबर से करों में मिलने वाली छूट से यदि खपत 10% भी बढ़ती है तो इससे उत्पादन 20 लाख करोड़ बढ़ेगा] जिससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

वैष्णव ने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में खपत लगभग 202 लाख करोड़ है और अगर जीएसटी सुधार से खपत में केवल 10% वृद्धि होती है, तो अतिरिक्त 20 लाख करोड़ का उत्पादन होगा और रोजगार बढ़ेगा। बचत, निवेश और खपत, तीनों के जरिए परिवारों में खुशियां बढ़ेंगी और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले करों का ऐसा जाल था, जिसमें हर वस्तु पर अलग-अलग कर लगते थे और इसका भारी बोझ आम आदमी और खासकर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता था। जीएसटी आने से कर प्रणाली सरल हुई है। लगातार छह-सात साल की अनुभव और स्थिरता के बाद जीएसटी दरों को युक्तिसंगत, तार्किक तथा और सरल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हर घर में अनेक इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण उपयोग होते हैं। इसी तरह घरों में लगने वाले सोलर पैनल तक, सब पर टैक्स का बोझ पहले की तुलना में कम हुआ है। इसमें अन्य उत्पादों के साथ रोटी, कपड़ा और मकान सस्ते किये गये हैं। रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तु पर कर घटा है।

आयकर में छूट व जीएसटी सुधारों से मध्यवर्ग को लाभ

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बजट में आयकर की सीमा में छूट और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से मध्यवर्गीय परिवारों को बचत के साथ बड़ा लाभ मिलने वाला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मध्यवर्गीय परिवार के प्रति निष्ठा का भाव हम सभी को समय-समय पर दिखाई देता है, इसी कड़ी में मध्यम वर्ग के लिए आयकर में छूट की सीमा 12 लाख तक करना और उसके बाद व्यापक पैमाने पर जीएसटी में सुधार किया है। यह सुधार करके मोदी ने मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत देने के साथ बड़ा तोहफा दिया है।

देश की जीडीपी 330 लाख करोड़ रुपये

वैष्णव ने कहा कि देश की जीडीपी 330 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से 202 लाख करोड़ का हिस्सा उपभोग का है। यदि इस छूट के बाद खपत में 10% वृद्धि होती है, तो देश में अतिरिक्त 20 लाख करोड़ की खपत होगी। यह अतिरिक्त खपत अपने-आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उत्पादन बढ़ता है और स्वाभाविक रूप से रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। मध्यमवर्ग जीएसटी घटाने से बचे पैसे का प्रयोग खपत, निवेश या बचत में करेगा। तीनों ही स्थितियों में देश की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

कृषि आयात पर समझौता नहीं : चौहान

भोपाल, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि भारतीय किसानों के हितों की कीमत पर अमेरिका के साथ कृषि उत्पादों के आयात को लेकर कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50% करने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस वृद्धि में भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25% अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

अमेरिकी कृषि उपज पर आयात शुल्क में थोड़ी रियायत देकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने किए जाने पर चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि किसानों के हितों की कीमत पर कोई समझौता नहीं होगा। उनके हितों की रक्षा की जाएगी। विपक्ष के इस आरोप पर कि ट्रंप द्वारा शुल्क लगाने से ही जीएसटी संरचना में बदलाव किए गए हैं पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में होने वाले हर अच्छे काम के पीछे विपक्ष के लोग ट्रंप को देखते हैं... प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को दिखाया है कि उनके लिए देश का हित सर्वोपरि है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारे किसानों, मुर्गी पालकों, मछुआरों और गरीबों के हितों की रक्षा की जाएगी। भारत अपने फैसले खुद लेता है। भारतीय किसानों के हितों की केंद्र सरकार अनदेखी नहीं कर सकती है। इन सब के बीच भारत और अमेरिका में द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वार्ता का दौर भी जारी है। सरकार को उम्मीद है कि नवंबर में छठें दौर की वार्ता होगी। इससे पहले दोनों देशों के बीच पांच दौर की वार्ता पूरी की जा चुकी है।

● केंद्रीय मंत्री बोले- किसानों के हितों की रक्षा की जाएगी

दिल्ली-एनसीआर में खुदरा स्थानों की मांग में 25% की वृद्धि

नई दिल्ली। बेहतर मांग व नई आपूर्ति बढ़ने से दिल्ली-एनसीआर में जनवरी-जून की अवधि के दौरान शॉपिंग मॉल और प्रमुख स्थानों में खुदरा जगह पट्टे पर लेना 25% बढ़ा है। रियल एस्टेट परामर्शदाता सीबीआरई ने यह जानकारी दी।

सीबीआरई के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के बाजार में जनवरी-जून में पांच लाख वर्ग फुट खुदरा जगहों को लीज पर लिया गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह चार लाख वर्ग फुट था। दिल्ली-एनसीआर में कुल लीज में फैशन और परिधान खंड की हिस्सेदारी 35% रही। एलन ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (लीजिंग) अंकित शर्मा ने कहा कि खुदरा क्षेत्र सिर्फ खरीदने-बेचने तक सीमित नहीं है। यह ऐसी जगहों के बारे में है जहां लोग मिलें और जिंदगी को बेहतर बना सकें।

बातें कारोबार की — बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष कारोबार हुआ 20 प्रतिशत कम, सीजन के दौरान सिर्फ तीन माह तक ही बाजार में रही रौनक

गर्मी में भी इलेक्ट्रिक उपकरणों का कारोबार रहा ठंडा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार। जिले में अप्रैल से जुलाई तक भीषण गर्मी का प्रकोप रहा लेकिन इस बार इलेक्ट्रिक बाजार बिल्कुल ठंडा रहा। कारोबारियों का कहना है कि इस बार गर्मी में मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव से कारोबार 20 प्रतिशत तक घट गया। वर्तमान में लगातार बारिश हो रही है। ग्राहकों की आमद भी काफी कम हो गई है। ऐसे में अब ठंड के सीजन का ही इंतजार कर रहे हैं।

कारोबारियों ने बताया कि कारोबार में फर्क आने का एक कारण यह भी रहा कि बाजार में बीते साल जंबो कूलर की मांग अधिक रही लेकिन इस वर्ष एसी की बिक्री कूलर की तुलना में अधिक हुई, क्योंकि कूलर की कीमत 15 से 20 हजार तक है और एसी की कीमत 25 से 30 हजार तक है। ऐसे में लोगों ने बड़ा कूलर खरीदने के स्थान पर एसी खरीदें हैं। इसके साथ ही पंखे भी खूब बिके।

शहर में इलेक्ट्रिक उपकरणों की छोटी और बड़ी दुकानों को मिलाकर करीब 400 प्रतिष्ठान हैं। बीते वर्ष मार्च से जुलाई तक अनुमानित 300 करोड़ रुपये के आसपास का कारोबार हुआ था, लेकिन इस वर्ष 20 प्रतिशत तक घटकर 200 करोड़ रुपये तक ही सीमित रही।

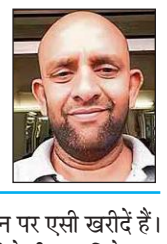

-रविंद्र यादव,
अध्यक्ष बरेली इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रेक्टर मर्चेंट एसोसिएशन

कारोबारियों की राय

इस वर्ष गर्मी के सीजन में कारोबार काफी प्रभावित रहा। ग्राहकों का मूड भी कूलर की तरफ से हटकर एसी की ओर बढ़ा, लेकिन उपकरणों की खपत कम हुई है, जिससे हर साल होने वाले कारोबार की तुलना में इस बार एसी व अन्य उपकरणों की बिक्री काफी प्रभावित हुई। इसका कारण गर्मी के सीजन के दौरान मौसम में हो रहे परिवर्तन के कारण लोगों का एसी के प्रति कम होती रुचि को माना जा सकता है, जिससे व्यापार काफी हद तक प्रभावित हुआ है। -परविंद्र सिंह

इस बार मानसून के जल्द आने से गर्मी जल्दी समाप्त होई। पंखे व कूलर की बिक्री जितना अनुमान लगाया था उससे कम हुई। जो स्टॉक मंगाया वो तक बच गया है। -अभिषेक जसोरिया

कूलर की तुलना में एसी की डिमांड ज्यादा रही। बीते वर्ष गर्मी के सीजन में 400 एसी बिके थे लेकिन इस वर्ष सिर्फ 250 एसी ही बिके हैं। अब बारिश में डिमांड भी न के बराबर हो गई है। -रजनीश चांदना

वर्ल्ड ब्रीफ

सीजेआई भगवान बुद्ध की जन्मस्थली पहुंचे

काठमांडू। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई शनिवार को भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी पहुंचे। न्यायमूर्ति गवई इस समय चार दिन की नेपाल यात्रा पर हैं। लुंबिनी पहुंचने पर उनका स्वागत लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ल्हारक्याल लामा ने किया। लुंबिनी में उन्होंने मायादेवी मंदिर में मंत्रों का जप भी किया। न्यायमूर्ति गवई ने वहां दीप जलाकर विश्व शांति, मानव कल्याण और भारत-नेपाल के बीच गहरे मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना की। प्रधान न्यायाधीश काठमांडू में नेपाल के उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित 'न्याय क्षेत्र सुधारों पर नेपाल-भारत न्यायिक संवाद' को संबोधित करने के लिए वहां पहुंचे थे।

सूडान में शांति सैनिकों पर हमले की निंदा की

जुबा। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने पश्चिमी इक्वेटोरिया राज्य में शांति सैनिकों पर एक स्थानीय सशस्त्र समूह के हमले की निंदा की है जिसमें उनके हथियारों को जब्त कर लिया गया था। दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में जारी एक बयान में यूएनएमआईएसएस ने कहा कि यह हमला बुधवार को उस समय हुआ जब उसके सैन्यकर्मी तम्बुरा और मापुसे के बीच गश्त लगा रहे थे। बयान में कहा गया, मिशन बार-बार दुहराता है कि उसके शांति सैनिक ऐसे समय में नागरिकों की सुरक्षा में तैनात हैं जब पश्चिमी इक्वेटोरिया में विशेष रूप से तंबूरा और उसके आसपास पहुंच एवं सुरक्षा की स्थिति नाज़ुक बनी हुई है।

केन्या : आतंकी हमले में एक की मौत, तीन घायल

केन्या। सोमालिया की सीमा के पास पूर्वी केन्या के गरिसा काउंटी में सुरक्षा दल पर अल-शबाब आतंकवादियों के हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। केन्या की पुलिस के मुताबिक आज शाम स्थानीय समयानुसार करीब छह बजे हागाडेरा-बियामाथोबे मार्ग पर सुरक्षा दलों पर घात लगाकर हमला किया गया था हताहतों में राष्ट्रीय पुलिस रिजर्व और मा 'विस्ले नामक स्थानीय सशस्त्र समूह के लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादरोधी पुलिस हमले की घटना की जांच कर रही है।

अरमानी को सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी

मिलान। फैशन की दुनिया में परिधानों की नयी परिभाषा गढ़ने वाले मशहूर इतालवी डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी को शनिवार को सैकड़ों आम प्रशंसकों और अतिविशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अरमानी ने गैर पारंपरिक परिधानों के साथ फैशन की दुनिया में धूम मचा दी थी। अरमानी का बृहस्पतिवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

ब्रिटेन: मंत्रिमंडल के शीर्ष पदों पर महिलाओं को मिली जगह

लंदन, एजेंसी

- पाकिस्तान मूल की शबाना गृहमंत्री और यवेट को बनाया विदेश मंत्री

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शनिवार को सभी स्तरों के मंत्रिस्तरीय पदों में बड़े फेरबदल के तहत महिला सांसदों को मंत्रिमंडल के सबसे वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया है।

पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद की गृह मंत्री के पद पर पदोन्नति तथा गृह कार्यालय की पूर्व अधिकारी यवेट कूपर को विदेश मंत्री नियुक्त किए जाने का अर्थ है कि चांसलर रेचल रीव्स के साथ शीर्ष तीन सरकारी पदों का नेतृत्व पहली बार महिलाओं के हाथ में होगा। स्टार्मर ने कम कर भुगतान विवाद के कारण एंजेला रेनर के उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए विदेश मंत्री डेविड लैमी को उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान किए जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को उपप्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

महमूद ने शुक्रवार शाम गृह मंत्री का कार्यभार संभालते हुए कहा, गृह मंत्री के रूप में सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा है। इस पद पर रहते हुए, मैं हर दिन इसी उद्देश्य के लिए समर्पित रहूंगी।

आखिर क्यों विवादों के घेरे में है

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल

इथेनॉल एक रंगहीन, वाष्पशील और ज्वलनशील तरल है, जिसे एथिल अल्कोहल भी कहते हैं। इसका निर्माण अनाजों, गन्ने या बायोमास में मौजूद शर्करा या स्टार्च को खमीर के माध्यम से किण्वित करके किया जाता है। इसकी प्रकृति पारदर्शी, रंगहीन और तीखा स्वाद वाला तरल है जो अत्यधिक ज्वलनशील होता है और विभिन्न कार्बनिक और अकार्बनिक पदार्थों को घोलने में सहायक होता है। इसी कारण इसे पेट्रोल में मिलाया जाता है और इसके पीछे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन में कमी करने जैसे कई कारण गिनाए गए हैं। हालांकि, कई कारणों से इसका काफी विरोध भी किया जा रहा है। हाल ही में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री रोकने के लिए दायर की गई एक जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है।

इथेनॉल की खूबियां

- इथेनॉल एक कार्बनिक यौगिक है, यह अल्कोहल समूह से संबंधित और मादक पेयों में मौजूद मुख्य सक्रिय घटक है।
- यह एक नवीकरणीय ईंधन है और गैसोलीन में योज्य के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह अत्यधिक ज्वलनशील होता है।
- यह एक वाष्पशील कार्बनिक यौगिक है जिसे राष्ट्रीय प्रदूषक सूची में सूचीबद्ध किया गया है। यह स्वच्छ रूप से जलता है।

मिश्रण

- ई-10 में 10% इथेनॉल 90% पेट्रोल होता है।
- ई- 20 में 20% इथेनॉल 80% पेट्रोल होता है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लाभ

- देश की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार क्योंकि इथेनॉल जैव ईंधन है जो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करता है।
- इथेनॉल से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होता है, जो स्वच्छ हवा और नेट जीरो लक्ष्य में सहायक है।
- इथेनॉल उत्पादन से कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन, किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलता है।
- इथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग अधिक होती है, जिससे बेहतर दहन होता है और इंजन का प्रदर्शन सुधरता है।

प्रमुख उपलब्धियां

- कच्चे तेल के आयात में कटौती करके 1,06,072 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत हुई।
- इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से कार्बन उत्सर्जन में 544 लाख मीट्रिक टन की कमी आई है।
- तेल कंपनियों ने डिस्टिलरों को 1,45,930, किसानों को 87,558 करोड़ रुपये वितरित किए।

नुकसान का अंदेशा

- इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने जैसी फसलों के इस्तेमाल से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।
- गन्ने समेत कुछ फसलों को उगाने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव पड़ सकता है।
- कुछ पुराने वाहनों में इथेनॉल मिश्रण से इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंच सकता है, ई 20 के लिए नया बुनियादी ढांचा जरूरी होता है।
- इथेनॉल में पानी खींचने के गुण होते हैं, जिससे ईंधन प्रणाली में जंग लग सकती है। मूल्य में अस्थिरता का भी अंदेशा बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री रोकने के लिए दायर एक जनहित याचिका को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इसलिए इन्कार कर दिया क्योंकि केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और विदेशी मुद्रा के संरक्षण के उपाय के रूप में इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का बचाव किया था।

हजरतबल मस्जिद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने पर और गरमाया माहौल

कश्मीर के सभी सियासी दल एकजुट, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग

श्रीनगर/जम्मू, एजेंसी

श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में वक्फ बोर्ड की ओर से नवीनीकरण पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कश्मीर के सभी राजनीतिक दल एकजुट हो गए हैं। कुछ दलों ने इस घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी को बर्खास्त करने की मांग की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक सरकारी समारोहों के लिए है, धार्मिक संस्थानों के लिए नहीं जबकि पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती ने इस चिह्न के इस्तेमाल को ईशनिंदा करार दिया। कुछ धार्मिक नेताओं ने दलील दी कि यह इस्लाम की शिक्षाओं के विरुद्ध है।

हजरतबल मस्जिद के जीर्णोद्धार का उल्लेख करने वाली पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल करने को लेकर विवाद खड़ा होने के बाद शुक्रवार को सामूहिक नमाज के ठीक बाद अज्ञात लोगों ने पट्टिका पर लगे चिह्न को तोड़ दिया था। जम्मू और कश्मीर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय चिह्न को हटाने वालों के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) सहित विभिन्न धाराओं में कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शनिवार को इस घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शांति भंग करने, दंगा करने और आपराधिक साजिश रचने का मामला दर्ज किया।

हालांकि, भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने न केवल पट्टिका को क्षतिग्रस्त करने के दोषियों के खिलाफ बल्कि नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं पर सवाल उठाते हुए अशोक स्तंभ को विकृत करने के लिए 'पर्दे के पीछे' काम करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड को उस 'गलती' के लिए माफी मांगनी चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

श्रीनगर में पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन पर दरगाह हजरतबल में प्रार्थना के लिए इकट्ठे लोग।

धार्मिक स्थलों पर राष्ट्रीय प्रतीक कभी नहीं देखा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, सबसे पहले, यह सवाल उठता है कि क्या इस पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था या नहीं। मैंने कभी किसी धार्मिक स्थल पर इस तरह से प्रतीक का इस्तेमाल होते नहीं देखा। उन्होंने कहा, मस्जिद, दरगाह, मंदिर और गुरुद्वारे सरकारी संस्थान नहीं हैं। ये धार्मिक संस्थान हैं और धार्मिक संस्थानों में सरकारी प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। नेशनल कांफ्रेंसने शनिवार को भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम का 'उल्लंघन' करने के लिए अंद्राबी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा, इस कदम से मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उनके (अंद्राबी) और पट्टिका लगाने वालों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। यह ईशनिंदा का कृत्य है।

भाजपा ने कहा- घाटी में अलगाववाद और आतंकवाद फिर जिंदा करने की कोशिश

भाजपा ने पट्टिका को क्षतिग्रस्त करने की निंदा करते हुए दावा किया कि इसे मस्जिद से बाहर लगाया गया था और यह घटना घाटी में 'आतंकवाद और अलगाववाद' को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हजरतबल की घटना एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है और चिंता का विषय है। नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने अशोक स्तंभ वाली पट्टिका के बारे में ट्वीटकिया और उसकी तोड़फोड़ का वीडियो वायरल हो गया, जिससे देश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। सेठी ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक सभी धर्मों के लोगों के लिए सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह हमला कश्मीर की सूफी संस्कृति के भी खिलाफ है जो सहिष्णुता सिखाती है और इस घटना के खिलाफ घाटी के लोगों में आक्रोश है। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी मांग करती है कि कार्रवाई केवल उन लोगों तक सीमित नहीं होनी चाहिए जिन्होंने पट्टिका को क्षतिग्रस्त किया बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाले लोगों पर भी होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में नहीं शामिल होंगे मोदी, जयशंकर करेंगे प्रतिनिधित्व

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक उच्चस्तरीय सत्र में शामिल नहीं होंगे। यहां जारी वक्ताओं की संशोधित अनंतिम सूची से यह खुलासा हुआ है। सूची के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र नौ सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय सत्र 23 से 29 सितंबर तक होगा जिसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा उसके बाद अमेरिका दूसरे स्थान पर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए के मंच से वैश्विक नेताओं को संबोधित करेंगे। व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र में यह उनका पहला संबोधन होगा। उच्च स्तरीय सत्र में शामिल होने वाले वक्ताओं की शुक्रवार को जारी संशोधित अनंतिम सूची के अनुसार भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। वह 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। दरअसल इससे पहले जुलाई में जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची में यह जानकारी दी गई थी कि प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे। इजराइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करेंगे।

- ट्रंप 23 सितंबर को वैश्विक नेताओं को करेंगे संबोधित

मोदी की मैक्रों से यूक्रेन व द्विपक्षीय मुद्दों पर बात

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और कहा कि दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई और दोनों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ यूक्रेन के मुद्दे पर भी विचारों का आदान प्रदान किया। भारत संघर्ष के जल्द समाधान और क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली के प्रयासों का निरंतर समर्थन करता रहा है। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ अच्छी बातचीत हुई।

सत्ता के लिए अत्याचार कर रहे मुनीर : इमरान

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर नये सिरे से हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह अपने शासन को सुदृढ़ करने के लिए अत्याचार का सहारा ले रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मुख्य संरक्षक खान ने मुनीर पर अघोषित मार्शल लॉ लागू करने, पिछले फरवरी के चुनाव में लोगों का जनादेश चुराकर शहबाज शरीफ के नेतृत्व में कठपुतली सरकार स्थापित करने और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करने का आरोप लगाया है।

रूस में व्हाट्सएप-टेलीग्राम पर प्रतिबंध नए मैसेजिंग एप मैक्स को किया लांच

मॉस्को। रूस के लाखों नागरिकों को मीडिया नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर की ओर से अगस्त के मध्य में लगाए गए नए प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है जो सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप व्हाट्सएप और टेलीग्राम से की जाने वाली कॉल पर लगाए गए हैं।

बीबीसी के मुताबिक इसी समय रूसी फर्म ने मैक्स नाम से एक नए राष्ट्रीय मैसेंजर एप को लांच किया है, जिसे क्रेमलिन नियंत्रित करता है। यदि देश में व्हाट्सएप और

- मेटा को सरकार ने घोषित किया है चरमपंथी संगठन

टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की आंकड़ों की बात करें तो कुल 14.30 करोड़ की आबादी में से व्हाट्सएप और टेलीग्राम के मासिक उपयोगकर्ताओं की संख्या क्रमशः 9.7 और नौ करोड़ होने का अनुमान है। व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा को रूस में एक चरमपंथी संगठन घोषित किया गया है।

ट्रंप ने जताई हमास की हिरासत में मौजूद इजराइली बंधकों की मौत की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी

- कहा- हमास ने सभी को फौरन न रिहा किया तो होगी खराब स्थिति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि हमास लड़ाकों द्वारा बंधक बनाए गए 20 बंधकों में से कुछ की मौत हो गई होगी क्योंकि इजराइली सेना ने गाजा पर कब्जे के लिए अपना सैन्य अभियान शुरू करने के पहले निवासियों से शहर खाली करने का आह्वान किया है।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों को दिए गए ब्रीफिंग में ट्रंप से जब गाजा की स्थिति और हमास आतंकवादियों के साथ इजराइल की चल रही लड़ाई के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह 20 लोगों की बात है लेकिन मुझे लगता है कि इन 20 लोगों में से कुछ की हाल में मौत हो गई होगी। मैं यही सुन रहा हूं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं हुआ हो। ट्रंप की मध्यस्थता प्रक्रिया के बारे में टिप्पणी थी, हम हमास के साथ गहन बातचीत कर रहे हैं। हमने उससे कहा कि अगर इजराइली बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो हालात कठिन और बदतर हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा, सभी को अभी रिहा करो। अगर ऐसा हुआ तो उनके लिए बहुत होगा, वरना स्थिति और खराब होगी।

इजराइल ने गाजा को खाली करने को कहा

दीर अल बलाह। इजराइल की सेना ने भुखमरी की कगार पर पहले ही पहुंच चुके गाजा शहर के फलस्तीनियों को शनिवार को निर्देश दिया कि वे शहर को खाली कर दक्षिण स्थित मानवीय क्षेत्र में चले जाएं।

इजराइल का यह निर्देश इलाके पर कब्जा करने के लिए अपने अभियान का विस्तार किए जाने के बीच आया जिसमें ऊंची इमारतों को भी निशाना बनाया जा सकता है। करीब 10 लाख आबादी वाले इस शहर के कुछ हिस्सों को पहले से ही 'रेड जोन' माना जाता है, जहां अपेक्षित आक्रमण से पहले ही लोगों को खाली करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर भारत के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण

चेन्नई, एजेंसी

- चेन्नई में अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की पासिंग आउट परेड में बोले वायुसेना प्रमुख

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है और भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वायुसेना प्रमुख ने यहां अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की 'पासिंग आउट परेड' की समीक्षा के बाद कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तीनों सेनाओं के बीच विशिष्ट समन्वय, सशस्त्र बलों और अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया। कुल 130 अधिकारी कैडेट और 25 महिला अधिकारी कैडेट को भारतीय सेना के विभिन्न अंगों और सेवाओं में कमीशन दिया गया, जबकि नौ मित्र देशों की 12 महिला विदेशी अधिकारी कैडेट ने भी सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा मिला।

सिंह ने कहा, जब हम भविष्य की ओर देखते हैं तो दो बातें निश्चित हैं। युद्ध का तेजी से बदलता स्वरूप और सैन्य शक्ति की बढ़ती प्रासंगिकता। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर हमारे अद्वितीय पराक्रम का एक ज्वलंत उदाहरण है। इन बलों के भविष्य के रूप में आपको यह समझना होगा कि रक्षा बल हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले रहे हैं और रहेंगे।

चेन्नई की ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मनाते नवनियुक्त अधिकारी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 23 .38 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

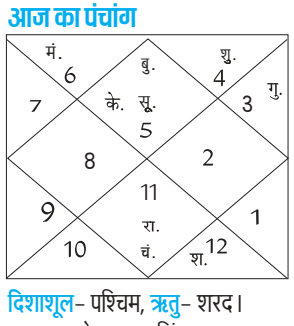

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-शतभिषा 21 .41 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज नए अनुभवों की प्राप्ति होगी। छात्र नए विषयों के अध्ययन में रुचि लेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। युवाओं को नई जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है। अपनी प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें।

वृष — आज आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। आपके ऊपर सामाजिक उत्तरदायित्व बढ़ सकता है। व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। परिजनों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आप जो काम सोच रहे थे वो समय से पूरा हो जाएगा।

मिथुन — आज अपने अंतर्मन की आवाज को अनसुना न करें। अपनी दिनचर्या में योग और व्यायाम को सम्मिलित करें। आय के नए साधन विकसित करने का प्रयास कर सकते हैं। उधार लिया हुआ धन वापस लौटाने का दबाव बन सकता है।

कर्क — आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरपूर रहेगा। सामाजिक कार्यों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। लंबी दूरी की यात्रा न करें। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों की बातों से मन व्यथित हो सकता है।

सिंह — आज किसी मित्र के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से शानदार सहयोग मिलेगा।

कन्या — आज का दिन काफी शानदार रहेगा। भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। नए लक्ष्यों को निर्धारित करेंगे और उन पर काम करेंगे। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों का तनाव कम होगा।

तुला — आज परिजनों से अपने मन की बातें साझा करें। लोगों का मनोबल बढ़ाने में आप काफी सहायता कर सकते हैं, लेकिन फिर भी नकारात्मक विचार आपके ऊपर हावी हो सकते हैं। नजदीकी लोगों का व्यवहार आपको खराब लग सकता है।

वृश्चिक — आज कारोबार में धीमेपन को लेकर थोड़ा चिंतित हो सकते हैं। अच्छा समय आने का इंतजार करें। किसी को उधार धन न दें। आपको सोच-समझकर बातें करनी चाहिए। अनावश्यक चर्चा करने के कारण हास्य का पात्र बन सकते हैं।

धनु — आज सरकारी योजनाओं से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके अधिकार बढ़ेंगे। मानसिक तनाव में कमी आएगी। आय में वृद्धि होगी। कई दिनों से अटके हुए मामलों को लेकर निष्कर्ष में पहुंच सकते हैं।

मकर — आज धन उधार लेना आपको महंगा पड़ सकता है। मित्रों के प्रति अविश्वास का भाव उत्पन्न न होने दें। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपके ऊपर क्रोधित हो सकते हैं। सोच-समझकर ही धन खर्च करें।

कुंभ — आज उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी आपके प्रति समर्पित भाव रखेगा। दूर के रिश्तेदारों से शुभ सूचना मिल सकती है। घर पर काफी आराम का वक्त बिताएंगे।

मीन — आज अपने व्यवहार में नरमी रखें। किसी पर भी अधिक विश्वास न करें। किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आपके सही कार्यों का भी विरोध हो सकता है। लापरवाह रवैये के कारण आपको परेशानी हो सकती है।

सुडोकू-92

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। -नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 7 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला टीम ने जापान को ड्रा पर रोका

हांगझोउ (चीन) : नवनीत कौर के आखिरी क्षणों में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गोल की बदौलत भारत ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे पूल मैच में जापान को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। हिरोका मुरायामा ने 10वें मिनट में गोल करके विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर काबिज जापान को बढ़त दिलाई लेकिन 30वें मिनट में रुतजा दादासो पिसाल ने भारत के लिए बराबरी का गोल किया।

क्रिकेट टीम ने एशिया कप की तैयारी शुरू की

दुबई : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप की तैयारी के लिए ट्रेनिंग के पहले दिन अपने साथी खिलाड़ियों की ऊर्जा और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि साथी खिलाड़ियों की ऊर्जा और कौशल ने उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास दिया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ करेगा। उसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान और 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। प्लेऑफ 20 सितंबर से शुरू होंगे।

विश्व कप में हर चुनौती का सामना करेंगे : हीली

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली को भरोसा है कि उनकी टीम भारतीय उपमहाद्वीप में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्व कप में हर तरह की चुनौती से पार पाने में सफल रहेगी। ऑस्ट्रेलिया महिला वनडे विश्व कप में सात बार का चैंपियन है और वह भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेगा।

मध्य क्षेत्र ने बढ़त हासिल की

बेंगलुरु : हर्ष दूबे (75 रन) और उपेंद्र यादव (87 रन) ने अलग अलग अंदाज में अर्धशतक जड़कर मध्य क्षेत्र को शनिवार को यहां पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई जिससे टीम दलीप ट्रॉफी के फाइनल की दहलीज पर पहुंच गई। सेमीफाइनल के तीसरे दिन स्टंप तक मध्य क्षेत्र ने आठ विकेट पर 556 रन बनाकर पहली पारी के हिसाब से 118 रन की बढ़त बना ली। दिन के अंतिम ओवर में दीपक चाहर (33 रन) के आउट होने के बाद सारांश जैन 37 और यश ठाकुर चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

अय्यर भारत ए के कप्तान नियुक्त

मुंबई : टेस्ट और एशिया कप के लिए चुनी गई टी-20 भारतीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे श्रेयस अय्यर को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच के लिए शनिवार को भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल और मोहम्मद सिराज इस शृंखला के दूसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। शृंखला का पहला मैच 16 से 19 सितंबर और दूसरा 23 से 26 सितंबर तक इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारतीय टीम हॉकी एशिया कप के फाइनल में

राजगीर(बिहार), एजेंसी

- सुपर चार के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराया

स्ट्राइकर अभिषेक के दो गोल की बदौलत भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां सुपर चार के आखिरी मैच में चीन को 7-0 से हराकर एशिया कप टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अभिषेक ने मैच के 46वें और 50वें मिनट में गोल दागे। उनसे पहले इस एकतरफा मुकाबले में शिलानंद लाकड़ा (चौथे मिनट), दिलप्रीत सिंह (सातवें), मनदीप सिंह (18वें), राजकुमार पाल (37वें) और सुखजीत सिंह (39वें) के गोल ने टीम की बड़ी जीत पक्की कर दी।

रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में भारत के सामने मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया की चुनौती होगी। इस जीत के साथ भारत सुपर चार लीग तालिका में सात अंकों के साथ शीर्ष पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

चीन और मलेशिया दोनों तीन-तीन अंकों के साथ उनसे पीछे रहे। इससे पहले भारत ने सुपर चार चरण के अपने शुरुआती दो मैचों में पांच बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था और मलेशिया को 4-1 से हराया था।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की विजेता टीम को अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

भारत ऐसे में विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से बस एक कदम दूर है। कोरिया ने दिन के एक अन्य मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया को 4-3 से हराया। चीन अब रविवार को तीसरे-चौथे स्थान के लिए मलेशिया से खेलेगा। भारतीय खिलाड़ी चीन के खिलाफ पूरी तरह से हावी रहे और यह मुकाबला ज्यादातर चीन के हाफ में ही खेला गया। मैच में भारतीय रक्षापंक्ति को भी कोई चुनौती नहीं मिली क्योंकि चीन के खिलाड़ी भारत के सर्कल में घुसने संघर्ष करते रहे। भारत ने मैच में एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं दिया।

भारतीयों ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाने में कोई समय नहीं गंवाया। टीम को चौथे मिनट में उनके प्रयासों का फल मिला जब शिलानंद ने पहला गोल कर खाता खोला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हाफ लाइन से शानदार हवाई पास को दाहिनी ओर से जरमनप्रीत सिंह ने नियंत्रित किया और इसे शिलानंद की ओर मोड़ दिया। शिलानंद ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

भारत के शिलानंद लाकड़ा (बाएं से दूसरे) गोल करने के बाद टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

अल्काराज और सिनर में होगा यूएस ओपन का खिताबी मुकाबला

कार्लोस ने नोवाक जोकोविच और सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को हराया

कार्लोस अल्काराज।

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और नंबर दो खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। यह इस वर्ष लगातार तीसरा अवसर होगा जबकि दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले यह दो खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे।

अल्काराज ने शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-6 (4), 6-2 से हराया। उन्होंने जीत हासिल करने के बाद सभी को एक पल रुकने के लिए कहा। अल्काराज ने जेब से अपना मोबाइल फोन निकाला ताकि वह सिनर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के बीच दूसरे सेमीफाइनल का स्कोर देख सके, लेकिन तब उस मैच का पहला सेट ही चल रहा था। सिनर ने इसके कुछ घंटे बाद ऑगर-अलियासिमे पर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल करके अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और रोमांचक मुकाबले की नींव रखी।

जोकोविच ने मैच के बाद स्वीकार किया कि यह दोनों खिलाड़ी इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा ये दोनों खिलाड़ी इस समय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। इसमें कोई शक नहीं। उन्होंने खुद को खेल के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है।

रविवार को होने वाले फाइनल का परिणाम जो भी हो यह सुनिश्चित है कि यह जोड़ी पिछली आठ ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को साझा करेगी और पिछले 13 में से 10 पर कब्जा करेगी। अल्काराज ने अभी तक पांच और सिनर ने चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मैच से नंबर एक रैंकिंग का भी फैसला होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मैच को देखने के लिए आ सकते हैं। अल्काराज ने जून में फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था। सिनर ने जुलाई में विंबलडन में इसका बदला चुकता कर दिया था। सिनर न्यूयॉर्क में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार पांच साल तक यह हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट जीता था। सिनर ने लगातार पांच ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी जगह बनाई है, जिसकी शुरुआत 12 महीने पहले अमेरिकी ओपन से हुई थी। अल्काराज ने अपना छठा प्रमुख खिताब और फ्लशिंग मीडोज में दूसरा खिताब जीतने की कवायद में एक भी सेट नहीं गंवाया है। अल्काराज़ ने कहा मैं मैचों, टूर्नामेंट, पूरे साल, कुल मिलाकर, निरंतरता बनाए रखने पर काम कर रहा हूं। बस किसी भी मैच में उतार-चढ़ाव न हो। शायद, मैं परिपक्व हो रहा हूं, खुद को और बेहतर तरीके से जान रहा हूं और यह समझ रहा हूं कि कोर्ट के अंदर और बाहर मुझे क्या करना चाहिए। सिनर का 2024 की शुरुआत से अल्काराज के खिलाफ रिकॉर्ड 1-6 है।

नंबर एक यानिक सिनर कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ शॉट लगाते हुए।

जोकोविच ने कहा हार नहीं मानूंगा

न्यूयॉर्क : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की अपनी कोशिश जारी रखेंगे। कार्लोस अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच कुछ अवसरों पर अच्छी स्थिति में दिखे लेकिन आखिर में उन्हें सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच ने मैच के बाद कहा मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की अपनी कोशिश जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। सर्बिया के 38 वर्षीय खिलाड़ी जोकोविच ने इस सत्र में चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन हर बार उससे आगे बढ़ने में नाकाम रहे। उन्हें तीन बार 22 वर्षीय अल्काराज़ और एक बार 24 वर्षीय यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मैच के बारे में जोकोविच ने कहा दुर्भाग्य से, दूसरे सेट के बाद मेरी ऊर्जा खत्म हो गई। मेरे पास उनसे मुकाबला करने और दो सेट तक उनकी लय बनाए रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा थी। उसके बाद मैं पूरी तरह थक गया।

सबालेंका की निगाह चौथे ग्रैंड स्लैम खिताब पर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमांडा अनिसिमोवा से फाइनल में होगी भिड़ंत

2025 में अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलेंगी बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका जब यहां आर्थर ऐश स्टेडियम में महिला वर्ग के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, तो उनकी निगाह अपना चौथा ग्रैंड स्लैम और अमेरिकी ओपन में लगातार दूसरे खिताब पर रहेंगी।

बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका 2025 में अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलेगी। इससे पहले वह दो अवसर पर अमेरिका की खिलाड़ियों से हार गई थी और इस बार भी फाइनल में उनका मुकाबला एक अमेरिकी खिड़की से है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अमेरिकी खिलाड़ियों से फाइनल में हार का यह सिलसिला तोड़ पाती है या नहीं।

वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैडिसन कीज से और जून में फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ से हार गई थीं। सबालेंका ने पिछले वर्ष न्यूयॉर्क में हुए फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को भी हराया था और वह इस जीत से प्रेरणा देने की कोशिश करेंगी। यही नहीं वह 2012-14 में सेरेना विलियम्स के बाद अमेरिकी ओपन में लगातार ट्रॉफी जीतने वाली पहली महिला बनने की कोशिश भी करेंगी। सबालेंका जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में अनिसिमोवा से हार गई थी और वह इसका बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो नौ मैच खेले गए हैं उनमें अनिसिमोवा ने छह में जीत हासिल की है।

एरिना सबालेंका। एजेंसी

डाब्रोवस्की और रूटलिफ ने महिला युगल का खिताब जीता

न्यूयॉर्क : गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रूटलिफ ने फाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करके तीन वर्षों में दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता। तीसरी वरीयता प्राप्त डाब्रोवस्की और राउटलिफ ने फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। इसके बाद डाब्रोवस्की और रूटलिफ गले मिलीं। इन दोनों ने स्तन कैंसर के इलाज के बाद डाब्रोवस्की की पहली बड़ी जीत का जश्न मनाया।

न्यूजीलैंड की एरिन रूटलिफ (बाएं) और कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की चैंपियनशिप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

यूपी टी-20 लीग युवाओं के लिए अवसर : सीएम

उत्तर प्रदेश प्रीमियर टी-20 लीग के समापन समारोह में ट्रॉफी व रोबोट के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव शुक्ला व अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बीसीसीआई से किया अनुरोध 25 करोड़ आबादी के उत्तर प्रदेश की दो टीमें बनें
- मुख्यमंत्री योगी ने फाइनल मैच का टॉस उछालकर और घंटा बजाकर की शुरुआत

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश प्रीमियर टी-20 लीग का भव्य समापन शनिवार को अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फाइनल मैच का टॉस उछालकर और घंटा बजाकर शुरुआत की।

काशी रुद्रास और मेरठ मावेरिक्स के बीच रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। सीएम ने खिलाड़ियों और कप्तानों से मुलाकात की और ट्रॉफी के साथ तस्वीरें खिंचवाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यूपी टी20 लीग युवाओं के लिए अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि 25 करोड़ की आबादी वाले यूपी को कम से कम दो टीमें दी जाएं, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलें। उन्होंने बताया कि वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से बन रहा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इस वर्ष के अंत तक पूरा हो जाएगा, जबकि अयोध्या, गोरखपुर और मेरठ में भी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के स्टेडियम निर्माणाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि हर गांव में खेल मैदान, हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम और हर जनपद में स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। पुराने खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त कर उभरते खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और यूपीसीए के वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्य सभा सांसद राजीव शुक्ला, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और यूपी टी20 लीग के चेयरमैन डॉ. डीएम चौहान भी मौजूद रहे।

बीसीसीआई 28 सितंबर को नए अध्यक्ष का चुनाव करेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) 28 सितंबर को यहां अपनी आम सालाना बैठक में नए अध्यक्ष और आईपीएल के अगले चेयरमैन का चुनाव करेगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी के 70 साल के होने के बाद इस महीने की शुरुआत में दिए इस्तीफे के बाद से बीसीसीआई अध्यक्ष का पद खाली है। बीसीसीआई का संविधान किसी भी अधिकारी को 70 वर्ष से अधिक आयु तक किसी पद पर बने रहने की अनुमति नहीं देता है। आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल के कुल छह साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अनिवार्य ब्रेक पर जाने की संभावना है। हालांकि चुनाव बीसीसीआई के सभी प्रमुख पदों के लिए होने हैं लेकिन यह प्रभावी रूप से केवल एक पद के लिए ही होना है क्योंकि अन्य पदों पर अधिकारियों के बरकरार रहने की संभावना है।

बढ़ा रोमांच | टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक

चोपड़ा व नदीम के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम इस महीने के अंत में टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिर से पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल की तरह मुकाबले के लिए तैयार हैं।

मौजूदा विश्व चैंपियन चोपड़ा 13 से 21 सितंबर के बीच होने वाली इस प्रतियोगिता में 19 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि नदीम पाकिस्तान के एकमात्र एथलीट हैं। नदीम ने अगस्त 2024 में पेरिस में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ चोपड़ा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। तब से दोनों प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेले हैं। पर अब एक साल से भी ज्यादा समय के बाद तोक्यो में उनका आमना-सामना होने वाला है जिससे यह ओलंपिक और विश्व चैंपियन के बीच मुकाबला होगा।

नीरज चोपड़ा व अरशद नदीम।

सत्ताईस वर्षीय चोपड़ा गत चैंपियन होने के नाते पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पा चुके हैं। उन्होंने क्वालीफाइंग अवधि के दौरान कई बार 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग मानक भी पार किया है। वहीं अठाईस वर्षीय नदीम ने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफाइंग मानक हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक फाइनल के बाद नदीम ने एकमात्र इसी स्पर्धा में हिस्सा लिया है। इस पाकिस्तानी खिलाड़ी की जुलाई में इंग्लैंड में पिंडली की मांसपेशी की सर्जरी हुई थी। विश्व चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक क्वालीफाइंग राउंड 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। तीन अन्य भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी तोक्यो में इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। इससे भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे ज्यादा होगी। डायमंड लीग ट्रॉफी विजेता जर्मनी के जूलियन वेबर इस साल तीन बार 90 मीटर से ज्यादा थ्रो करने के बाद इस स्पर्धा में पसंदीदा दावेदार के रूप में उतरेंगे।